आदिवासी एक्सप्रेस

आमजन का एक मात्र हिंदी दैनिक अखबार

रांची, मंगलवार
01 जुलाई 2025
वर्ष: 38, अंक: 202
पृष्ठ: 12, मूल्य: 3रु
RNI NO.: 49065/1989
DAVP CODE: 130961

देश

ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में काम करें युवा डॉक्टर: मुर्मु

झारखंड

झामुमो ने घरचप्पा गांव में हूल दिवस की मौके पर जिला कार्य समिति का किया गठन

हज़ारीबाग

हूल दिवस पर सिद्धू-कान्हू को श्रद्धांजलि, स्वतंत्रता संग्राम के वीरों के सपनों को साकार करने का लिया संकल्प

सिदो कान्हू और चांद भैरव को सीएम हेमंत ने दी श्रद्धांजलि

कहा- हूल क्रांति आज भी प्रेरणा स्रोत

विशेष प्रतिनिधि द्वारा

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 1855 के ऐतिहासिक संथाल हूल आंदोलन के महानायक अमर शहीद सिदो कान्हू, चांद भैरव, फूलो झानो और हजारों वीर शहीदों को माल्यार्पण कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। हूल दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि यह दिवस केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि हमारे संकल्प, संघर्ष और पहचान का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस बार स्वास्थ्य कारणों से आदरणीय बाबा दिशोम गुरुजी भोगनाडीह की ऐतिहासिक वीर भूमि पर उपस्थित नहीं हो सके, और वे स्वयं भी उनकी अनुपस्थिति के कारण वहां नहीं जा पाए। उन्होंने कहा कि संथाल हूल विद्रोह झारखंड के स्वाभिमान, अस्मिता और अधिकार की प्रतीक क्रांति है, और इससे प्रेरणा लेकर राज्य सरकार आगे भी आदिवासी धर्म कोड, संस्कृति, भाषा, सभ्यता और पहचान के लिए हूल उलगुलान के रूप में कार्य करती रहेगी।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स के माध्यम से राज्यवासियों को संबोधित करते हुए कहा, हूल हमारी ताकत है, हूल हमारी पहचान है। आने वाले समय में आदिवासी समाज की मूल सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने की दिशा में हमारी प्रतिबद्धता और मजबूत होगी।

कोलियरी प्रक्षेत्र अंतर्गत बगदाहा के वृंदावनी चौक स्थित सिदो-कान्हू प्रतिमा पर हूल दिवस पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए नमन किया. इस दौरान दुमका सांसद नलिन सोरेन, झारखंड आंदोलनकारी चिन्हितीकरण आयोग के सदस्य नरसिंह मुर्मू, झामुमो नेता परिमल सिंह ने हूल नायक की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया. वहीं, सांसद नलिन सोरेन ने कहा कि हूल क्रांति अंग्रेजों के खिलाफ पहला सशस्त्र जनविद्रोह था. सोरेन ने कहा कि सिदो-कान्हू, चांद-भैरव व फूलो झानो जैसे वीरों ने अपने बलिदान देकर झारखंड को बचाया है. कहा कि खासकर झारखंड वासियों व युवाओं को उनसे प्रेरणा लेने की जरूरत है. साथ ही आयोग के सदस्य नरसिंह मुर्मू व झामुमो नेता परिमल सिंह ने कहा कि हूल क्रांति से हम सभी को सीख लेने की जरूरत है. उन्होंने कहा सिदो-कान्हू और चांद-भैरव जैसे योद्धा हमारे आदर्श हैं. साथ ही उन्होंने गुरु जी के स्वस्थ होने की कामना की. इस दौरान पारंपरिक नटुवा नृत्य के साथ लोगों ने बगदाहा से मानपुर स्थित स्मारक स्थल तक पदयात्रा की. यहीं से 3 जनवरी 1856 को कान्हू मुर्मू को अंग्रेजी सेना ने गिरफ्तार किया था. बाद में उन्हें अन्य अंग्रेजों ने फांसी दे दी गयी थी. स्मारक स्थल पर विधिपूर्वक पूजन कर बलिदानियों को श्रद्धा-सुमन अर्पित किए गए. कार्यक्रम में मुख्य रूप से झारखंड आंदोलनकारी चिन्हितीकरण आयोग के सदस्य नरसिंह मुर्मू, झामुमो नेता परिमल सिंह, प्रमुख उषा किरण मरांडी, विधायक प्रतिनिधि राहुल सिंह, जिप सदस्य मिसिर हांसदा, मुखिया गोलक बिहारी यादव, पूर्व मुखिया देवेंद्र मुर्मू, सुरेश यादव, झामुमो नेता अब्दुल रहीम, इश्तियाक मिर्जा, युधिष्ठिर प्रसाद यादव, दिलीप मरांडी, सुबेश मुर्मू, जयप्रकाश यादव ने भी वीर शहीद सिदो कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया. वहीं, रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम और भव्य मेला का भी आयोजन किया. इसके अलावा नटुवा नृत्य का भी रंगारंग आयोजन किया गया, जिसमें कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों को खूब आनंद लाया. कार्यक्रम स्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ी रही.

हाइलार्ट्स- हूल दिवस पर बगदाहा में दुमका सांसद ने किया माल्यार्पण

हूल दिवस के इस अवसर पर गांडेय विधायक कल्पना सोरेन, रामगढ़ विधायक ममता देवी, टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो, सारठ विधायक उदय प्रताप सिंह उर्फ चुन्ना सिंह, खिजरी विधायक राजेश कच्छप और पूर्व विधायक के एन त्रिपाठी भी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के माध्यम से झारखंड सरकार ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि आदिवासी इतिहास, शहादत और संस्कृति को सम्मान देने के लिए वह पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

आदिवासी मित्र मंडल चक्रधरपुर में सोमवार को हूल दिवस मनाया गया. समारोह में सिंहभूम की सांसद जोबा माझी व खरसावां विधायक दशरथ गागराई मुख्य रूप से उपस्थित रहे. चेताम दिशोम माझी परगना पीढ़ पोड़ाहाट सारंडा, आनंदपुर, उसूल पिंडा पोटका चक्रधरपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में सांसद-विधायक समेत अन्य लोगों ने हूल क्रांति के अमर नायक सिदो-कान्हू, चांद-भैरव व फूलो-झानो को नमह किया और श्रद्धांजलि अर्पित की.

रेलवे की जमीन पर बने आदिवासी मित्र मंडल भवन के मुद्दे पर सांसद जोबा माझी ने कहा कि जल्द ही डीआरएम से वार्ता के लिए समय निर्धारित किया जाएगा. यदि रेलवे लीज पर भवन निर्माण की स्वीकृति देता है, तो यहां डीएमएफटी से नया भवन का निर्माण कराया जाएगा.

विधायक दशरथ गागराई ने कहा रेलवे की जमीन पर कई धार्मिक स्थलों का निर्माण हुआ है, लेकिन केवल आदिवासी मित्र मंडल के भवन निर्माण से रेलवे को आपत्ति है. विधायक ने कहा रेलवे का भेदपूर्ण रवैया बर्दाश्त नहीं किया जयेगा. अगर रेलवे आनाकानी करता है तो रेलवे ट्रैक जाम कर दिया जायेगा. मौके पर देश परगना छोटो मुर्मू, राजनाथ हेम्ब्रम, लांगो माझी, कालिया जामुदा, जुझार मार्डी, अंतो माझी, राम मुर्मू, गणेश बेसरा, रेशमी मार्डी, कादम्बनी माझी, सीता मुर्मू समेत काफी संख्या में महिला-पुरुष उपस्थित थे.

भोगनाडीह लाठीचार्ज की घटना से राज्य सरकार का पतन होगा: मरांडी

संवाददाता द्वारा

साहिबगंज/ भोगनाडीह में हूल दिवस के मौके पर आदिवासियों पर हुए पुलिस बल के प्रयोग को लेकर भाजपा ने राज्य सरकार पर कड़ा हमला बोला है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए इसे दमनकारी करार दिया है। मरांडी ने कहा कि भोगनाडीह लाठीचार्ज की घटना राज्य सरकार के पतन का कारण बनेगी। हूल दिवस के अवसर पर सिदो-कान्हू की भूमि पर आदिवासी समाज के लोगों पर जिस तरह से पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। उन्होंने दावा किया कि इस कार्रवाई में कई ग्रामीण घायल हुए हैं।

उन्होंने बताया कि इस मामले में उन्होंने साहिबगंज एसपी से दूरभाष पर बात कर पूरी जानकारी ली है। भाजपा नेता ने सरकार पर आदिवासी अस्मिता को दबाने का आरोप लगाते हुए कहा कि आज की यह घटना अंग्रेजी हुकूमत की याद दिलाती है, जब इसी धरती पर हमारे पूर्वजों ने अन्याय के खिलाफ बिगुल फूंका था। छह पीढ़ियों के बाद एक बार फिर सिदो-कान्हू के वंशजों को सड़क पर उतरने को मजबूर होना पड़ा है। मरांडी ने कहा कि राज्य सरकार झारखंड के आदिवासी समाज को उनके पुरखों की वीरगाथाओं से प्रेरणा लेने से रोकना चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि घुसपैठियों के समर्थन वाली सरकार आदिवासी अस्मिता को संगठित नहीं होने देना चाहती। उन्होंने चेतावनी दी कि यह घटना आने वाले समय में हेमंत सरकार के पतन का कारण बन सकती है। जिस तरह सिदो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो ने अंग्रेजी सत्ता की नींव हिला दी थी, उसी तरह यह घटना भी वर्तमान सरकार की जड़ें हिला सकती है। उल्लेखनीय है कि हर वर्ष 30 जून को झारखंड में हूल दिवस मनाया जाता है, जो 1855 में सिदो-कान्हू द्वारा शुरू किए गए आदिवासी विद्रोह की स्मृति में आयोजित होता है। इस वर्ष भोगनाडीह में कुछ स्थानीय मुद्दों को लेकर तनाव की स्थिति बनी रही, जिसके बाद पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा।

पत्रकारों-नेताओं ने की दलाली, 150 से ज्यादा कांग्रेसी सांसदों को रूस से फंडिंग मिली; निशिकांत दुबे

संवाददाता द्वारा

गोड्डा। गोड्डा से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस पर बड़ा आरोप लगाते हुए निशाना साधा है। निशिकांत दुबे ने आरोप लगाते हुए कहा- कांग्रेस के दिवंगत नेता HKL भगत के नेतृत्व में 150 से ज़्यादा कांग्रेस के सांसद सोवियत रूस से फंडिंग लेते थे और उसके लिए ऐजेंट के तौर पर काम करते थे। सांसद ने ये आरोप यूएस की इंटेलीजेंस एजेंसी सीआईए द्वारा 2011 में जारी किए गए दस्तावेज के आधार पर लगाए हैं।

निशिकांत दुबे ने एक्स पर ट्वीट करते हुए निशाना साधते हुए लिखा- कांग्रेस,करप्सन और ग़ुलामी। CIA द्वारा 2011 में जारी हुए दस्तावेज के आधार पर आरोप लगाते हुए कहा- कांग्रेस के बड़े नेता स्वर्गीय HKL भगत के नेतृत्व में 150 से ज़्यादा कांग्रेस के सांसद सोवियत रूस के पैसे पर पलते थे और रूस के लिए दलाली करते थे। निशिकांत ने पत्रकारों के समूह पर एजेंट के तौर पर काम करने की बात भी लिखी। पत्रकारों के समूह उनके दलाल थे तथा कुल 16 हज़ार न्यूज़ आर्टिकलों का ज़िक्र है जो रुस ने छपवाए। नेताओं की फंडिंग और पत्रकारों की दलाली के अलावा रूसी लोगों के हिन्दुस्तान में रहने के भी आरोप लगाए। दुबे ने आगे लिखा- लगभग उस जमाने में रुस के जासूसी संस्थानों के 1100 लोग हिंदुस्तान में थे जो नौकरशाही, व्यापारी संगठनों, कम्युनिस्ट पार्टियों, ओपिनियन मेकर को अपने पॉकेट में रखते थे तथा सूचना के साथ भारत की नीति बनाते थे।

कांग्रेस की उम्मीदवार सुभद्रा जोशी ने लोकसभा चुनाव में उस वक़्त 5 लाख रुपए लिए, जर्मन सरकार से चुनाव के नाम पर। हारने के बाद इंडो जर्मन फोरम की अध्यक्ष बनीं। उन्होंने सवालिया अंजाद में लिखा- यह देश था या ग़ुलामों, दलालों या बिचौलियों की कठपुतली। कांग्रेस इसका जवाब दे, आज इस पर जांच हो या नहीं?

हूल दिवस पर भोगनाडीह में संघर्ष

पुलिस और सिदो कान्हु के वंशज में झड़प, जमकर चले तीर धनुष

निर्भय कुमार ओझा

साहेबगंज: अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ 1855 की संताल क्रांति की याद में मनाए जाने वाले हूल दिवस पर भोगनाडीह में पुलिस और ग्रामीणों के बीच झड़प हो गई। अमर शहीद सिद्धो-कान्हू की जन्मस्थली भोगनाडीह में आदिवासियों और पुलिस-प्रशासन के बीच झड़प के बाद झारखंड में सियासी माहौल गर्म हो उठा है।

सिद्धो-कान्हू पार्क में ताला लगने से नाराज हुए वंशज और ग्रामीण : दरअसल, हूल दिवस पर भोगनाडीह में सरकार की ओर से हर साल कार्यक्रम का आयोजन होता रहा है, लेकिन इस बार प्रशासन ने पार्क में ताला लगा दिया था। इसी कारण सिद्धो-कान्हू के वंशज और ग्रामीण पुलिस-प्रशासन से नाराज हो गए।

पति 2 महीने पहले घर लौटा, तो ये ढाई महीने का बच्चा किसका है? : वंशजों का कहना है कि सबसे पहले पूजा वीर शहीद सिद्धो-कान्हू के वंशज करते हैं, उसके बाद ही कोई पूजा या कोई कार्यक्रम करता है। वंशज मंडल मुर्मू ने बताया कि उन्होंने प्रशासन को लिखित में देकर कार्यक्रम करने की इजाजत मांगी, लेकिन प्रशासन की ओर से उन्हें अनुमति नहीं दी गई। लेकिन मौखिक पूजा करने को कहा गया। जिस कारण वो पूजा करने आए थे, पर पार्क में ताला मार दिया गया था। ताला नहीं खोलने पर ग्रामीण नाराज हो गए। इस बीच पुलिस की ओर से लाठीचार्ज कर दिया गया।

कई पुलिसकर्मियों को तीर लगा : पुलिस की ओर से लाठीचार्ज करने के साथ ही अश्रु गैस के गोले भी दागे गए। वहीं ग्रामीणों की ओर से तीर-धनुष का प्रयोग किया गया। इस घटना में कई पुलिसकर्मी और ग्रामीण घायल हो गई। कई पुलिसकर्मियों को भी तीर लगा है।

30 जून 1855 में संताल हूल की क्रांति शुरुआत : भोगनाडीह ही वह गांव है, जहां से 30 जून 1855 को संताल हूल क्रांति शुरू हुई थी। इस स्थान पर सरकार की ओर से राजकीय कार्यक्रम के समानांतर कार्यक्रम करने पर अड़े शहीदों के वंशजों और आदिवासियों के पंडाल को पुलिस-प्रशासन ने हटाया तो दोनों पक्षों के बीच जमकर संघर्ष हुआ। इस दौरान पुलिस ने लाठीचार्ज भी किया।

राज्य की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय ने भोगनाडीह में ग्रामीणों और पुलिस के बीच झड़प को भाजपा की साजिश करार दिया। उन्होंने कहा कि हूल दिवस आस्था की बात है, किस तरह से इसे मनाते रहे हैं, सबको पता है। वहां अगर कोई विवाद खड़ा करने का प्रयास कर रहा होगा, तो इसका फायदा किसको होगा, सबको पता है।

सरकार के इशारे पर दमनकारी कार्रवाई-बाबूलाल : झारखंड के नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि पुलिस ने आदिवासियों पर लाठीचार्ज कर अंग्रेजी हुकूमत की बर्बरता दोहराई है। उन्होंने इस घटना के लिए राज्य की हेमंत सोरेन सरकार को जिम्मेदार ठहराया है।बाबूलाल मरांडी कहा कि हूल दिवस के पावन अवसर पर भोगनाडीह में पुलिस की ओर से लाठीचार्ज और आंसू गैस के प्रयोग की घटना अत्यंत निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है। इस बर्बर कार्रवाई में कई ग्रामीणों के घायल होने की सूचना मिली है। उन्होंने बताया कि घटना के संबंध में साहेबगंज के एसपी और शहीद सिदो-कान्हू के वंशज मंडल मुर्मू से जानकारी ली है। पुलिस-प्रशासन ने राज्य सरकार के इशारे पर दमनकारी कार्रवाई की है।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने भाजपा को घटना के लिए जिम्मेवार बताते हुए कहा कि दरअसल, भाजपा के दो बड़े नेताओं को भोगनाडीह में माहौल खराब करने की जिम्मेवारी दी गई थी और उनकी ही साजिश की वजह से यह घटना हुई

उधर, गोड्डा के भाजपा सांसद ने लाठी चार्ज में घायल हुए कुछ ग्रामीणों की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर करते हुए लिखा -'1855 में स्वतंत्रता संग्राम के नायक सिदो-कान्हू का आज बलिदान हुआ था। यानी आज हूल दिवस है और झारखंड की इंडी गठबंधन सरकार ने आज भोगनाडीह में सिदो-कान्हो के वंशज मंडल मुर्मू सहित, बड़े, बूढ़े, बच्चे तथा महिलाओं को मारा-पीटा। उन्हें जान से मारने की कोशिश की। क्या यही आदिवासी प्रेम है, क्या स्वतंत्रता के नायकों का परिवार इसी दुर्दशा से जीएगा?'

झामुमो के महासचिव सह प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय ने कहा है कि राज्य की कानून व्यवस्था सर्वोपरि है. किसी को भी इसे हाथ में लेने की इजाजत नहीं दी जा सकती. हूल दिवस के अवसर पर भोगनाडीह में श्रद्धा और सम्मान के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया था, लेकिन कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा सुनियोजित ढंग से स्थिति को बिगाड़ने की कोशिश की गई. ऐसे हालात में प्रशासन ने संयम और संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई की, ताकि माहौल और बिगड़ने से रोका जा सके.

सरकार असामाजिक तत्वों की जरूर पहचान करेगी और ऐसे लोगों का पर्दाफाश किया जाएगा. झामुमो की अगुवाई वाली सरकार में विभाजनकारी ताकतों को कभी भी सिर उठाने नहीं दिया जाएगा. ये सब भाजपा नेतृत्व वाली सरकारों में ही देखने को मिलता है. चंद लोगों की नादानी के कारण पूरे राज्य की जनता की सुरक्षा को खतरे में नहीं डाला जा सकता.

पांडेय ने कहा कि भाजपा जानबूझकर भ्रामक प्रचार कर रही है और झूठे आरोपों के जरिए लोगों को भड़काने की कोशिश कर रही है. राज्य में कानून का शासन है. भाजपा को चाहिए कि वह गैर-जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका छोड़कर रचनात्मक सुझावों और जनहित के मुद्दों पर बात करे.

हूल दिवस हमारी सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है. इसका राजनीतिक उपयोग करना बेहद शर्मनाक है. जो भी व्यक्ति या संगठन कानून को अपने हाथ में लेगा, उस पर नियमानुसार कार्रवाई होगी, चाहे वह किसी भी विचारधारा या दल से जुड़ा क्यों न हो. राज्य सरकार अपने हर नागरिक की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है.

आईएएस पूजा सिंघल और उनके पति नहीं जा पाएंगे अमेरिका, कोर्ट ने खारिज की याचिका

संवाददाता द्वारा

रांची। ईडी कोर्ट से मनी लॉन्ड्रिंग करने की आरोपित आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल और उनके पति अभिषेक झा को राहत नहीं मिली है।दोनों की ओर से पासपोर्ट रिलीज करने की मांग वाली याचिकाओं को ईडी कोर्ट ने खारिज कर दिया है। ईडी के विशेष न्यायाधीश एसएन तिवारी की अदालत ने शनिवार को उनकी याचिकाओं पर सुनवाई के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया था। सोमवार को कोर्ट ने अपना आदेश सुनाया। दोनों को अपनी बेटी का नामांकन अमेरिका में कराना है। उनका पासपोर्ट अदालत में जमा है।दोनों ने पासपोर्ट रिलीज करने की गुहार लगाते हुए आठ मई को अलग-अलग याचिका दाखिल की थी। जानकारी के अनुसार अगस्त महीने में बेटी के नामांकन के लिए उन्हें अमेरिका जाना है। लेकिन अदालत ने उनके पासपोर्ट को रिलीज नहीं किया है। बता दें कि पूजा सिंघल के खिलाफ ईडी साक्ष्य प्रस्तुत कर रहा है, जबकि अभिषेक झा पर आरोप गठित किया जाना है।दोनों ने पासपोर्ट रिलीज करने की गुहार लगाते हुए आठ मई को अलग-अलग याचिका दाखिल की थी। जानकारी के अनुसार अगस्त महीने में बेटी के नामांकन के लिए उन्हें अमेरिका जाना है। लेकिन अदालत ने उनके पासपोर्ट को रिलीज नहीं किया है। बता दें कि पूजा सिंघल के खिलाफ ईडी साक्ष्य प्रस्तुत कर रहा है, जबकि अभिषेक झा पर आरोप गठित किया जाना है।

जयराम महतो की पार्टी की महिला नेत्री को थाना प्रभारी ने जड़ा थप्पड़, जमकर हुआ हंगामा

क्राइम संवाददाता द्वारा

धनबाद। जिले के कतरास एनएच 32 आकाशकिनारी समीप स्थित बाघमारा महिला थाना में रविवार की रात जमकर हंगामा हुआ. युवक-युवती मामले को लेकर जेएलकेएम जिला अध्यक्ष भारती महतो महिला थाना पहुंची थी. युवक-युवती के मामले को लेकर जेएलकेएम नेता और महिला थाना प्रभारी वर्षा कुमारी के बीच बहस हो गई और देखते ही देखते महिला थाना प्रभारी द्वारा उनको अचानक थप्पड़ जड़ दिया गया.

इस पर जेएलकेएम नेता ने भी महिला थाना प्रभारी को थप्पड़ मार दिया. जिसके बाद बवाल बढ़ गया. सूचना मिलने पर कतरास थाना प्रभारी असित कुमार महिला थाना पहुंचे और जेएलकेएम समर्थकों से बातचीत कर मामला शांत कराया.

जेएलकेएम महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष भारती महतो ने बताया कि लड़की की मां और भाभी को थाना बुलाकर सुबह से बैठाकर रखा गया था. जबकि लड़के और उसके परिवार को महिला थाना प्रभारी द्वारा सुबह ही छोड़ दिया गया था. इसके बारे में पूछे जाने पर महिला थाना प्रभारी आग बबूला हो गई. इसके बाद महिला पुलिसकर्मियों को बुलाकर थाने से बाहर कर दिया गया. इसी बीच नोंकझोंक होने लगी. इस दौरान महिला थाना प्रभारी वर्षा कुमारी ने थप्पड़ जड़ दिया. इसके बाद महिला मोर्चा की अध्यक्ष भारती महतो ने भी थाना प्रभारी वर्षा कुमारी को थप्पड़ मार दिया.

जेएलकेएम महिला मोर्चा के जिला अध्यक्ष ने बताया कि किसी भी तरह की घटना होने पर व्यक्ति को सबसे पहले थाना आने का अधिकार है ना कि कोर्ट जाने का. अगर एक महिला पुलिस एक महिला के साथ इस तरह का व्यवहार करेगी तो जनता का भरोसा पुलिस प्रशासन के ऊपर से उठ जाएगा.

इधर, जिला अध्यक्ष को थप्पड़ मारने की खबर फैलते ही जेएलकेएम के दर्जनों कार्यकर्ता महिला थाने पहुंच गए. घटना की जानकारी डुमरी विधायक जयराम महतो को भी दी गई, लेकिन जिले से बाहर होने के कारण जयराम महतो समय पर नहीं पहुंच पाए. इधर, घटना की सूचना मिलने ही कतरास थाना प्रभारी असित कुमार सिंह ने महिला थाना पहुंचकर लोगों को समझाया बुझाया. उधर, महिला थाना प्रभारी वर्षा कुमारी ने इस मामले में कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया.

खुशखबरी! मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज में नामांकन की मिली अनुमति

संवाददाता द्वारा

पलामू। मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में एमबीबीएस में नामांकन के लिए नेशनल मेडिकल काउंसिल ने अनुमति दे दी है. 30 जून को अनुमति मिली है, लेकिन नेशनल मेडिकल काउंसिल ने कठोर शर्तें रखी हैं. दरअसल, पूर्व में नेशनल मेडिकल काउंसिल ने सत्र 2020-21 में मेडिकल कॉलेज में नामांकन की अनुमति नहीं दी थी.

मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल की स्थापना वर्ष 2019 में हुई है. मेडिकल कॉलेज में फिलहाल 490 छात्र पढ़ाई कर रहे हैं, जबकि 70 छात्र इंटर्नशिप कर रहे हैं. मेडिकल कॉलेज नगर निगम क्षेत्र के पोखराहा में मौजूद है, जबकि हॉस्पिटल सदर अस्पताल में है.

इस संबंध में मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के प्रिंसिपल डॉ. पीएन महतो ने बताया कि 100 सीटों पर नामांकन के लिए अनुमति मिली है. साथ ही नेशनल मेडिकल

काउंसिल ने नामांकन के लिए कठोर शर्तें भी रखी हैं, जिसे चार महीने में पूरा करना है. मेडिकल कॉलेज में मौजूद सभी आधारभूत का संरचनाओं की कमी को चार महीने में पूरा कर लेना है. जबकि शिक्षकों के खाली पदों को भी भरा जाना है.

किसी भी मेडिकल कॉलेज में न्यूनतम 500 बेड होने चाहिए, लेकिन मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में 353 बेड हैं. मेडिकल कॉलेज के 90 बेड पर मरीज के भर्ती जरूरी है, लेकिन मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल का औसत 67 प्रतिशत ही है. जबकि कॉलेज के छात्रों को पढ़ाई करने पैथोलॉजी एवं कैडावर (शव) मौजूद नहीं है.

आजम खां पर सपा में रार: सांसद रुचिवीरा व पूर्व सांसद हसन आमने-सामने, दोनों नेताओं के बीच बढ़ी खींचतान

शाहरुख खान

सीतापुर जेल में बंद सपा नेता आजम खां से मिलने के बाद उनकी पत्नी तजीन फात्मा के बयान पर अब पार्टी में रार बढ़ गई है। मुरादाबाद में सपा सांसद रुचिवीरा और पूर्व सांसद डॉ. एसटी हसन आमने-सामने आ गए हैं। पूर्व सांसद के बयान पर रुचिवीरा ने सवाल उठाते हुए एहसान फरामोश जैसे शब्द के इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। वहीं डॉ. एसटी हसन ने कहा कि उनके बयान का गलत ढंग से सियासी मतलब निकाले जा रहे हैं। फिलहाल दोनों नेताओं के बीच लोकसभा चुनाव के समय आई तल्खी और बढ़ गई है। करीब चार दिन पहले तजीन फात्मा सीतापुर जेल में बंद पति आजम खां से मिलने गई थीं। बाहर आने के बाद उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अब अल्लाह से उम्मीद है। इसके बाद इस बयान के सियासी मायने निकाले जाने लगे। उनका बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगा। इसे आजम परिवार के पहले के बयानों से भी जोड़कर देखा जाने लगा। वहीं हरदोई जेल से छूटने के बाद पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम ने अपने को रामपुर तक ही सीमित रखा है। वह किसी तरह के बयान देने से बचते रहे हैं। दूसरी ओर आजम परिवार की आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद से बढ़ती नजदीकियों की खूब चर्चाएं हैं। सियासी गलियारों में इसे दलित-मुस्लिम गठजोड़ के रूप में देखना शुरू कर दिया गया है। इनके सबके बीच तजीन फात्मा के बयान को लेकर सांसद रुचिवीरा और पूर्व सांसद डॉ. एसटी हसन की बयानबाजी ने मुरादाबाद की सियासत गरमा दी है।

“पूर्व सांसद डॉ. एसटी हसन द्वारा आजम खां को लेकर दिए गए बयान पर रविवार को पत्रकारों से बातचीत में सपा सांसद रुचिवीरा ने कहा कि आजम खां पार्टी के संस्थापक सदस्य हैं। उन्होंने रामपुर में यूनिवर्सिटी का निर्माण कराया। इसके अलावा विकास के अन्य कार्य किए, जिसको जनता याद करती है। जेल में बंद आजम खां से मिलने के बाद उनकी पत्नी तजीन फात्मा ने पत्रकारों को बयान दिया कि अब अल्लाह से उम्मीद है। सांसद का आरोप है कि तजीन फात्मा के बयान को लेकर पूर्व सांसद ने एहसान फरामोश शब्द का इस्तेमाल किया है। पूर्व सांसद का बयान व्यक्तिगत हो सकता है। इससे पार्टी का कोई लेना देना नहीं है। मुलायम सिंह और आजम खां के परिवारों के बीच किसी तरह का मनमुटाव नहीं है। दोनों परिवारों के रिश्तों को लेकर अंगुली उठाने की जरूरत नहीं है।”

मुलायम-आजम परिवार में कोई मनमुटाव नहीं : पूर्व सांसद डॉ. एसटी हसन द्वारा आजम खां को लेकर दिए गए बयान पर रविवार को पत्रकारों से बातचीत में सपा सांसद रुचिवीरा ने कहा कि आजम खां पार्टी के संस्थापक सदस्य हैं। उन्होंने रामपुर में यूनिवर्सिटी का निर्माण कराया। इसके अलावा विकास के अन्य कार्य किए, जिसको जनता याद करती है। जेल में बंद आजम खां से मिलने के बाद उनकी पत्नी तजीन फात्मा ने पत्रकारों को बयान दिया कि अब अल्लाह से उम्मीद है। सांसद का आरोप है कि तजीन फात्मा के बयान को लेकर पूर्व सांसद ने एहसान फरामोश शब्द का इस्तेमाल किया है। पूर्व सांसद का बयान व्यक्तिगत हो सकता है। इससे पार्टी का कोई लेना देना नहीं है। मुलायम सिंह और आजम खां के परिवारों के बीच किसी तरह का मनमुटाव नहीं है। दोनों परिवारों के रिश्तों को लेकर अंगुली उठाने की जरूरत नहीं है।

आजम खां को सपा का शुक्रगुजार होना चाहिए : मुरादाबाद के पूर्व सांसद डॉ. एसटी हसन का कहना है कि आजम खां उनके सम्मानित नेता हैं। उनके पीछे प्रदेश की सरकार पड़ी है। झूठे मुकदमे लादकर जेल में डाला है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उनके लिए बहुत कुछ किया है। इस बात को सार्वजनिक नहीं किया जा सकता है। अखिलेश यादव उनके लिए आदर्श हैं। लोकसभा का टिकट कटने के बाद उनसे (आजम खां) मिलने का दिल नहीं करता है। सभी लोग जानते हैं कि किन कारणों से उनका टिकट काटा गया था। अल्लाह सभी की मदद करता है। पार्टी ने आजम खां की मदद की है। पार्टी का उनको शुक्रगुजार होना चाहिए। थैंक लेस नहीं होना चाहिए। इसी शब्द का गलत ढंग से सियासी मतलब निकाला जा रहा है। दोनों नेताओं के बयान सोशल मीडिया पर भी वायरल हो गए हैं।

लोस चुनाव में टिकट को लेकर आजम और अखिलेश आ गए थे आमने-सामने : लोकसभा चुनाव में टिकटों के बंटवारे को लेकर अखिलेश यादव और आजम खां आमने सामने आ गए थे। आजम खां ने अखिलेश यादव को रामपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने का प्रस्ताव दिया था। साथ ही मुरादाबाद सीट से बिजनौर की पूर्व विधायक रुचिवीरा को प्रत्याशी बनाने की सिफारिश की थी। अखिलेश यादव ने उनके प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया। इसके बाद आजम खां के समर्थकों ने रामपुर में लोकसभा चुनाव के बहिष्कार का एलान कर दिया था। इस खींचतान के बीच अखिलेश यादव ने आजम की पसंद को दरकिनार कर मौलाना मोहिब्बुल्लाह नदवी को रामपुर और डॉ. एसटी हसन को मुरादाबाद प्रत्याशी बना दिया था। हालांकि, सियासी तकरार बढ़ने पर नामांकन के बावजूद अखिलेश यादव ने डॉ. एसटी हसन का टिकट काटकर रुचिवीरा को सिंबल थमा दिया था। इससे आजम खां को बैलेंस करने की कोशिश की थी।

चंद्रशेखर ने जेल में आजम से मुलाकात कर सपा को चौंका दिया था : लोकसभा चुनाव 2024 में एक सीट जीतने वाली आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) का यूपी उपचुनाव में भी बसपा से बेहतर प्रदर्शन रहा। दलित-मुस्लिम गठजोड़ उनकी जीत की वजह बनी। इसके मद्देनजर उपचुनाव के बीच ही चंद्रशेखर आजाद ने 11 नवंबर 2024 को हरदोई जेल में बंद आजम खां के बेटे पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम से मुलाकात कर सभी को चौंका दिया था। बाद में वह आजम की पत्नी डॉ. तजीन फात्मा और बड़े बेटे से मिलने रामपुर पहुंच गए थे। यही नहीं, चंद्रशेखर सीतापुर जेल पहुंच गए थे, जहां आजम से उनकी एक घंटे बातचीत हुई थी। इससे सपा भी चकित थी।

बिहार के रास्ते यूपी के आकाश पर छाने की तैयारी में हैं आनंद, रणनीति के तहत सौंपी गई कमान

अशोक मिश्रा

लखनऊ : पार्टी में वापसी के बाद बसपा के चीफ नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद ने भले ही बिहार से अपनी दूसरी पारी का आगाज किया है, पर उनके सियासी कौशल की असल परीक्षा यूपी में होगी। माना जा रहा है कि पार्टी सुप्रीमो मायावती सोची-समझी रणनीति के तहत भतीजे आकाश को बिहार के रास्ते यूपी की सियासत के लिए तैयार कर रही हैं। पटना के कार्यक्रम में जिस प्रकार बसपा सुप्रीमो ने आकाश को रिलॉन्च किया है, उससे स्पष्ट है कि जल्द ही आकाश के सियासी सफर को यूपी में भी रफ्तार देने की तैयारी है। बिहार में विधानसभा चुनाव में अब चंद महीने ही बचे हैं। बसपा सुप्रीमो ने आकाश को बिहार के सियासी मैदान में उतारकर एक बड़ा लक्ष्य दिया है। उन्हें जातियों को जोड़कर फिर से भाईचारा बनाने की जिम्मेदारी सौंपी है।

परिपक्वनेता के रूप में पेश करने की कोशिश : इसके जरिये मतदाताओं के बीच आकाश को एक परिपक्वनेता के रूप में पेश करने की भी कोशिश है। माना जा रहा है कि बसपा सुप्रीमो अगले साल होने वाले पंचायत चुनाव में भी आकाश को यूपी के सियासी मैदान में लॉन्च कर सकती है। सूत्रों का कहना है कि मायावती ने आकाश को बिहारी के सियासी पिच पर यूं ही नहीं उतारा है। इसके जरिये वे आकाश की भाषण शैली और उनके प्रति बसपा समर्थकों के रुझान का भी आकलन करना चाहती हैं, ताकि आकाश की आगे की सियासी राह की रूपरेखा तय की जा सके। यही वजह है कि बिहार के कार्यक्रम में मायावती ने आकाश के साथ अपने सबसे विश्वसनीय नेशनल कोऑर्डिनेटर एवं राज्यसभा सांसद रामजी गौतमा को लगाया है।

कसौटी पर खरा उतरने के लिए प्रयासरत : सूत्रों का कहना है कि बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारियों की पूरी कमान देकर मायावती ने आकाश के लिए एक बड़ा मैदान दे दिया है, ताकि यूपी के सियासी मैदान में उतरने पर उन्हें कोई दिक्कत न हो। वहीं, आकाश ने भी बिहार के कार्यक्रम में जिस आक्रामक शैली में सीएम नीतीश कुमार की सरकार पर सियासी हमला बोला है। उससे साफ है कि आकाश भी बसपा सुप्रीमो की कसौटी पर खरा उतरने की पूरी कोशिश में जुटे हैं। दरअसल दोबारा वापसी के बाद अब आकाश भी चाहते हैं कि पार्टी सुप्रीमो के सामने वह खुद को साबित कर सकें, इसलिए वह इस बार अपने भाषण पर विशेष ध्यान दे रहे हैं और मायावती की तर्ज पर ही अपने वोट बैंक के बीच बसपा के प्रति विश्वास जगाने की कोशिश कर रहे हैं।

पैर तोड़कर इनाम लो... पुरी भगदड़ के खिलाफ कांग्रेस के प्रदर्शन में आईपीएस का पुलिस को निर्देश, वीडियो वायरल

भुवनेश्वर : ओडिशा के एक बड़े पुलिस अफसर, नारसिंघा भोल, एक विवाद में फंस गए हैं। वे आईजीपी रैंक के अफसर हैं। आरोप है कि उन्होंने कुछ पुलिस वालों को कांग्रेस के प्रदर्शनकारियों की टांगें तोड़ने का आदेश दिया। साथ ही, ऐसा करने पर इनाम देने की बात भी कही। आईपीएस अफसर का वीडियो भी सोशल मीडिया में सामने आया है, जिसके बाद जमकर फजीहत हो रही है। वीडियो में नारसिंघा भोल कह रहे हैं, 'इनकी टांगें तोड़ दो और मुझसे इनाम लो।' इस वीडियो के कारण कांग्रेस के लोग बहुत गुस्सा हैं। वे मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के घर के पास प्रदर्शन कर रहे थे। यह प्रदर्शन पुरी भगदड़ के विरोध में था।

एसीपी ने क्या कहा : आईपीएस नरासिंघा भोला बैरिकेटिंग के एर ओर अकेले खड़े हैं। प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस दूसरी ओर खड़ी है। वह पुलिसवालों से कहते हैं, पकड़ना नहीं है, तोड़ना है, ठीक है...तोड़ना है... पैर तोड़ना है। यहां से पकड़ना नहीं है। पकड़ने के लिए हम वहां खड़े हैं। वहां से कोई यहां आया तो पैर तोड़ना है। जो एक पैर तोड़ेगा, मेरे पास आएगा और रिवॉर्ड लेगा।

कांग्रेस बरसी : युवा कांग्रेस के नेता यशिर नवाज ने कहा कि एक सीनियर आईपीएस अफसर के मुंह से ऐसी बातें अच्छी नहीं लगतीं। हम शांति से रैली कर रहे थे। जब भोल से इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने सफाई दी। उन्होंने कहा, 'मैं पुलिस वालों को बता रहा था कि अगर प्रदर्शनकारी हिंसा करते हैं और कानून तोड़ते हैं, तो उन पर कार्रवाई करें।' उन्होंने कहा कि उनका मतलब यह नहीं था कि शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को नुकसान पहुंचाया जाए।

ओडिशा सीएम का एक्शन : पुरी में भगदड़ के बाद ओडिशा के सीएम ने प्रशासन में बड़े बदलाव किए हैं। कुछ बड़े अफसरों का तबादला कर दिया गया है। ओडिशा के सीएम मोहन चरण माझी ने पुरी के श्री गुंडिचा मंदिर के पास हुई भगदड़ के बाद यह फैसला लिया। इस भगदड़ में तीन लोगों की मौत हो गई थी और लगभग 50 लोग घायल हो गए थे। एडीजी एस.के. प्रियदर्शी अब रथ यात्रा के लिए पुलिस व्यवस्था देखेंगे। शश्वत मिश्रा को सीएम को प्रमुख सचिव बनाया गया है। पुरी के पूर्व कलेक्टर अरविंद अग्रवाल रथ यात्रा के काम को संभालेंगे। पुरी के कलेक्टर और एसपी को हटा दिया गया है। दो सीनियर अफसरों को सस्पेंड कर दिया गया है। डीआईजी पिनाक मिश्रा को नया एसपी बनाया गया है।

प्रयागराज बवाल : दो घंटे उपद्रव की आग में जला करछना

प्रयागराज : आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद चंद्रशेखर आजाद रावण को प्रयागराज सर्किट हाउस में रोके जाने से रविवार को करछना में बवाल हो गया। आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने करछना क्षेत्र में जाम लगा दिया। प्रदर्शनकारियों को समझाने पहुंची पुलिस टीम पर हमला बोल दिया गया। पुलिस की तीन गाड़ियों समेत एक दर्जन वाहनों में तोड़फोड़ की गई। 15 बाइकें फूंक दी गईं। पथराव में चौकी प्रभारी समेत आधा दर्जन पुलिसकर्मी चोटिल हो गए। मौके पर स्थित तनावपूर्ण बनी रही। घटनाक्रम के अनुसार, भीम आर्मी प्रमुख चंद्रशेखर को कौशाम्बी के लोहंदा गांव जाकर कथित दुष्कर्म पीड़िता बच्ची के परिजनों से मिलना था। साथ ही विगत दिनों करछना के इसौटा लोहंगपुर में जिंदा जलाकर मारे गए दलित युवक (देवीशंकर) के घर जाना था। इसके लिए चंद्रशेखर रविवार की सुबह 11:40 बजे प्रयागराज पहुंचे। इसकी भनक लगने के बाद कानून व्यवस्था का हवाला देते हुए पुलिस ने उन्हें एयरपोर्ट पर ही रोक लिया और वापस लौटने के लिए कहा। इस पर जब चंद्रशेखर नहीं माने तो उन्हें प्रयागराज में सर्किट हाउस लाया गया। इसके बाद वह समर्थकों समेत सर्किट हाउस के गेट पर ही बैठ गए। पुलिस मान-मनौव्वल करती रही, लेकिन बात नहीं बनी। उधर, प्रयागराज के सर्किट हाउस में चंद्रशेखर को रोके जाने की जानकारी जब करछना में जुटे कार्यकर्ताओं को मिली तो उन्होंने करछना-कोहड़ार मार्ग पर भड़ेवरा बाजार में जाम लगा दिया। शाम पांच बजे के करीब डायल 112 की एक गाड़ी से पुलिसकर्मी जाम खुलवाने पहुंचे तो भीम आर्मी के कार्यकर्ता उग्र हो गए। उन्होंने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया। तोड़फोड़ करने के साथ ही डायल 112 की गाड़ी पलट दी। हालात देख पुलिसकर्मियों को बैरंग जाना पड़ा। प्रदर्शनकारियों ने जाम में फंसे अन्य वाहनों पर भी पथराव किया। चंद्रशेखर अपने कार्यकर्ता और प्रशंसकों को पल-पल की अपडेट देते रहे। उन्हें कितने बजे पुलिस ने पकड़ा है, कहां से कहां जा रहे हैं, पुलिस उन्हें पीड़ित परिवार से क्यों नहीं मिलने देने जा रही है आदि अपडेट देते रहे। इस अपडेट के दौरान कार्यकर्ता और उनके प्रशंसक कमेंट भी करते रहे।

गैंगस्टर, रासुका की होगी कार्रवाई : एडि. सीपी अपराध डॉ. अजयपाल शर्मा का कहना है कि आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं के साथ ही लोक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी की जाएगी। इन पर गैंगस्टर और इसके बाद रासुका भी लगाया जाएगा।

व्हाट्सएप पर गिरफ्तारी की अफवाह फैलाकर उकसाया : बवाल मामले की प्रारंभिक जांच पड़ताल के दौरान एक अहम बात सामने आई है। पता चला है कि भीम आर्मी चीफ की गिरफ्तारी की अफवाह फैलाकर भीड़ को उकसाया गया। यह अफवाह एक व्हाट्सएप ग्रुप में फैलाई गई। मौके पर जुटे तमाम युवक इस ग्रुप में शामिल थे।

पीड़ित परिवारों से मिलना चाहते थे भीम आर्मी चीफ : 12 अप्रैल को करछना के इसौटा गांव में दलित समुदाय के देवीशंकर की गला दबाकर हत्या करने के बाद उसका शव जला दिया गया था। इस मामले में गांव के ही नौ लोगों को नामजद किया गया था। इनमें से आठ एक ही परिवार के थे। सभी आरोपी जेल भेजे जा चुके हैं। हत्या की वजह एक युवती से बातचीत करने को लेकर हुआ विवाद था।

लोहंदा कांड : कौशाम्बी के लोहंदा में आठ वर्षीय मासूम से दुष्कर्म के मामले में गांव के ही सिद्धार्थ तिवारी को जेल भेज दिया गया। बेटे को निर्दोष बताते हुए पिता रामबाबू तिवारी ने खुदकुशी कर ली। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने विरोध में एनएच जाम कर दिया जिस पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया। मामले सीओ हटाए गए थे जबकि दो दरोगा निलंबित व इंस्पेक्टर लाइन हाजिर किए गए थे। चंद्रशेखर आजाद ने कहा, मैं कौशाम्बी और करछना जाना चाहता था। मुझे कानून व्यवस्था की स्थिति ठीक न होने का हवाला देकर रोका गया और यह कहा गया कि कुछ देर बाद जाने दिया जाएगा। मुझे छह घंटे तक बिना कारण बताए सर्किट हाउस में रोके रखा गया। मुझे नहीं जाने दिया गया तो लखनऊ में विधानसभा और मुख्यमंत्री कार्यालय का घेराव किया जाएगा, जिसमें पूरे प्रदेश से आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ता शामिल होंगे।

50-60 उपद्रवियों की पहचान, हिरासत में लिए गए 20 संदिग्ध : पुलिस पर हमला और उपद्रव के मामले में 50-60 लोगों की पहचान कर ली है। इसके अलावा 20 लोग हिरासत में भी ले लिए गए। बवाल शांत होने के बाद अफसरों ने आसपास के गांव में सघन चेकिंग अभियान शुरू किया जो देर रात तक चलता रहा। दरअसल पुलिस को सूचना मिली थी कि बवाल में शामिल काफी युवक पुलिस के खदेड़ने के बाद आसपास के गांवों में जाकर छिप गए। इस पर सबसे पहले करछना के ककरम गांव में तलाशी अभियान चलाया गया। यहां बड़ी संख्या में एक जाति विशेष के लोग रहते है। इसके बाद पुलिस ने आसपास के गांवों में पहुंचकर भी जांच पड़ताल की। इस दौरान जो भी संदिग्ध मिला उससे पूछताछ की गई। संतोषजनक जवाब न देने पर उसे हिरासत में ले लिया गया। खबर लिखे जाने तक ऐसे 20 लोगों को पुलिस हिरासत में ले चुकी थी। इसके अलावा वीडियो फुटेज व तस्वीरों के जरिए बवाल में शामिल 50 से 60 लोगों की पहचान की गई। सूचना मिलने के कुछ ही देर बाद मौके पर पहुंचकर स्थिति नियंत्रण में कर ली गई। बवाल में शामिल लोगों को चिह्नित किया जा रहा है। 50 से 60 लोग चिह्नित हुए हैं और 20 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। कानून व्यवस्था के मद्देनजर ही सांसद को लोहंदा व करछना जाने की अनुमति नहीं दी गई। इसलिए उनसे रुकने का निवेदन किया गया।

हजारीबाग में बढ़ती आपराधिक घटनाओं से व्यवसायी चिंतित, गंभीर हुए सांसद मनीष जायसवाल ने एसपी से मिलकर सख्त कार्रवाई की मांग की

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। हजारीबाग शहर में अचानक बढ़ी आपराधिक गतिविधियों ने व्यवसायियों और आम जनता की नींद उड़ा दी है। दिनदहाड़े गोलीबारी, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर हमले और अब आपराधिक तत्वों द्वारा व्यापारियों को धमकी दिए जाने की घटनाओं से शहर में दहशत का माहौल है। इन गंभीर परिस्थितियों को देखते हुए हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने एक सप्ताह में दूसरी बार पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन से मुलाकात की और त्वरित

कार्रवाई की मांग की।
सोमवार को सांसद मनीष जायसवाल शहर के स्वर्ण व्यवसायियों के एक समूह के साथ नए समाहरणालय स्थित एसपी कार्यालय सभागार पहुंचे। जहां सांसद जायसवाल ने एसपी अंजनी अंजन से स्पष्ट शब्दों में कहा कि हजारीबाग अपनी अमन और सौहार्दपूर्ण पहचान के लिए जाना जाता है और शहर ने पहले कभी इस तरह के खौफ का माहौल नहीं देखा है। उन्होंने जोर दिया कि ऐसी गतिविधियों में तेजी आने से न केवल व्यवसायी बल्कि आम नागरिक भी भय के वातावरण में जी रहे हैं।
सांसद मनीष जायसवाल ने एसपी से तत्काल इन घटनाओं पर अंकुश लगाने, अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजने, शहर में सुरक्षा का माहौल स्थापित करने और लोगों को भयमुक्त करने का आग्रह किया।
पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने सांसद मनीष जायसवाल और उपस्थित व्यवसायियों को आश्वस्त किया कि पुलिस इन घटनाक्रमों को लेकर गंभीर है और अपनी कार्रवाई कर रही है। उन्होंने बताया कि पुलिसिंग के तरीके में बदलाव किया जा रहा है और बहुत जल्द शहर में पुलिस की दृश्यता बढ़ेगी, जिससे ऐसे तत्व सहमेंगे और उन्हें सलाखों के पीछे भेजा जा सकेगा। एसपी अंजनी अंजन ने व्यवसायियों को बेखौफ होकर अपने प्रतिष्ठान संचालित करने का भरोसा दिलाते हुए कहा कि पुलिस उनकी सुरक्षा में तत्पर रहेगी।
एसपी कार्यालय से बाहर निकलने के बाद मीडिया से बात करते हुए सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि हजारीबाग में इस तरह की आपराधिक गतिविधि पहली बार एक ट्रेंड के रूप में सामने आई है, जिससे व्यावसायिक वर्ग दहशत में है। उन्होंने बताया कि वे इस विरोध के रूप में एसपी से मिलने आए थे और उन्हें पूरा मामला संज्ञान में दिया गया है ताकि वे कार्रवाई कर सकें और व्यापारी वर्ग सुरक्षित महसूस कर सकें। सांसद ने यह भी कहा कि जब तक हजारीबाग शहर पूरी तरह से भयमुक्त नहीं हो जाता, वे इस मामले को उचित प्लेटफॉर्म पर उठाते रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

हूल दिवस के अवसर पर उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। 30 जून हूल दिवस के अवसर पर उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह एवं पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने पीडब्ल्यूडी चौक पर अवस्थित ऐतिहासिक वीरता और बलिदान के प्रतीक सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर जिले के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं आमजन भी उपस्थित रहे।
उपायुक्त ने अपने संदेश में कहा कि सिदो-कान्हू ने 30 जून 1855 में ब्रिटिश शासन के खिलाफ हूल विद्रोह का नेतृत्व कर आदिवासी समाज में जागरूकता और स्वतंत्रता की अलख जगाई। यह आंदोलन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक महत्वपूर्ण अध्याय है, जो हमें अन्याय के खिलाफ संघर्ष और आत्मसम्मान की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि आज का दिन हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम सामाजिक एकता, समरसता और स्वतंत्रता के मूल्यों को बनाए रखें और सिदो-कान्हू, चांद भैरव, फूलो झानो के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें।
हूल दिवस को गरिमामय रूप से मनाते हुए जनमानस को देश की आजादी में आदिवासी समाज के योगदान से अवगत कराया गया।

अमर शहीद सिध्दू व कान्हू की शहादत हूल क्रांति दिवस पर दी गई भावभीनी श्रद्धांजली

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में सिध्दू व कान्हू की 177 वीं शहादत हूल क्रांति दिवस में उनके चित्र पर पुष्प अर्पित व माल्यार्पण कर दोंनो शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजली दी गई । कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव ने कहा कि 30 जून 1855 को क्रांतिकारी सिध्दू मूर्मु तथा कान्हू मुर्मू के अह्वान पर बरहेट के भोगनाडीह में 20 हजार संथालियों ने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ महाजनों की प्रथा और अंग्रेजी सरकार की बंदोबस्ती नीति के खिलाफ विद्रोह किया था। आदिवासियों से 50 प्रतिशत से 500 प्रतिशत तक खेती कर वसूल करना इस अन्याय के खिलाफ जब सिध्दो और कान्हू चांद और भैरव के साथ दोंनो बहन फूलो और झानों ने आवाज उठाई तो हजारों की संख्या में लोगों ने इसका स्वागत किया और अपने परंपरागत तीर धनुष के साथ भोगनाडीह गांव में होकर खूद को स्वतंत्र घोषित किया तथा स्थानीय जमींदार पूंजीपतियों सूदखोरों के खिलाफ जंग छेड़ने की शपथ ली । कार्यक्रम में जिला मिडिया अध्यक्ष निसार खान महानगर अध्यक्ष मनोज नारायण भगत 20 सुत्री सदस्य संजय कुमार तिवारी सेवादल अध्यक्ष गुड्डू सिंह, सुनिल अग्रवाल, मनिषा टोप्पो, परवेज अहमद, अनिल कुमार भुईंया, अजय गुप्ता, कृष्णदेव प्रसाद सिंह, विजय कुमार सिंह, अजीत कुमार सिंह, डॉ. भैया असीम कुमार, सदरूल होदा, कृष्णा कुमार यादव, मुस्ताक अंसारी, सैयद अशरफ आदि उपस्थित थे।

हूल दिवस अंग्रेजों के छक्के छुड़ाने वाले नायकों को याद करने का खास दिन: फागु बेसरा

- हूल दिवस सिद्धू कान्हू द्वारा अंग्रज़ों के खिलाफ अदम्य साहस प्रतीक है: विकास राणा
- झामुमो कार्यकर्ताओं ने मनाया हूल दिवस, अमर शहीद सिद्धू कान्हू की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। झारखण्ड मुक्ति मोर्चा कार्यकर्ताओं के द्वारा 30 जून को हूल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर सिद्धू कान्हू की प्रतिमा पर फूल माला पहनाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के केन्द्रीय महासचिव सह दर्ज़ा प्राप्त मंत्री फागु बेसरा कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित थे। केन्द्रीय समिति सदस्य विकास राणा एवं केन्द्रीय समिति सदस्य सुनील शर्मा के नेतृत्व में झारखण्ड मुक्ति मोर्चा कार्यकताओं ने उनकी प्रतिमा पर फूलमाला चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के केन्द्रीय महासचिव सह दर्ज़ा प्राप्त मंत्री फागु बेसरा ने अपने सम्बोधन में कहा कि आदिवासी इस दिन को अपने संघर्ष और अंग्रेजों के द्वारा मारे गए अपने 20000 (बीस हज़ार) लोगों की याद में मनाते हैं। जैसा कि शब्दों से स्पष्ट हो रहा है, यह विद्रोह अंग्रेजों के छक?के छुड़ाने वाले नायकों को याद करने का खास दिन है।हूल दिवस सिद्धू कान्हू द्वारा अंग्रज़ों के खिलाफ अदम्य साहस प्रतीक है जिसमें अंग्रेज़ों जमींदारों और महाजनों के खिलाफ युद्ध था।
झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के केन्द्रीय समिति सदस्य विकास राणा ने अपने सम्बोधन में कहा कि हूल दिवस सिद्धू कान्हू द्वारा अंग्रज़ों के खिलाफ अदम्य साहस प्रतीक है। हूल दिवस के आंदोलन को इतिहास क पन्नों में दर्ज़ होना चाहिए। अमर शहीद सिद्धू कान्हू की प्रतिमा पर फूलमाला चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित करनेवालों में मुख्य अतिथि फागु बेसरा, जिला परिषद् अध्यक्ष उमेश मेहता, केन्द्रीय सदस्य कमल नयन सिंह, केन्द्रीय सदस्य सुनील शर्मा, आनन्द सिंह, अजय कुमार, विवेक कुमार राणा, इफ्तेखार अहमद टिंकू, प्रयाग प्रसाद मेहता, रमेश हेम्रम, आफताब आलम, अविनाश कुमार पिंकू, सूरज कुमार, सन्तोष कुमार, ओम प्रकाश देव सहित अन्य लोग शामिल थे।

हूल दिवस पर सिद्धू-कान्हू को श्रद्धांजलि, स्वतंत्रता संग्राम के वीरों के सपनों को साकार करने का लिया संकल्प

- स्वतंत्रता सेनानियों की रक्षा की गई ज़मीनें आज भू-माफियाओं के कब्जे में जा रही हैं, जो शहीदों की कुर्बानी का अपमान है: पूर्व सांसद

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। 30 जून हूल दिवस के अवसर पर हजारीबाग स्थित सिद्धू कान्हू मुर्मू चौक पर भव्य श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया, जिसमें आज़ादी के पहले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए।
कार्यक्रम में हजारीबाग के पूर्व सांसद एवं भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के वरिष्ठ नेता सह झारखंड विस्थापित संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष भुवनेश्वर प्रसाद मेहता, वर्तमान सांसद मनीष जायसवाल, सदर विधायक प्रदीप प्रसाद, झारखंड स्वतंत्रता सेनानी विचार मंच के अध्यक्ष बटेश्वर प्रसाद मेहता, सीपीआई के जिला सह सचिव निज़ाम अंसारी, वरिष्ठ नेता मोहम्मद शमीम, महेंद्र राम और मजीद अंसारी समेत अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने

भाग लिया। सभी अतिथियों ने सिद्धू-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।
इस अवसर पर अपने संबोधन में पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने कहा कि भारत की आज़ादी की लड़ाई 1857 की क्रांति से नहीं, बल्कि 1855 में सिद्धू-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो द्वारा शुरू किए गए संथाल विद्रोह से आरंभ हुई थी। उन्होंने अंग्रेज भगाओ - देश बचाओ और जल, जंगल, ज़मीन बचाओ का नारा दिया, जो आज भी प्रासंगिक है। कहा कि नीलांबर-पीतांबर, बुद्धु भगत, शेख भिखारी, टिकैट उरांव और बिरसा मुंडा जैसे अनेक क्रांतिकारियों ने भी आज़ादी की इस लड़ाई में अपना योगदान दिया।
क्रांतिकारियों ने जल जंगल जमीन को भी लूटने से बचाने के लिए आंदोलन किया। उनके संघर्षों के फलस्वरूप अंग्रेजों को 1908 में सीएनटी एक्ट लागू करना पड़ा।
श्री मेहता ने आज की परिस्थितियों पर चिंता जताते हुए कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों की रक्षा की गई ज़मीनें आज भू-माफियाओं के कब्जे में जा रही हैं, जो शहीदों की कुर्बानी का अपमान है। उन्होंने झारखंड सरकार से मांग की कि ज़मीन लूटने वालों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए तथा शहीदों के सपनों का राज्य सुनिश्चित किया जाए।
कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों ने वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

एमबीए विभाग को मिला नया निदेशक, डॉ. मोहम्मद मोख्तार आलम को सौंपी गई जिम्मेदारी

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय वाणिज्य विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मोहम्मद मोख्तार आलम को एमबीए विभाग का नया निदेशक नियुक्त किया गया है। डॉ. आलम को यह दायित्व उनके वर्तमान शैक्षणिक कर्तव्यों के अतिरिक्त सौंपा गया है और यह नियुक्ति अगले आदेश तक प्रभावी रहेगी। सोमवार को डॉ. अमिताभ सामंत ने डॉ. मोहम्मद मुख्तार आलम को निदेशक पद का पदभार सौंपा। डॉ. मोहम्मद मोख्तार आलम एक अनुभवी शिक्षाविद् हैं और वाणिज्य शिक्षा में उनका लंबा अनुभव रहा है। विश्वविद्यालय को आशा है कि उनके नेतृत्व में एमबीए विभाग और अधिक उत्कृष्टता की ओर अग्रसर होगा।

विभावि के स्नातक में नामांकन हेतु आवेदन 5 जुलाई तक किए जा सकते हैं

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय के अंगीभूत एवं संबद्ध महाविद्यालयों में चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम मे नामांकन के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि अब 5 जुलाई कर दी गई है। पूर्व में यह 28 जून तक थी। परंतु उक्त अवधि में करीब तीन दिन चांसलर पोर्टल का सर्वर डाउन था जिसके चलते अनेको विद्यार्थी ऑनलाइन आवेदन नहीं कर सके। कुछ विद्यार्थियों ने इस विषय पर विश्वविद्यालय प्रशासन से संपर्क भी किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो चंद्र भूषण शर्मा ने विद्यार्थियों को हो रही परेशानी पर तत्काल संज्ञान लेते हुए विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की तिथि को 5 जुलाई 2025 तक विस्तारित करने का आदेश दिया। विश्वविद्यालय के चांसलर पोर्टल सह नामांकन के नोडल पदाधिकारी डॉ इंद्रजीत कुमार ने बताया कि 28 जून 2025 के संध्या 5:00 बजे तक विभावि के चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकन के लिए उनचालीस हजार (39000) आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। डॉ इंद्रजीत कुमार ने इस संबंध में विद्यार्थियों से आग्रह किया है कि नामांकन आवेदन समर्पित करने के इच्छुक विद्यार्थी अंतिम समय की प्रतीक्षा न करें। जिन विद्यार्थियों को नामांकन लेना है वह शीघ्र चांसलर पोर्टल के माध्यम से नामांकन हेतु आवेदन की प्रक्रिया को पूर्ण कर ले।

खूंटी में ग्राम प्रधान की हत्या का कारण बना अफीम, 10 अपराधियों को किया गिरफ्तार

क्राइम संवाददाता द्वारा
खूंटी। जिले के भाजपा नेता सह काड़ेतुबिद गांव के ग्राम प्रधान हत्याकांड का खुलासा करते हुए पुलिस ने 10 अपराधियों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार अपराधियों के पास से पुलिस ने दो पिस्टल, तीन देसी कट्टा, 14 पीस जिंदा कारतूस, दो चाकू, 10 मोबाइल, मृतक ग्राम प्रधान का मोबाइल और पांच बाइक बरामद किया गया है. गिरफ्तार अपराधियों में बीरबल मुंडा, सीनू मुंडा, बुधराम हस्सा, केदार मुंडा, पुष्पेंद्र यादव, पतरस पाहन, पलटन मुंडा, पाऊ पाहन, अभिषेक हस्सा और कालीप पूर्ति शामिल हैं.
ग्राम प्रधान बलराम मुंडी हत्याकांड का खुलासा खूंटी एसपी मनीष टोप्पो ने सोमवार को किया. एसपी ने बताया कि आठ हत्यारों को गिरफ्तार किया जबकि दो अन्य अभियुक्तों को भी पुलिस ने देसी कट्टा और गोली के साथ गिरफ्तार किया है. एसपी ने बताया कि 28-29 जून की रात में मारंगहादा थाना के काड़ेतुबिद गांव में अज्ञात अपराध कर्मियों द्वारा घर में घुसकर लूटपाट के क्रम में धारदार हथियार एवं गोली मारकर बलराम मुंडा की हत्या कर दी गई थी.
इस मामले में मारंगहादा थाना में मामला दर्ज किया गया. मामला दर्ज होने के तुरंत बाद एसपी ने डीएसपी की अगुवाई में एक एसआईटी का गठन किया और त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया. गिरफ्तार सभी आरोपियों ने हत्या में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है. एसपी ने बताया कि पुष्पेंद्र यादव और पतरस पाहन पहले भी आपराधिक मामले में गिरफ्तार हो चुके हैं.

मुहर्रम पर्व को लेकर उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में मुहर्रम कमिटी के सदस्यों के साथ की बैठक

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। हजारीबाग जिले में आगामी मुहर्रम पर्व को लेकर विधि-व्यवस्था एवं समुचित तैयारी सुनिश्चित करने हेतु आज छडवा डैम में उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह एवं पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन की अध्यक्षता में मुहर्रम कमिटी के सदस्यों के साथ समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में ताजिया जुलूस के मार्ग, समय निर्धारण, विधि व्यवस्था, सुरक्षा इंतजाम, विद्युत आपूर्ति, पेयजल व्यवस्था, साफ-सफाई, चिकित्सा सुविधा, एंबुलेंस की उपलब्धता सहित अन्य आवश्यक पहलुओं पर विस्तार से

चर्चा की गई। संबंधित विभागों को समय रहते सभी आवश्यक तैयारियाँ पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।
उपायुक्त ने कहा कि प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक उपाय सुनिश्चित किए जाएंगे ताकि मुहर्रम पर्व शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हो। साथ ही, उन्होंने मुहर्रम कमिटी के सदस्यों से भी सहयोग की अपील की।
पुलिस अधीक्षक ने जुलूस के दौरान शांति बनाए रखने, संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने तथा CCTV कैमरा व ड्रोन से निगरानी रखने की बात कही। साथ ही अफवाहों पर ध्यान न देने तथा किसी भी तरह की सूचना तत्काल प्रशासन को देने की अपील की। बैठक में सदर एसडीएम वैद्यनाथ कामती, कटकमसांडी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी उपस्थित थीं।
इस दौरान उपायुक्त ने जिलेवासियों से आपसी भाईचारे एवं सौहार्द के साथ पर्व मनाने की अपील की तथा हर स्थिति में प्रशासन द्वारा आवश्यक सहायता देने का आश्वासन दिया।

सांसद तीर्थ दर्शन के यात्री सोमवार को काशी पहुँचे, सांसद मनीष जायसवाल के लिए भी मांगा आशीर्वाद

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल द्वारा संचालित सांसद तीर्थ दर्शन के अंतर्गत पहले चरण के 180 तीर्थयात्री सोमवार को प्राचीन और पुण्यभूमि काशी पहुँचे। इस तीर्थ यात्रा में हजारीबाग सदर विधानसभा अंतर्गत कटकमदाग प्रखंड के खपरियावां एवं नवादा पंचायत के खपरियावां, नवादा एवं बनहा गांवों से श्रद्धालु शामिल हुए। यह अवसर इन ग्रामीणों के लिए आस्था, श्रद्धा और गौरव का पल रहा, जिसे उन्होंने जीवन का सबसे पावन क्षण बताया। तीर्थयात्रियों ने काशी पहुँचते ही मां गंगा के पावन तट पर स्नान कर आध्यात्मिक वातावरण में श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की। दर्शन के उपरांत सभी श्रद्धालुओं ने

न केवल अपने सुख-समृद्धि के लिए बल्कि इस पवित्र यात्रा के प्रेरणास्रोत सांसद मनीष जायसवाल के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और लोककल्याणकारी कार्यों में निरंतर सफलता हेतु विशेष रूप से भगवान से प्रार्थना की। दिनभर तीर्थयात्री काशी नगरी के विभिन्न पावन स्थलों विश्वनाथ गलियों, गंगा घाटों, मंदिर परिसरों में भक्ति भाव से लीन दिखाई दिए। श्रद्धालुओं के चेहरे पर भक्ति, संतोष और अलौकिक आनंद की स्पष्ट झलक दिख रही थी। इस शुभ अवसर पर सांसद मनीष जायसवाल ने फोन के माध्यम से तीर्थयात्रियों से संवाद स्थापित किया। श्रद्धालुओं ने अत्यंत भावुकता और श्रद्धा के साथ उनका धन्यवाद किया। उनका कहना था आपके प्रयासों ने हमें वह सौभाग्य दिया है, जिसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते थे। आज हम काशी विश्वनाथ के साक्षात दर्शन कर पाए, यह केवल आपके कारण संभव हुआ। हम सबने आपके लिए विशेष आशीर्वाद माँगा है। सांसद श्री जायसवाल ने यात्रियों की प्रतिक्रिया पर हर्ष जताते हुए कहा की तीर्थ में अपने क्षेत्र के श्रद्धालुओं को भेज पाना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य है। उनकी संतुष्टि, आनंद और मेरे लिए आशीर्वाद की भावना से मैं अत्यंत भावुक हूँ। तीर्थ यात्रा का उद्देश्य केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि सामाजिक और आध्यात्मिक जागृति भी है।
सांसद सेवा कार्यालय के कर्मी रूपम ओझा, अमन कुमार, प्रबीर मंडल, सुमित कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता तीर्थ यात्रियों के सेवा में मुस्तैद हैं ।

हूल दिवस पर सिद्धो-कान्हू को श्रद्धांजलि: आदिवासी समाज ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

सांसद मनीष जायसवाल सहित कई गणमान्य हुए शामिल, सिद्धो-कान्हू को किया नमन

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। सोमवार को हूल दिवस के पावन अवसर पर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल, सदर विधायक प्रदीप प्रसाद, पूर्व सांसद भुनेश्वर प्रसाद मेहता, बरकट्ठा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी बटेश्वर प्रसाद मेहता, झामुमो नेता फागू बेसरा, सीपीआई नेता गणेश सीटू, भाजपा नेत्री फुलवा कच्छप, भाजपा एससी मोर्चा के जिला अध्यक्ष

रमेश हेंब्रम, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रेणुका साहू, हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी सहित अन्य गणमान्य लोगों ने बड़ी संख्या में मौजूद आदिवासी समाज के लोगों के साथ हजारीबाग के सिद्धो-कान्हू चौक पर पहुंचकर, हूल विद्रोह के महान नायक और वीर शहीद सिद्धो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया और उनसे संबंधित नारे जयकारे बुलंद किए। इस अवसर पर आदिवासी समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहें। उन्होंने अपने हाथों में पारंपरिक हथियार जैसे तीर-धनुष और कुल्हाड़ी के साथ-साथ वृक्ष लेकर एक महत्वपूर्ण संदेश दिया। यह संदेश था कि आदिवासी समाज हमेशा से पर्यावरण और मानवता का हितैषी रहा है। यह दृश्य बेहद प्रेरणादायक था, जो प्रकृति और संस्कृति के गहरे रिश्ते को दर्शाता है। मौके पर सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि हमें देश की आज़ादी में झारखंड के असंख्य वीरों के बलिदान का सदैव आदर करना चाहिए। जिस प्रकार उन्होंने एक न्यायपूर्ण देश की कल्पना की थी, हमें उसी दिशा में निरंतर कार्य करते रहना है ताकि उनके सपनों को साकार किया जा सके। उन्होंने कहा कि यह दिन हमें अपने इतिहास, अपने नायकों और अपने मूल्यों को याद दिलाता है ।

संक्षिप्त समाचार

विदेशी तथा स्वदेशी दोनों दुश्मनों के खिलाफ था हुल विद्रोहः अविनाश देव

मेदिनीनगर। आज हुल दिवस है देशी एवं विदेशी शत्रुओं के खिलाफ लड़ा गया युद्ध का दिन। हुल विद्रोह के नायक सिद्धू कानू चांद भैरव व फूलों झांनो के नेतृत्व में अंग्रेजों तथा महाजनों के खिलाफ चार सौ गांव के बीस हजार क्रांतिकारी गोलबंद हुए और 30 जून 1855 को भोगनाडीह में क्रांति के बिगुल फूंक दिए। आज हम उन्हीं छः बलिदानी भाई बहनों को याद कर रहे हैं। अपनी पार्टी झामुमो जिला कार्यालय गए और जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में तस्वीर के सामने शहीद वेदी पर फूल चढ़ा कर नमन किए श्रद्धांजलि दिए। संक्षेप में अपनी बात रखे और शहीदों के सपनों के झारखंड बनाने का संकल्प लिए। हुल जोहार!

जामुन के पेड़ से गिरकर युवक गंभीर रूप से घायल, रिम्स रेफर

बालूमाथ। पुलिस अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत बारियातू थाना क्षेत्र के राजगुरु गांव में जामुन का पेड़ से जामुन तोड़ने के दौरान एक युवक पेड़ से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक की पहचान अजीत कुमार यादव (उम्र 18 वर्ष),पिता मोहन यादव, के रूप में की गई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार अजीत अपने घर के समीप एक जामुन के पेड़ पर फल तोड़ने के लिए चढ़ा था। इसी दौरान पेड़ की एक डाली टूट गई,जिससे वह असंतुलित होकर नीचे गिर पड़ा। गिरने के कारण उसके सिर,पैर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं।

घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण एवं परिजन मौके पर पहुंचे और घायल युवक को तत्काल बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहां डॉ0सुरेंद्र कुमार की देखरेख में प्राथमिक उपचार किया गया। हालांकि उसकी स्थिति गंभीर होने के कारण बेहतर इलाज के लिए उसे रांची स्थित रिम्स अस्पताल रेफर कर दिया गया।

हुसैनाबाद विधायक ने घायल होमगार्ड महिला जवान से मेदिनीनगर अस्पताल में की मुलाकात

आदिवासी एक्सप्रेस/लालू कुमार यादव

हुसैनाबाद, पलामू। हुसैनाबाद विधायक संजय कुमार सिंह यादव सोमवार को मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल मेदिनीनगर पहुंचे। वहां पर उन्होंने ट्रेन की चपेट में आकर घायल हुई महिला होमगार्ड के जवान और परिजनों से मुलाकात की। मुलाकात कर उन्होंने पीड़ित परिवार को हर संभव इलाज में मदद करने का आश्वासन दिया। वहीं मौके पर उपस्थित विधायक संजय कुमार सिंह यादव ने कहा कि महिला होमगार्ड जवान के परिवार की आर्थिक स्थिति काफी खराब है, इस दुख की घड़ी में हर संभव मदद करना कर्तव्य बनता है। मौके पर अस्पताल पुलिस चौकी के एएसआई सुशीला टीयू, शशि रंजन पांडे, नीरज कुमार सिंह और पुलिस जवान महेंद्र कुमार, विकास कुमार भी मुख्य रूप से उपस्थित थे।

फरार चल रहे आरोपी के घर पुलिस द्वारा चिपकाया गया इश्तीहार

आदिवासी एक्सप्रेस / जिला ब्यूरो संतोष कुमार दास

इटखोरी (चतरा)। इटखोरी पुलिस ने सोमवार को चतरा पुलिस के सहयोग से चतरा महुआ चौक के एनडीपीएस के आरोपी मोहम्मद अली के घर इश्तिहार चिपकाए। उसके विरुद्ध इटखोरी थाने में कांड संख्या 210/ 20 एनडीपीएस के तहत मुकदमा दर्ज था। पुलिस ने इश्तिहार चिपका कर उसे आत्मसमर्पण के लिए निर्देश दिया है। अन्यथा उसके विरुद्ध अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। इसमें इटखोरी एसआई दिलबाग सिंह और चतरा सदर थाना एसआई राहुल कुमार सिंह शामिल थे।

झामुमो ने घरचप्पा गांव में हूल दिवस की मौके पर जिला कार्य समिति का किया गठन

संवाददाता श्रीकान्त यादव

बांका जयपुर थाना क्षेत्र के लकरमा पंचायत अंतर्गत घरचप्पा गांव में सोमवार को झामुमो नेत्री केंद्रीय समिति के सदस्य सह कटोरिया विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी अंजेला हसदा के अगुवाई में धूमधाम से सोमवार को हूल दिवस मनाया गया. जिस क्रम में सिंधु कानों की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके मुख्य अतिथि पूर्णिया से आए झामुमो के केंद्रीय कार्यकारिणी समिति के सदस्य पटवारी हसदा के हाथों झंडो तोलन किया गया. जिस दौरान उन्होंने हूल दिवस और सिंधु कानों के बारे में विस्तार पूर्वक लोगों को बताया.लोगों को संबोधित करते हुए झामुमो के बिहार से प्रदेश पूर्व सचिव राजीव

कुमार गोंड ने बोला 2000 ई0 में झारखंड और बिहार अलग हुआ है जब दोनों एक थे पांचवी अनुसूचित जनजाति का दर्जा था दोनों राज अलग होने के बाद झारखंड में आदिवासियों को अनेकों योजनाएं की लाभ मिल रही है और बिहार में अभी तक अनुसूचित जनजाति को दर्जा नहीं मिला है. वर्तमान सरकार के महादलित मिशन में आदिवासियों को कुछ नहीं दिया जिसको लेकर हम लोगों ने अभी तक पांचवी अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने का मांग करते आ रहे हैं. बिहार के केंद्रीय समिति के सदस्य सह झामुमो के चकाई विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी ओंकार वर्णवाल ने बोला इस बार इंडिया गठबंधन से विधानसभा में 12 सीट पर बिहार में चुनाव लड़ेंगे झामुमो यदि नहीं मिला सीट तो अकेले ही झामुमो भी यहां चुनाव लड़ेंगे क्योंकि बिहार में कम से कम झामुमो ने 30 सिट को प्रभावित करते हैं जिसको लेकर यहां पूर्व में तेजस्वी यादव की सरकार नहीं बन पाई. इस बार यदि सिट देंगे तो उनका सरकार बनेंगे इनके अलावा और कई अतिथियों ने अलग-अलग तरीके से हुल दिवस को संबोधित करते हुए अपना-अपना बात रखा .जिस मौके सभा आयोजन कर झामुमो की जिला कार्य समिति की कमेटी गठित किया गया जिसमें अमित कुमार उर्फ अभिषेक यादव को जिला अध्यक्ष. और कुंदन कुमार साह को जिला उपाध्यक्ष. चरण लाल बास्की को कटोरिया प्रखंड अध्यक्ष. तुलसी यादव को बौंसी प्रखंड अध्यक्ष.वकार आलम को बाराहाट प्रखंड अध्यक्ष. सहित अन्य पदों पर चुनाव मनोनीत किया गया इनके अलावा जिला अध्यक्ष ने बोला बांका जिला में झामुमो के जल्द ही बूथ कमेटी की मजबूती करने की कार्य को पूरा किया जाएगा.जिस क्रम में अमरपुर के पूर्व प्रत्याशी हीरालाल मंडल. पूर्णिया के जिला परिषद सदस्य अशोक कुमार हसदा. कटिहार के झामुमो जिला अध्यक्ष शंकर मरांडी. झारखंड के वरिष्ठ नेता भोला बास्की. जयपुर के पूर्व मुखिया हरेंद्र शर्मा.मुंशी हेंब्रम.कटोरिया पूर्वी के जिला परिषद प्रतिनिधि सुरेंद्र राम. शिवनारायण यादव. संजय यादव. मोहन यादव. मनीष कुमार सहित अन्य उपस्थित थे

पत्थलगड्डा थाना परिसर में मुहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित हुई

शांति व सौहार्द के बीच मुहर्रम मनाने की अपील

सुनील कुमार दास
आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

पत्थलगड्डा (चतरा)। पत्थलगड्डा थाना परिसर में सोमवार को मुहर्रम पर्व को लेकर हुई शांति समिति की बैठक आयोजित। बैठक की अध्यक्षता सीओ सह प्रखंड विकास पदाधिकारी ऊदल राम व संचालन थाना प्रभारी राकेश कुमार ने किया बैठक में क्षेत्र के प्रतिष्ठित नागरिक, समाजसेवी, विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधि, ताजिया रखने वाले व्यक्ति और जुलूस आयोजक उपस्थित थे। थाना प्रभारी ने सभी

जुलूसों को शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित तरीके से निकालने का अपील किया। प्रभारी ने आयोजकों से बेहतर समन्वय बनाए रखने की अपील की। साथ ही अफवाहों और अप्रिय घटनाओं से बचने के लिए सतर्क रहने को कहा। आगे कहा गया कि त्योहार के दौरान आराजकता फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान सभी समुदाय के लोगों को आपसी भाईचारे के बीच मुहर्रम पर्व मनाने का निर्णय लिया गया। थाना प्रभारी ने कहा यदि किसी भी प्रकार के गड़बड़ी होती है तो इसकी सूचना प्रखंड प्रशासन को कराने का आग्रह किया। मौके पर भाजपा के जिला अल्पसंख्यक अध्यक्ष मौलाना महफूज रहमान, बीस सूत्री अध्यक्ष विकास कुमार यादव, भाजपा पत्थलगड्डा सासंद प्रतिनिधि आशीष कुमार दांगी ,प्रमुख मनीषा कुमारी,मुखिया कुमारी संगीता समेत कई जनप्रतिनिधि व स्थानीय समाजसेवी भी उपस्थित थे।

दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर से दो युवक घायल

बालूमाथ। बालूमाथ रविवार की रात लगभग आठ बजे बालूमाथ-हेरहंज मार्ग पर स्थित राजू पेट्रोल पंप के समीप दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई,जिसमें दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान नगड़ा गांव बालूमाथ थाना क्षेत्र निवासी सुजीत कुमार यादव एवं ब्रहमोरिया गांव (हेरहंज थाना क्षेत्र) निवासी अनुज कुमार के रूप में हुई है। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने घायलों को बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया,जहां चिकित्सक डॉ0सुरेंद्र कुमार की निगरानी में दोनों का इलाज चल रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों बाइक सवार अलग-अलग दिशा से आ रहे थे,तभी पेट्रोल पंप के पास उनकी बाइकों की जबरदस्त टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों युवकों को हाथ-पैर और शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। हालांकि,डॉक्टरों ने बताया कि फिलहाल दोनों की स्थिति खतरे से बाहर है। पुलिस को हादसे की जानकारी दे दी गई है। घटना के कारणों की जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों ने दुर्घटना-स्थल पर वाहनों की तेज रफ्तार को लेकर चिंता व्यक्त की है और प्रशासन से स्पीड ब्रेकर लगाने की मांग की है।

डीएवी पब्लिक स्कूल, एनटीपीसी नॉर्थ करनपुरा, टंडवा को 10+2 तक सीबीएसई से संबद्धता प्राप्त हुई

प्रखंड क्षेत्र के छात्रों को अब उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के लिए रांची या हजारीबाग जाने की आवश्यकता नहीं होगी

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता-अबुल कलाम

टंडवा- (चतरा) डीएवी पब्लिक स्कूल, एनटीपीसी नॉर्थ कर्णपुरा, टंडवा को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा कक्षा 12वीं तक की संबद्धता प्रदान की गई है (संबद्धता संख्याः 3430770)। इस आधुनिक, सुसज्जित संस्थान में अब छात्रों को विज्ञान, वाणिज्य और कला धाराओं में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त होगी। इस महत्वपूर्ण अवसर पर एनटीपीसी के कार्यपालक निदेशक एवं परियोजना प्रमुख (HOP) संजीब कुमार सुआर, स्कूल के चेयरमैन अजय सहगल, सहायक

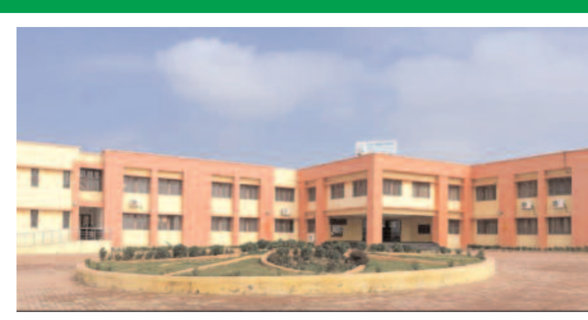

क्षेत्रीय अधिकारी एम. के. सिन्हा, एलएमसी के उपाध्यक्ष राजीव कुमार सिन्हा, तथा प्रबंधक किरण यादव ने स्कूल के प्राचार्य पुष्प कुमार झा को हार्दिक बधाई दी। प्राचार्य झा ने विद्यालय के सभी शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों के साथ-साथ एनटीपीसी के अधिकारियों, मानव संसाधन प्रमुख नीरज कुमार राय, वरिष्ठ प्रबंधक अभिषेक आनंद, और समस्त समुदाय के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग एवं समर्थन से यह उपलब्धि संभव हो सकी। उन्होंने इसे संभव बनाने में डीएवी संस्थान के अधिकारियों द्वारा प्रदान किए गए अमूल्य मार्गदर्शन की भी सराहना की। अनुशासन, मूल्य-आधारित शैक्षणिक ढांचे और शैक्षणिक उत्कृष्टता पर अपने मजबूत फोकस के साथ, डीएवी पब्लिक स्कूल, एनटीपीसी टंडवा क्षेत्र में शिक्षा का एक प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। प्राचार्य झा ने कहा, यह संबद्धता हमारे क्षेत्र के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से बेहतर अवसर और उज्जवल भविष्य प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

नौडीहा 45 दिनों से बिजली गायब ग्रामीण आक्रोश

- **बदल गए बिजली के पोल, तार, लेकिन नहीं बदला बिजली**

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- पप्पू यादव

नौडीहा बाजार पलामू। नौडीहा प्रखंड के नावाटाड़ पंचायत अंतर्गत पुराना थाना के पीछे लगभग 45 दिनों से बिजली गायब है ग्रामीणों ने बताया कि बिजली विभाग के द्वारा नया तार, पोल, केवल जोड़कर छोड़ दिया गया है ग्रामीणों ने बताया कि बिजली विभाग के जेई से कई बार बिजली चालू करने को लेकर टेलीफोन से सूचना दिए हैं लेकिन अब तक चालू नहीं किया गया है सिर्फ आश्वासन दिया जाता है.. अंधेरे में रहने पर विवश है ग्रामीण.. नौडीहा प्रखंड क्षेत्र के कई पंचायत में बिजली पोल, तार मौत की नेवता दे रहे हैं लेकिन बिजली विभाग के द्वारा कोई सुधार नहीं किया गया है. नौडीहा बाजार प्रखंड क्षेत्र में बिजली मात्र कभी जब भी रात्रि 8 से 10 घंटा रहता है अन्यथा बरसात की मौसम हो यह गर्मी का मौसम हो दिन मे हमेशा बिजली नौडीहा प्रखंड में गायब रहता है.. ग्रामीणों के द्वारा कई बार बिजली विभाग मे सुधार करने की लिखित आवेदन दी गई है लेकिन कोई सुधार नहीं किया गया है।

पिपरवार के बचरा में तेज तफ्तार मछली लदा पिकअप वाहन हुआ दुर्घटनाग्रस्त

- **मछली लुटने के लिए लोगों मे मची होड़, पुलिस ने संभाला मोर्चा**

आदिवासी एक्सप्रेस / जिला ब्यूरो संतोष कुमार दास

पिपरवार (चतरा)। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के इंडिया रिजर्व बटालियन आईआरबी थ्री के पिपरवार कैंप और सीआईएसएफ कॉलोनी के समीप सोमवार की दोपहर तेज रफ्तार मछली लदा पिकअप वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया।इस हादसे मे वाहन चालक को मामूली चोटे आयी है। वही हादसे मे वाहन मे लदा कई जिंदा मछली सड़क के बगल गडडे मे गिर गया। इस घटना के बाद वहां काफी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई। वही कई लोगों में मछली लूटने की ललक देखी गई। इस संबंध में

मिली जानकारी के अनुसार उक्त मछली वाहन जिसका नम्बर डब्लुबी28बी -5028 जिंदा मछली लेकर बंगाल से औरंगाबाद जा रहा था, इसी बीच तेज रफ्तार होने के कारण पिपरवार के बचरा सीआईएसएफ और आईआरबी थ्री कैम्प के बीच अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस घटना में पिकअप वाहन चालक को मामूली चोटे आने की सूचना है। वही घटना के बाद वाहन मे लदा कई जीवित मछली सड़क के बगल एक पुलिया के गडडे मे गिर गया। जबकि घटना की सूचना पाकर मौके पर काफी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई। वहीं कई लोग मछली को पकड़कर अपने साथ ले गये।मछली को लेने की ललक मे भीड़ भी बेकाबू होने लगा, इसके बाद इसकी सूचना स्थानीय पिपरवार पुलिस को दी गई। वहीं सूचना पाकर पिपरवार थाना प्रभारी अभय कुमार सशस्त्र बल के जवानों के साथ मौके पर पहुंचकर भीड़ को हटाया।इस दुर्घटना में जहां एक और काफी संख्या में मछली बर्बाद हो गया,वहीं दूसरी ओर वाहन भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। फिलहाल दुर्घटनाग्रस्त वाहन से मछली लूटने की चर्चा पूरे क्षेत्र में हो रही है।

आधार कार्ड में नाम गलत हो जाने से कई सरकारी कार्यों से वंचित

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता-पप्पू यादव

नौडीहा बाजार, पलामू। जिले के नौडीहा बाजार प्रखंड अंतर्गत पंचायत सरईडीह ग्राम खरडीहा के निवाशी शिवनंदन यादव के पुत्र 20 वर्षीय सोमनाथ कुमार को आधार कार्ड संख्या 408188722999 मे सोमन यादव नाम गलत हो जाने से कई सरकारी कार्यों से वंचित किया जा रहा है शिवनंदन यादव ने बताया कि मैट्रिक मार्कशीट के अनुसार मेरा पुत्र का नाम आधार कार्ड मे सोमनाथ कुमार सुधारने का गुहार लगाई है।

छतरपुर को जिला बनाने को लेकर ज़िला बनाओ संघर्ष मोर्चा के द्वारा अहम बैठक का आयोजन

- **हूल दिवस के मौके पर हूल दिवस के नायक सिदो-कान्हू, बिरसा मुंडा को दी गयी भावभीनी श्रधांजलि**

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता-मनोहर यादव

छतरपुर, पलामू। छतरपुर को जिला बनाने को लेकर आवाज़ उठनी शुरू हो गयी है। लोगों का मानना है कि छतरपुर ज़िला बनने की सारी अहर्ताएं पूरी करता है। छतरपुर अनुमंडल को ज़िला बनाने को लेकर मंत्रियों को ज्ञापन देने और बैठकों का दौर भी शुरू हो गया है। इसी कड़ी में जपला रोड स्थित परी मैरेज हॉल में ज़िला बनाओ संघर्ष मोर्चा का गठन किया गया, आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से छतरपुर जिला बनाओ संघर्ष मोर्चा के नाम पर लोगों ने अपनी सहमति दी। बैठक में हूल दिवस के मौके पर

शहीदों को नमन कर, पुष्पांजलि अर्पित करते हुए बैठक की शुरुआत की गई। बैठक की अध्यक्षता ज़िला परिषद समाजसेवी सुदामा पासवान ने किया और संचालन सामाजिक कार्यकर्ता अरविंद गुप्ता चुनमून ने किया। सर्वसम्मति से बैठक में 21 सदस्ययी संयोजक मंडल का गठन किया गया, जो ज़िला बनाने की रणनीति और उसके क्रियान्वयन के लिए कार्य करेगा। बैठक में फंटूस जायसवाल को संयोजक मंडली का मुख्य संयोजक बनाया गया है। बैठक में जिन लोगों को संयोजक की जिमेवारी सौंपी गई है, उनमें दिलीप कुमार चौधरी, कविलास मंडल, प्रसिद्ध कुमार, दीपू कुमार गुप्ता, सुदामा पासवान, धनन्जय प्रसाद, सत्येंद्र चौरसिया,विभु सुमन ब्रह्मचारी, अजय राम, अरविंद चुनमून, मित्तल सिंह, रामजन्म राम, फंटूस जायसवाल, अजय यादव, यमुना यादव, शिवकुमार, विनोद ठाकुर, पंचम कुमार, रवि कुमार, अरुण ठाकुर, चन्दन कुमार के नाम शामिल है। बैठक में बड़ी संख्या में युवाओं और अभिभावकों ने शिरकत किया। बैठक में वक्ताओं ने छतरपुर को जिला बनाने की जरूरतों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि छतरपुर ज़िला बनने की सारी अहर्ताएं पूरी करता है, छतरपुर को जिला बनने से इलाके की विकास व्यवस्थाओं में तेज़ी आएगी, रोजगार के साधन बढेंगे। वक्ताओं ने बैठक के लिए निशुल्क बैंक्वेट हॉल उपलब्ध कराने के लिए पिन्टू चंद्रवंशी का आभार व्यक्त किया। बैठक में मुख्य रूप से जितेंद्र कुमार, मनोहर यादव, आकाश कुमार सिंह, वीरेंद्र चंद्रवंशी, श्री राम कुमार, राजा गुप्ता, आनंद कुमार यादव, ओमदीप चौधरी, मुकेश कुमार, चंदन कुमार, धर्मेंद्र पासवान, सूरज प्रकाश बादल, दीपक कुमार यादव, विश्वनाथ सिंह, राज ठाकुर, मनोज राम, महेंद्र राम, सुरेश ओरांव, राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, सत्येंद्र चौरसिया, राणा रंजीत पहाड़ी, उमेश कुमार, कंचन उरांव, बीरेंद्र विश्वकर्मा, विशाल कुमार, बीरेंद्र प्रसाद गुप्ता, मंदीप यादव सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

शिकारीपाड़ा महाविद्यालय के प्राचार्य सहित कर्मियों ने मनाया हुल दिवस

शिकारीपाड़ा/दुमका। हुल दिवस के अवसर पर शिकारीपाड़ा महाविद्यालय शिकारीपाड़ा के प्राचार्य सिकंदर प्रसाद सिंह के अगुवाई में सभी कर्मियों ने कॉलेज मैदान के सामने स्थापित वीर सिद्धो कान्हु की प्रतिमा पर पुष्प माल्यार्पण कर अमर वीर बलिदानी को याद किया। और साथ में संस्कृति विभाग के शिक्षक सहित अन्य सभी कर्मचारियों ने अंग्रेज द्वारा किए जा रहे शोषण, अन्याय ,जुल्म अत्याचार और दमन कारी नीति के विरुद्ध किए गए उनके विद्रोह और बलिदान को नमन किया। इस अवसर पर प्रोफेसर सपनदान ,धर्मवीर सिंह ,संतोष कुमार गुप्ता ,हबीब अंसारी ,सुमित सिंह ,दीपक कुमार पाल ,लव शाह एवं अन्य छात्र कान मौजूद थे।

हूल क्रांति दिवस पर उपायुक्त ने वीर शहीदों को अर्पित की श्रद्धांजलि

दुमका। हूल क्रांति दिवस के अवसर पर उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध जनआंदोलन के महानायकों अमर शहीद सिदो-कान्हू, चाँद-भैरव एवं फूलो-झानो सहित समस्त वीर सेनानियों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धा-सुमन अर्पित किया।

इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि हूल आंदोलन आदिवासी समाज के स्वाभिमान, संघर्ष और बलिदान का प्रतीक है। यह दिवस हमें प्रेरणा देता है कि हम भी राष्ट्र की सेवा और समाज कल्याण के लिए सच्ची निष्ठा से कार्य करें। मौके पर पुलिस अधीक्षक, अनुमंडल पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

शिकारीपाड़ा में हुल दिवस के अवसर पर खेलकूद सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

शिकारीपाड़ा/दुमका/

30 जून सोमवार को हुल दिवस के अवसर पर शिकारीपाड़ा में सिद्धो कान्हु सेवा दल समिति की ओर से शिकारीपाड़ा में स्थित सिद्धो कान्हु के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया गया। इसके बाद शिकारीपाड़ा में खेलकूद प्रतियोगिता एवं संस्कृति कार्यक्रम का किया गया आयोजन है। कार्यक्रम में शिकारीपाड़ा विधायक आलोक कुमार सोरेन, बीडीओ मोहम्मद एजाज आलम, झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य अब्दुल सलाम अंसारी मौजूद। प्रतियोगिता में फुटबॉल, महिला रस्सा कसा, महिला मुर्गा पकड़, तीर धनुष से निशाना लगाना, डांस सहित अन्य कार्यक्रम। जिसमें फुटबॉल प्रतियोगिता 3 दिन पहले से आयोजन किया गया था जिसका फाइनल खेला गया। प्रतियोगिता में कुल 24 टीम ने भाग लिए था । जिसमें अंतिम चार में आरबीएमएस टुडू टाइगर, केकेआर एफसी, हेंब्रम छात्रा वास और एफ सी दनवा पहुंचे थे। फाइनल हेंब्रम छात्रा वास और एफ सी दनवा के बीच खेला गया। जिसमें हेंब्रम छात्रा वास ने एफसी दनवा को हरा कर फाइनल पर कब्जा किया। विजेता उपविजेता टीमों को विधायक ने ट्रॉपी और नगद राशि देकर सम्मानित किया। सभी टीम अपना दमदार खेल का प्रदर्शन किए ,मैदान में हजारों की संख्या की खेल प्रेमी मौजूद थे।

इस मौके पर झामुमो प्रखंड सचिव प्रभु नाथ हांसदा, कोषाध्यक्ष कलीमुद्दीन अंसारी, रजनीश कुमार, सहित हजारों की संख्या में खेल प्रेमी मौजूद थे। साथ ही सुरक्षा को लेकर पुलिस मुस्तैद थी। वहीं शिकारीपाड़ा के रामगढ़, केसरगढ़ में भी हुल दिवस के अवसर पर खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया थी।

बरहरवा स्थित दीग्गी मोड में समाज सेवी शक्ति नाथ अमन के नेतृत्व में सिदो कान्हु के प्रतिमा पर मलार्पण किया

आदिवासी एक्सप्रेस प्रिंस मिश्रा

30 जून को हर वर्ष हूल दिवस मनाया जाता है. यह दिवस समर्पित है उन वीर संताल आदिवासियों को जिन्होंने अपनी जल-जंगल-जमीन की रक्षा के लिए अंग्रेजों के खिलाफ सशस्त्र आंदोलन किया.

अंग्रेजों के खिलाफ आजादी की पहली संगठित लड़ाई आज के दिन 30 जून, 1855 को झारखंड के सिद्धो- कान्हो, चांद- भैरव व फूलो-झानो की अगुआई में शुरू हुई थी। हमारी माटी छोड़ो के ऐलान से हुए इस संघर्ष में हजारों जनजाति वीर-वीरांगनाएँ शहीद हुए थे।

मोके पर बरहरवा स्थित दीग्गी मोड में , बरहरवा नगर के समाजसेवी शाह झामुमो नेता श्री शक्तिनाथ अमन जी. प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल गाफूर नगर अध्यक्ष धर्मवीर कुमार महतो, नगर कोषाध्यक्ष दिनेश सेन अशोक मंडल मिथुन मंडल बाम दास जीवन सेन उज्जवल दास अमित मंडल कौशल कुमार नुरुल इस्लाम, सहित दर्जनों कार्यकर्ता ने वीर सिद्धो कान्हो के प्रतिमा पर माला अर्पण किया।

हुल दिवस के उपलक्ष पर ग्राम प्रधान ने झामुमो के कद्दावर नेता स्वर्गीय साइमन मरांडी और सुशीला हांसदा की प्रतिमा का किया अनावरण

● मौके पर पुत्र व पूर्व विधायक दिनेश एवं पुत्रवधू थी उपस्थित ● इससे पूर्व विधायक सह भाजपा नेता दिनेश मरांडी एवं उनके पत्नी ने डुमरिया स्थित शाहिद सिद्धू कान्हु तथा दंगा पड़ा चौक स्टेट सहित चंद भैरव के प्रतिमा पर पुष्प समर्पित किया

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो

हिरणपुर (पाकुड)। झामुम के कद्दावर नेता व संस्थापक सदस्य, पूर्व मंत्री, सांसद, विधायक स्वर्गीय साइमन मरांडी तथा पूर्व विधायक सुशील हसदा का दंगा पड़ा चौक में स्थापित प्रतिमा का सोमवार को अनावरण ग्राम प्रधान मुंशी सोरेन ने विधिवत पिता काटकर किया। मौके पर पूर्व विधायक वह स्वर्गीय मरांडी के पुत्र दिनेश मरांडी इनके धर्मपत्नी एगलिना टुडू एवं

परिवार के अन्य सदस्य सहित काफी संख्या में समर्थक ,नेताओं ने माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। बताते चले की श्री मरांडी का निधन 13 अप्रैल 20 21 को 74 वर्ष की उम्र में हुई थी। जबकि पूर्व विधायक एवं श्री मरांडी के धर्मपत्नी सुशीला हांसदा का निधन 1 जनवरी 2016 को हुई थी। इन दोनों दिवंगत नेताओं के आदमकद प्रतिमा डांगापाड़ा चौक में बीते छह माह पूर्व स्थापित किया गया था। उक्त कार्यक्रम से पहले भाजपा नेता व पूर्व झामुमो विधायक ने डुमरिया स्थित वीर शहीद सिद्धू कान्हू और डांगापाड़ा चौक स्थित शाहिद चांद भैरव के प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। कार्यक्रम के पुर्व आदिवासियों द्वारा परंपरागत रूप से नृत्य और गीत की प्रस्तुत कर स्वागत किया गया।

पूर्व विधायक सह भाजपा नेता ने कहे

पूर्व विधायक सह भाजपा नेता दिनेश मरांडी ने दिवंगत पिता एवं माता को स्मरण करते हुए बताया कि इस क्षेत्र के एक-एक व्यक्ति से जुड़े हुए थे और सब के साथ घनिष्ठ संबंध रहा। लोगों की समस्याओं से रूबरू होकर तुरंत समाधान भी किया क्षेत्र के विकास को लेकर सदैव संघर्षरत रहे हैं।

यही कारण है कि आज भी क्षेत्र के लोगों के लिए स्मरणीय हैं। श्री मरांडी ने हुल दिवस पर वीर शहीदों को नमन कर उनके आदर्शों को अनुसरण कर ने की बात कहे, जो अंग्रेजी दासता से मुक्ति दिलाई है। मौके पर अनीस अंसारी, आशीष सेन, मोहनलाल भगत, बबलू राय, बबलू मुर्मू, कालू साहा, छोटू अंसारी, जयंत मंडल और कैलाश सिंह मुख्य रूप से उपस्थित थे।

सभी संबंधित दंडाधिकारी ससमय करें हैंडओवर/टेकओवर का कार्यः उपायुक्त

1 जुलाई से खुदरा उत्पाद दुकानों का संचालन जेएसबीसीएल द्वारा किया जाएगा

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो

पाकुड़। उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग झारखंड सरकार के निर्देश के आलोक में 1 जुलाई से खुदरा उत्पाद दुकानों का संचालन जेएसबीसीएल द्वारा किया जायेगा। उक्त निर्देश के आलोक में जिला में संचालित कुल 36 खुदरा उत्पाद दुकान (देशी/ विदेशी/ कम्पोजिट शराब दुकान) का स्टॉक सत्यापन किए जाने के लिए उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं अंचलाधिकारी के साथ एक बैठक आयोजित की गई।

बैठक में उपायुक्त ने कहा कि जिला एवं प्रखंड स्तर के पदाधिकारी को दंडाधिकारी के रूप में खुदरा उत्पाद दुकानों के स्टॉक सत्यापन के लिए प्रतिनियुक्त किया गया है।

उपायुक्त ने सभी संबंधित दंडाधिकारियों को खुदरा उत्पाद दुकानों के स्टॉक सत्यापन और सामग्रियों के हैंडओवर व टेकओवर करने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। उपायुक्त ने सभी संबंधित दंडाधिकारी ससमय करें

हैंडओवर/टेकओवर का कार्य करने का निर्देश दिया है। मालूम हो कि पहले आरके एंड कम्पनी मैनपॉवर प्राइवेट लिमिटेड की ओर से खुदरा उत्पाद दुकानों का संचालन किया जा रहा था। उसे अब जेएसबीसीएल अगले 1 जुलाई से संचालित करेगी। पूर्व के कार्यकारी एजेंसी द्वारा संचालित सभी दुकानों का स्टॉक व विभिन्न सामग्रियों के सत्यापन उपरांत 1 जुलाई से संचालित किया जाएगा।दुकानों का हस्तांतरण से पूर्व स्टॉक का सत्यापन आवश्यक है। उक्त कार्य में जांच दल द्वारा स्टॉक सत्यापन का वीडियोग्राफी आवश्यक रूप से करने, दुकानवार वीडियोग्राफी की प्रति संधारित करने के लिए उपायुक्त ने संबंधित दंडाधिकारियों को निर्देशित किया। जांच दल के सदस्यों को उपलब्ध कराये गये प्रपत्रों में सत्यापन संबंधित सम्पूर्ण जानकारी अंकित करने की बात कही गई। उपायुक्त ने सभी अंचलाधिकारी को अपने -अपने क्षेत्र अंतर्गत स्टॉक सत्यापन कार्य का मॉनिटरिंग करने के लिए निर्देशित किया गया। उक्त कार्यो के लिए अपर समाहर्त्ता श्री जेम्स सुरीन को स्टॉक सत्यापन के पर्यवेक्षण के लिए वरीय पदाधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है।उपायुक्त ने कहा कि प्रतिनियुक्त पदाधिकारी अपने सहकर्मी के साथ आवंटित दुकानों का ससमय स्टॉक सत्यापित कर उत्पाद अधीक्षक पाकुड़ को आवंटित खुदरा उत्पाद दुकानों से संबंधित जांच प्रतिवेदन विहित प्रपत्र में समर्पित करना सुनिश्चित करेंगे। उत्पाद अधीक्षक उक्त तिथि को प्राप्त सभी प्रतिवेदनों को समेकित कर अपर समाहर्त्ता को उसी दिन प्रतिवेदित करना सुनिश्चित करेंगे।

संथाल विद्रोह के महानायक सिद्धो कान्हू के गिरफ्त स्थल बगदाहा के मानपुर गांव पहुंचे सांसद नलीन सोरेन ने पुष्प अर्पित नमन किये

कुमार आस्तिक गिरि कृष्णा/पालोजोरी।

पालोजोरी प्रखंड के बागदाहा के मानपुर गांव सहित विभिन्न अन्य क्षेत्रों में हूल दिवस लोगों ने बड़ी ही से धूमधाम से मनाया गया। वहीं विभिन्न आदिवासी संगठनों के अलावे राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने संथाल हूल के महानायक शहीद सिद्धो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किये ।जबकि प्रखंड के बगदाहा स्थित सिद्धो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने ग्रामीण इलाकों से भी ग्राम प्रधान, नायकी,गोढ़ैत के अलावे पंचायत प्रतिनिधि पहुंचे। वहीं आदिवासी महिलाओं ने पारंपरिक रीति- रिवाज से सिद्धो-कान्हू की प्रतिमा की पूजा-अर्चना की। साथ ही आदिवासियों ने ढ़ोल नृत्य, झांकी और शोभा यात्रा निकाली गई। वहीं दुमका सांसद नलिन सोरेन और झारखंड आंदोलनकारी चिन्हितीकरण आयोग के सदस्य नरसिंह मुर्मू ने सिद्धो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। वहीं उन्होंने कहा कि आज से 170 वर्ष पूर्व ब्रिटिश सरकार की हुकूमत के साथ साथ महाजनी प्रथा जैसे कुप्रथा को लेकर को सन 1855 में संथाल विद्रोह ईस्ट इंडिया के खिलाफ की गई। जिसमें 60000 आदिवासी जनजातियों द्वारा इस विद्रोह में भाग लिए थे। इसी को लेकर प्रत्येक वर्ष झारखंड के भोगनाडीह से लेकर प्रत्येक जगह में हूल दिवस के रूप में वीर शहीद सिद्धू कानू चांद भैरव को याद कर मनायें जातें हैं। वहीं अतिथियों ने कहा कि साहिबगंज गोविंदपुर मुख्य पथ स्थित बगदाहा चौक सिद्धू कानू की कर्म भूमि के रूप में चिन्हित है। बताया जाता है कि अपने आंदोलन के दिनों में सिद्धू कानू इन इलाकों में छुपकर अंग्रेजों से गोरिल्ला युद्ध करते थे और लोगों को संगठित करने काम किया करते थे। अंग्रेजों ने यहीं से सिद्धू को गिरफ्तार कर पश्चिम बंगाल के सिउडी ले जाकर फांसी दे दिया था। बगदाहा में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले हुल दिवस कार्यक्रम को लेकर झारखंड आंदोलनकारी चिन्हितीकरण आयोग के सदस्य नरसिंह मुर्मू की देखरेख में सारा आयोजन किया गया। हुल दिवस को लेकर लोगों की भीड़ को देखते हुए स्थानीय खागा पुलिस द्वारा सुरक्षा के व्यापक बंदोबस्त किए गए हैं। हूल दिवस को लेकर लोगों में काफी उत्साह और उमंग देखा जा रहा है। मौके पर नरसिंह मुर्मू,युधिष्ठिर यादव मुखीय गोलक यादव, पूर्व मुखिया देवन मुर्मू,दीपक सिंह,बाबू महतो, नेहरू मोहली, सनाउल अंसारी, दिलीप मरांडी,रामधन हेंब्रम,सहदेव मुर्मू, बबलू हंसदा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने सिद्धो कान्हू मुर्मू पार्क का किया निरीक्षण

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो

पाकुड़। सोमवार को उपायुक्त मनीष कुमार व पुलिस अधीक्षक श्रीमती निधि द्विवेदी एवं उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया ने सिद्धो कान्हू मुर्मू पार्क का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि पार्क में आने वाले लोगों का ध्यान रखते हुए समय-समय पर उसे अपडेट करते रहे ताकि लोगों को पार्क में किसी प्रकार की परेशानी न हो। इसके अलावा उन्होंने बरसात के मौसम को देखते हुए पार्क के साफ-सफाई का विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने पार्क

के निरीक्षण के दौरान बच्चों के मनोरंजन के लिए लगाए गए साधनों का भी निरीक्षण किया। खराब पड़े झुले एवं लाईट को दुरुस्त करने का निर्देश जिला पर्यटन पदाधिकारी श्री राहुल कुमार को दिया। जिला पर्यटन पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि सिदो-कान्हू पार्क एवं मार्टिलो टावर में आवश्यक विकास संबंधित प्रस्ताव आगामी जिला पर्यटन संवर्धन परिषद की बैठक में प्रस्ताव बनाकर लाने को कहा ताकि योजनाओं का चयन किया जा सके। उपायुक्त ने कहा कि वर्तमान में सिदो-कान्हू पार्क एवं मार्टिलो टावर पर्यटन विभाग द्वारा सी श्रेणी के पर्यटक स्थल में अधिसूचित है। जिसे अपग्रेड कर बी श्रेणी में अधिसूचित कराने हेतु प्रस्ताव बनाकर पर्यटन विभाग को भेजने का निर्देश जिला पर्यटन पदाधिकारी को दिया गया। इसके अलावा उपायुक्त ने सिद्धो कान्हू मुर्मू पार्क में बनाए गए कला संग्रहालय का भी निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया।

श्रीराम कथा महोत्सव का आयोजन 22 जुन को कलश यात्रा निकाल कर प्रारंभ हुई

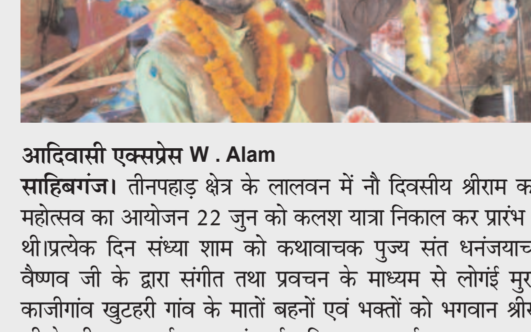

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। तीनपहाड़ क्षेत्र के लालवन में नौ दिवसीय श्रीराम कथा महोत्सव का आयोजन 22 जुन को कलश यात्रा निकाल कर प्रारंभ हुई थी।प्रत्येक दिन संध्या शाम को कथावाचक पुज्य संत धनंजयाचार्य वैष्णव जी के द्वारा संगीत तथा प्रवचन के माध्यम से लोगई मुरली काजीगांव खुटहरी गांव के मातों बहनों एवं भक्तों को भगवान श्रीराम जी के जीवन आदर्श त्याग एवं मर्यादा कि कथा सुनाई कथावाचक पुज्य संत धनंजयाचार्य वैष्णव जी ने सशक्त और प्रेरणादायक व्याख्यानों के माध्यम से श्री राम कथा के प्रसंगों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया !हिन्दू धर्म रक्षा मंच के केन्द्रीय अध्यक्ष संत कुमार घोष ने से कहा कि नवपीढ़ी को श्री राम कथा महोत्सव के माध्यम से भारतीय संस्कृति और धर्म की गहराई से जुड़ने का अवसर मिल रहा है.और इस महोत्सव के माध्यम से पोकेट हनुमान चालीसा पुस्तिका वितरण करने का भी मौका मिलता है. ताकि चालीसा रखने मात्र से सभी संकटों को दूर करता है.और पाठ करने पर सुख समृद्धि कि वृद्धि होती है !हिन्दू धर्म रक्षा मंच के कार्यकर्ता एवं जिला सह प्रभारी पंकज मंडल, जजमान परिवार अमन कुमार संतोष राम,उत्तम कुशवाहा, रीना देवी, रंभा देवी, रघुवर,बंशीधर अरविन्द, अंगद कुमार शामिल थे।

उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक एवं उप विकास आयुक्त समेत जिला के पदाधिकारियों ने सिद्धो-कान्हू के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया

● सिदो-कान्हू, चाँद भैरव समेत हूल विद्रोह के सभी सेनानियों को नमन किया

● वीर शहीदों की कुर्बानी को भूलाया नहीं जा सकता- डीसी

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो

पाकुड़। सिदो-कान्हू पार्क में हूल दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त मनीष कुमार, पुलिस अधीक्षक श्रीमती निधि द्विवेदी, उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया, अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, अनुमंडल पदाधिकारी साईमन मरांडी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अजय सिंह बड़ाईक, विशेष कार्य पदाधिकारी त्रिभुवन कुमार सिंह, जिला क्रीड़ा पदाधिकारी श्री राहुल कुमार समेत

अन्य पदाधिकारियों ने सिद्धो-कान्हू के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया तथा सिदो-कान्हू, चाँद-भैरव समेत हूल विद्रोह के सभी सेनानियों को नमन किया। उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि 30 जून 1855 को सिद्धो-कान्हू ने अंग्रेजो की गुलामी एवं शोषण से मुक्ति के लिए क्रांति का बिंगुल फूंका था। हूल विद्रोह जनजातीय समाज की अंग्रेजों के खिलाफ आजादी के लिए प्रथम जनक्रांति थी। सिद्धो-कान्हू के आह्वान पर हजारों संथाल आदिवासी अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह में शामिल हुये तथा अपने प्राणों की आहुति दी। हूल विद्रोह ने अंग्रेजी शासन की नींव हिला दी थी। उन्होंने कहा कि वीर शहीदों की कुर्बानी को कभी भूलाया नहीं जा सकता है।

उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक एवं उप विकास आयुक्त समेत अन्य पदाधिकारियों ने हूल दिवस पर समाहरणालय सभागार में अमर वीर शहीद सिदो-कान्हू की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर नमन किया

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो

पाकुड़- हूल दिवस के अवसर पर समाहरणालय सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त मनीष कुमार, पुलिस अधीक्षक श्रीमती निधि द्विवेदी, उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया, परियोजना निदेशक, आईटीडीए अरूण कुमार एक्का, अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन,

अनुमंडल पदाधिकारी श्री साईमन मरांडी, जिला परिवहन पदाधिकारी संजय पीएम कुजुर समेत कई अधिकारियों एवं कर्मियों ने सिदो-कान्हू की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तत्वावधान में प्रोजेक्ट जागृति के अंतर्गत एवं हूल दिवस के अवसर पर समाहरणालय परिसर में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन।

स्वास्थ्य शिविर में 35 पदाधिकारियों एवं कर्मियों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

समाहरणालय परिसर में पदाधिकारियों एवं कर्मियों व उनके परिवारों के सदस्यों को स्वास्थ्य परीक्षण के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ उपायुक्त मनीष कुमार व पुलिस अधीक्षक श्रीमती निधि द्विवेदी, उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया, परियोजना निदेशक आईटीडीए अरूण कुमार एक्का, अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, अनुमंडल पदाधिकारी साईमन मरांडी एवं सिविल सर्जन ने फीता काटकर किया। इस स्वास्थ्य शिविर में उपायुक्त मनीष कुमार, उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया, अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन सहित अन्य पदाधिकारियों, कर्मियों एवं उनके परिवार का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। स्वास्थ्य शिविर में 35 पदाधिकारियों एवं कर्मियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

आम प्रकृति नहीं स्त्री का हिंसक प्रतिरोध

>> विचार

> “ स्त्रियों की परंपरागत छवि में जो बदलाव आ रहा है, उसमें शायद यह भी एक मोड़ है। बहरहाल, यह सामाजिक रिश्तों और मानसिक-प्रवृत्तियों के शोध का विषय है। पारिवारिक हिंसा समाज-शास्त्रीय, मनोवैज्ञानिक, फोरेंसिक और चिकित्सा दृष्टिकोण से एक प्रमुख सार्वजनिक चिंता का विषय है। हत्या के अपराध, इसकी व्यापकता और इसे अंजाम देने के तरीकों का अवलोकन कुछ निष्कर्षों की ओर ले जाएगा, इसलिए इसकी निवारक रणनीतियों पर हमें विचार करना चाहिए। विवाह-हत्या सामान्य रूप से हत्याओं का एक प्रासंगिक हिस्सा है। यह अभी तक पश्चिमी समाज की समस्या मानी जाती थी, पर धीरे-धीरे यह हमारे जीवन में भी प्रवेश करेगी।

प्रमोद जोशी

मेघालय में हाल में हुए हनीमून हत्याकांड के बाद से अचानक ऐसी खबरों की भरमार मीडिया में हो गई है, जिनमें मानवीय और पारिवारिक रिश्तों को लेकर कुछ परंपरागत धारणाएं टूटती दिखाई पड़ रही हैं। खासतौर से अपराध में स्त्रियों की बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर तथाकथित 'घातक पत्नियों' के मीम्स और मज़ाक की बाढ़ आ गई है। सोनम रघुवंशी और राजा रघुवंशी मामला अभी विवेचना के दायरे में है, इसलिए उस पर टिप्पणी करना उचित नहीं, पर उसके आगे-पीछे की खबरें इस बात का संकेत तो कर ही रही हैं कि हमारे बीच कुछ टूट रहा है। आप पूछेंगे कि क्या टूट रहा है? एक नहीं अनेक चीजें टूट रही हैं। घर-परिवार टूट रहे हैं, रिश्ते टूट रहे हैं, विश्वास टूट रहा है, भावनाएं टूट रही हैं और वर्जनाओं-नैतिकता की सीमाएं टूट रही हैं। इस दौरान जो मामले सामने आए हैं उनमें प्रेम, विश्वासघात और मानवीय रिश्तों के अंधेरे पक्ष को लेकर सवाल उठे हैं। इन सभी प्रसंगों से इस बात पर रोशनी पड़ती है कि मानवीय भावनाएं, खास तौर पर प्रेम और वासना, कितनी जटिल और विनाशकारी हो सकती हैं। किस हद तक व्यक्ति जुनून और विश्वासघात से प्रेरित हो सकता है। यह उस अंधेरे को भी सामने लाता है जो प्रेमपूर्ण रिश्तों में मौजूद हो सकता है और कैसे प्रेम का विनाशकारी रूप सामने आ सकता है। पहले इन सुर्खियों पर निगाह डालें। एक लिव-इन पार्टनर ने अपनी प्रेमिका की हत्या कर खुद भी आत्महत्या कर ली। दूसरी खबर है, लिव-इन में रह रही युवती की हत्या, प्रेमी फरार। संपत्ति विवाद में पत्नी ने बेटे की मदद से पति को तकिए से मुंह दबाकर मार डाला। राजस्थान में प्रेमी संग मिलकर पत्नी ने की पति की हत्या। पारिवारिक झगड़े में पति ने अपनी पत्नी को गोली मार दी और फिर खुद को भी गोली मार ली। एक घटना किसी दूसरी घटना का प्रेरणास्त्रोत बनती है। तेलंगाना में एक हत्या की जांच से पता लगा कि मेघालय के अंदाज में हत्या की योजना बनाई गई, जिसमें बाहर से लाए गए हत्यारों की भूमिका होती। बाद में इसे टाल दिया और दूसरा रास्ता अपनाया गया। इन सभी घटनाओं की पृष्ठभूमि एक जैसी नहीं है, पर सबमें पति, पत्नी, प्रेमी या प्रेमिका के प्रति विश्वासघात शामिल है। विश्वासघात के भी अलग-अलग कारण और ढंग हैं। इनमें किसी दूसरे प्रेमी या प्रेमिका, संपत्ति, ईर्ष्या या अचानक पैदा हुए आवेश की भूमिका है। हालांकि, हमारे पास इसे साबित करने वाला डेटा नहीं है, पर ऐसा लगता है कि स्त्रियों के व्यवहार में भी परिवर्तन आ रहा है। वे जीवन के अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं, तो आपराधिक प्रवृत्तियों में भी शामिल होने लगी हैं। स्त्रियों की परंपरागत छवि में जो बदलाव आ रहा है, उसमें शायद यह भी एक मोड़ है। बहरहाल, यह सामाजिक रिश्तों और मानसिक-प्रवृत्तियों के शोध का विषय है। पारिवारिक हिंसा समाज-शास्त्रीय, मनोवैज्ञानिक, फोरेंसिक और चिकित्सा दृष्टिकोण से एक प्रमुख सार्वजनिक चिंता का विषय है। हत्या के अपराध, इसकी व्यापकता और इसे अंजाम देने के तरीकों का अवलोकन कुछ निष्कर्षों की ओर ले जाएगा, इसलिए इसकी निवारक रणनीतियों पर हमें विचार करना चाहिए। विवाह-हत्या सामान्य रूप से हत्याओं का एक प्रासंगिक हिस्सा है। यह अभी तक पश्चिमी समाज की समस्या मानी जाती थी, पर धीरे-धीरे यह हमारे जीवन में भी प्रवेश करेगी। निराशा, शराब का सेवन, मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक-आर्थिक कठिनाइयां पारिवारिक दुर्व्यवहार के कुछ पूर्वानुमानित कारक हैं, जो पारिवारिक विघटन, हिंसक व्यवहार और अंततः विवाह-हत्या का कारण बनते हैं। पिछले तीन दशकों में टीवी सीरियलों और ओटीटी प्लेटफॉर्मों पर स्त्रियों की नकारात्मक छवि का असर भी हमारे जीवन पर है। कुछ धारावाहिकों में, महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर दिखाया जाता है। कुछ में उन्हें घरेलू हिंसा और उत्पीड़न का शिकार दिखाया जाता है। मजबूत, स्वतंत्र और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने वाली महिला-पात्र, लड़कियों के आदर्श होने चाहिए। ऐसी महिलाएं हमारे बीच हैं भी, पर अय्याश, धोखेबाज़, क्रूर, साज़िशकार और विवाहेतर संबंधों में यकीन करने वाले स्त्री पात्रों को मनोरंजन माध्यमों ने भरपूर परोसा है। यह ज़मीनी-सच भले ही नहीं है, पर इसने सामाजिक-जीवन को प्रभावित जरूर किया है। ऊपर की घटनाओं में कुछ स्त्रियां अपराधी की भूमिका में नज़र आती हैं, पर हमारे यहां स्त्रियां सबसे ज्यादा अपराधों की शिकार होती हैं। छत्तीसगढ़ से प्राप्त 23 जून की एक खबर है कि पिछले 115 दिनों में राज्य में 30 महिलाओं की उनके पतियों ने हत्या कर दी। यानी के हर चार दिन में एक हत्या। हाल में अमेरिकी विदेश विभाग ने भारत की यात्रा पर आने वाले अपने नागरिकों के लिए लेवल-2 की यात्रा चेतावनी जारी की है। इसमें कहा गया है कि 'बलात्कार अभी भारत में सबसे तेजी से बढ़ते अपराधों में से एक है। यहां सेक्सुअल असॉल्ट समेत हिंसक अपराध टूरिस्ट स्पॉट और दूसरे स्थानों पर होते हैं। भारत की सामान्य स्त्री असुरक्षा से पीड़ित रहती है। अत्यधिक असुरक्षा भी कई बार उनसे हत्या जैसा अपराध करवा सकती है। पर अचानक स्त्रियों की हत्यारी छवि बनने लगी है, जो खतरनाक बात है। संभव है कि कुछ स्त्रियां किसी अपराध की साजिश में दिखाई पड़ें, पर यह कम से कम हमारे समाज की आम प्रवृत्ति नहीं है। हमारे समाज में सामाजिक विघटन को रोकने और परिवारों को बचाए और बनाए रखने में स्त्रियों की सबसे बड़ी भूमिका है। ऐसे अपराध पहले भी होते रहे होंगे, पर समाचार-मीडिया के विस्तार ने ऐसी समझ के विस्तार में भी भूमिका अदा की है। ऐसी खबरों को चटपटा माल मानकर उछालने की प्रवृत्ति है। मीडिया की दिलचस्पी इन अपराधों के पीछे के मानसिक और सांस्कृतिक कारणों को खोजने में नहीं है। बहुत-सी बातों का जवाब मनोवैज्ञानिकों और मनोचिकित्सकों के पास होगा, पर मीडिया की कितनी दिलचस्पी इसमें है? किसी भी हत्या, आत्महत्या या आक्रमण के पीछे के मनोवैज्ञानिक-कारणों की तलाश भी होनी चाहिए। अपेक्षाकृत बंद भारतीय समाज में शहरीकरण, स्त्री-शिक्षा और कार्य-क्षेत्र में स्त्रियों की बढ़ती उपस्थिति के कारण स्त्री-पुरुष संबंधों में भी बदलाव हुआ है और उसके अंतर्विरोध भी स्पष्ट हैं। शहरीकरण, स्त्री-शिक्षा के विस्तार और मीडिया की भूमिका के समांतर हमारे जीवन में लिव-इन रिलेशनशिप और पारिवारिक विघटन की घटनाएं भी बढ़ी हैं। लिव-इन का एक पक्ष नारी-मुक्ति से जुड़ा है, तो दूसरा पक्ष उनके शोषण से भी वाबस्ता है। बेशक गर्लफ्रेंड, ब्वॉयफ्रेंड संस्कृति बदलते समय के साथ आनी ही आनी है, पर उसके साथ समूचे सांस्कृतिक-माहौल में परिवर्तन की जरूरत भी है। ये बातें सामाजिक, आर्थिक और व्यक्तिगत कारकों से प्रभावित होती हैं और उन्हें प्रभावित भी करती हैं। लिव-इन रिलेशनशिप का अर्थ क्या पारिवारिक विघटन है? क्या विवाह नाम की संस्था का अंत हो जाना चाहिए जीवन में बढ़ता अलगाव, तलाक या फिर रिश्तों में आती दरार बच्चों के मानसिक विकास को प्रभावित करती है। पारिवारिक विघटन पूरी सामाजिक संरचना को प्रभावित करता है और बच्चों के लिए भावनात्मक और मानसिक समस्याएं पैदा करता है। ऊपर गिनाई गई आपराधिक घटनाओं का सीधा रिश्ता पारिवारिक विघटन से नहीं है, पर उनकी दिशा वही है। मोटी बात है कि अपराध को अपराध की तरह देखा जाना चाहिए।

संपादकीय

स्त्री-द्वेष की सोच

कोलकत्ता में कानून की एक छात्रा से सामूहिक दुराचार के मामले में पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेताओं की अनर्गल टिप्पणी स्त्री की मर्यादा के खिलाफ शर्मनाक व संवेदनहीन प्रतिक्रिया है। एक बार फिर शर्मनाक ढंग से पीड़िता पर दोष मढ़ने की बेशर्म कोशिश की गई है। टीएमसी की महिला नेत्री महुआ मोइत्रा ने पार्टी के नेताओं के बयान पर निराशा व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया है कि इन राजनेताओं के बयान में स्त्री-द्वेष पार्टी लाइन से परे है। वहीं इससे भी बदतर स्थिति यह है कि जिस पार्टी के नेताओं ने ये दुर्भाग्यपूर्ण बयान दिए हैं, उस पार्टी की सुप्रीमो एक महिला ही है। यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि ममता बनर्जी जैसी तेजतर्रार मुख्यमंत्री के शासन और नेतृत्व के वर्षों के दौरान टीएमसी के भीतर संवेदनशीलता लाने और मानसिकता में बदलाव लाने के प्रयास विफल होते नजर आ रहे हैं। विडंबना यह है कि पीड़िता के प्रति निर्लज्ज बयानबाजी अकेले पश्चिम बंगाल का ही मामला नहीं है, देश के अन्य राज्यों में भी ऐसी संवेदनहीन टिप्पणियां सामने आती रही हैं। देश के विभिन्न राज्यों में कई जघन्य अपराधों के बाद टिप्पणियों में पितृसत्तात्मक रीति-रिवाजों को ही उजागर किया जाता है। गाहे-बगाहे शर्मनाक टिप्पणियां की जाती रही हैं। यदि 21वीं सदी के खुले समाज में हम महिलाओं के प्रति संकीर्णता की दृष्टि से मुक्त नहीं हो पा रहे हैं, तो इसे विडंबना ही कहा जाएगा। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही कि ये वे लोग हैं जिन्हें जनता अपना नेता मानती है और लाखों लोग उन्हें चुनकर जनप्रतिनिधि संस्थाओं में कानून बनाने व व्यवस्था चलाने भेजते हैं। यहां उल्लेखनीय है कि कोलकत्ता में कानून की छात्रा के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म के बाद एक विशेष जांच दल का गठन किया गया है और कुछ गिरफ्तारियां भी की गई हैं। निस्संदेह, इसमें दो राय नहीं कि मामले में कानून अपना काम करेगा, लेकिन मामला यहीं खत्म नहीं हो जाना चाहिए। इस मामले में टीएमसी नेताओं की टिप्पणियां निस्संदेह निंदनीय हैं, लेकिन पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं द्वारा भी कड़े शब्दों में इसकी निंदा की जानी चाहिए। ममता बनर्जी के सामने एक और चुनौती है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज बलात्कार- हत्याकांड और उसके बाद देश भर में उपजा आक्रोश अभी भी यादों में ताजा है। निस्संदेह, केवल टिप्पणियों से पार्टी को अलग कर देना ही पर्याप्त नहीं है। सार्वजनिक जीवन में जीवन-मूल्यों के खिलाफ जाने वाले लोगों के लिये परिणाम तय होने चाहिए। अन्यथा समाज में ये संदेश जाएगा कि ऐसे कुत्सित प्रयासों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं होती है। यह भी कि यह एक स्वीकार्य व्यवहार है। यह तर्क से परे है कि किसी पीड़िता को पूर्ण भौतिक व मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करना एक आवश्यक कर्तव्य के रूप में निहित क्यों नहीं, चाहे कोई भी पार्टी सत्ता में क्यों न हो। किसी अपराध की रोकथाम अच्छे शासन का एक उपाय है, लेकिन जब कोई अपराध होता है तो प्रभावी प्रतिक्रिया भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। टीएमसी दोनों ही मामलों में विफल प्रतीत होती है।

उर्वरक नीति में बदलाव अब समय की मांग

डॉ. वीरेन्द्र सिह लाठर

हरित क्रांति के दौर से पहले किसान प्राकृतिक खेती किया करते थे, जिसमें रासायनिक उर्वरकों की खपत नगण्य थी। उस समय फसलों का उत्पादन और उत्पादकता कम थी। देश के बार-बार अकालग्रस्त होने से, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा विदेशी अनाज के आयात पर निर्भर थी। वर्ष 1943 के बंगाल अकाल में 30 लाख से ज्यादा लोग भूख से मारे गए। ऐसी विकट परिस्थितियों में, नीतिकारों ने हरित क्रान्ति के जनक डा. नॉर्मन बोरलॉग द्वारा विकसित गेहूं की बौनी किस्मों और अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान से धान की बौनी किस्मों का आयात करके, देश में हरित क्रांति का आगाज किया। इन उन्नत गेहूं-धान की बौनी किस्मों और बाजरा-ज्वार की हाईब्रीड किस्मों से पूरा उत्पादन लेने के लिए, भारी मात्रा में उर्वरकों का आयात और उत्पादन व भूजल आधारित ट्यूबवेल से सिंचाई सुविधाओं का विस्तार किया गया। हरित क्रांति दौर में अपनाए गए कृषि सुधारों से देश में विभिन्न फसलों के उत्पादन और उत्पादकता में कई गुणा बढ़ोतरी हुई। जिसकी बदौलत पिछले 5 दशकों से, लगातार बढ़ती आबादी के बावजूद, देश खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बना हुआ है। चावल का पचास हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का वार्षिक निर्यात भी कर रहा है। भारत में वर्ष 2022 में उर्वरक की औसत खपत 193 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि थी और लगभग 30 करोड़ मीट्रिक टन उर्वरक की खपत हुई। भारत में यूरिया सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला उर्वरक है। देश में उर्वरक की खपत प्रतिवर्ष बढ़ती जा रही है। उर्वरकों की घरेलू मांग को पूरा करने के लिए सरकार भारी मात्रा मे वार्षिक आयात करती है। हरियाणा-पंजाब-पश्चिम उत्तर प्रदेश आदि प्रदेशों में गेहूं-धान फसल चक्र की उत्पादकता 10 टन वार्षिक से ज्यादा है। इसी तरह पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडू, केरल आदि प्रदेशों में भी वार्षिक धान की 2-3 फसल चक्रकी उत्पादकता 10 टन से ज्यादा है। इसलिए इन प्रदेशों में उर्वरक की वार्षिक खपत राष्ट्रीय औसत से दुगने से भी ज्यादा प्रति हेक्टेयर 250 किलो नाइट्रोजन, 120 किलो फास्फोरस और 200 किलो पोटेशियम के आसपास है। जबकि वर्षा आधारित बारानी फसलों बाजरा, ज्वार, दलहन, तिलहन आदि के उत्पादक राज्यों में उर्वरक की वार्षिक खपत राष्ट्रीय औसत से काफी कम रहती है। उच्च उत्पादकता वाली कन्दमूल और गन्ने जैसी फसलों को अच्छी पैदावार देने के लिए ज्यादा पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है, जिससे इन फसलों की रासायनिक उर्वरक की खपत बहुत ज्यादा होती है। हरित क्रांति दौर से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए, नीतिकारों ने कृषि क्षेत्र के लिए रासायनिक उर्वरक की सस्ती दर पर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उर्वरक सब्सिडी नीति को अपनाया। किसानों को सस्ती दरों पर उर्वरक उपलब्ध कराने पर सरकार का व्यय पिछले वित्त वर्ष में 6 प्रतिशत घटकर रुपये 1,77,129.5 करोड़ रह गया, जो 2023-24 के दौरान रुपये 1,88,291.62 करोड़ था। यह गिरावट मुख्य रूप से यूरिया और डाई-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) के आयात में गिरावट तथा अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में कमी के कारण हुई है। गिरावट के बावजूद, वास्तविक सब्सिडी बजट में प्रदान की गई रुपये 1,71,310 करोड़ से 3.4 प्रतिशत अधिक है। यूरिया, जो एक पूर्णतः नियंत्रित उर्वरक है, का विक्रय मूल्य पिछले कई वर्षों से 267 रुपये प्रति (45 किग्रा) बैग पर बना हुआ है। उद्योग के अनुमानों से पता चलता है कि सब्सिडी के बिना यह लगभग 1,750 रुपये प्रति बैग हो सकता है। इसी प्रकार, डीएपी का खुदरा मूल्य 1,350 रुपये प्रति बैग तय किया गया है, जो बिना सब्सिडी के लगभग 3,500 रुपये प्रति बैग हो जाएगा। सरकारी विभागों के कदाचार की वजह से लगभग आधे से ज्यादा सब्सिडी वाले कृषि ग्रेड उर्वरक की खपत उद्योगपतियों की फैक्टरियों में गैर-कानूनी तौर पर हो रही है यानी कृषि के लिए दी जा रही केन्द्रीय उर्वरक सब्सिडी का लाभ किसानों को नहीं मिलकर, उद्योगपतियों को मिल रहा है। हर वर्ष फसल बुआई के समय किसानों को उर्वरक पूरी मात्रा में नहीं मिल पा रहा है। उन्हें उर्वरक खुले बाजार से महंगे दाम पर ब्लैक में लेना पड़ रहा है। किसानों को समय पर पूरी मात्रा में उर्वरक नहीं मिल पाने से, फसल की उत्पादकता पर भी दुष्प्रभाव पड़ रहा है। कृषि ग्रेड उर्वरक किसानों को सब्सिडी वाले उर्वरक नहीं मिलने के चलते सरकार द्वारा नियंत्रित सहकारी उर्वरक कम्पनी इफ्को किसानों को वर्ष 2021 से नैनो यूरिया बेच रही है। इफ्को कम्पनी के दावों के अनुसार नैनो यूरिया तरल स्वरूप में, पारंपरिक दानेदार यूरिया की 50 किलो की एक बोरी का विकल्प है। हरित क्रांति दौर से अग्रणी रहे पंजाब कृषि विश्वविद्यालय आदि अनेक संस्थानों के अनुसंधान में नैनो यूरिया को कृषि क्षेत्र के लिए अनुपयोगी पाया गया है। कृषि ग्रेड उर्वरक के उद्योग में गैर-कानूनी दुरुपयोग को रोकने और उर्वरक सब्सिडी को युक्तिसंगत बनाकर किसानों तक पहुंचाने के लिए सरकार पिछले कई वर्षों से प्रयासरत है। कृषि सुधारों में सबसे ज्यादा तर्कसंगत उपाय उर्वरक सब्सिडी का किसानों को प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण रहेगा। उर्वरक सब्सिडी के मौजूदा सरकारी आंकड़ों के हिसाब से प्रति एकड़ सिंचित भूमि के लिए 7,000 रुपये और वर्षा आधारित बारानी भूमि के लिए 4,000 रुपये दिये जाने चाहिए। कृषि मंत्रालय ने पहले ही पीएम-किसान, पीएम फसल बीमा योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड जैसी विभिन्न योजनाओं के आंकड़े तथा प्रत्येक किसान को नवीनतम विशिष्ट आईडी, जिसमें भूमि जोत, बोई गई फसल और उपज जैसे विवरण शामिल हैं, उर्वरक मंत्रालय के साथ साझा कर दिया है। उर्वरक सब्सिडी का प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण के रूप में किये जाने का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सही लाभार्थियों तक समय पर पहुंचे, जिससे योजनाओं की प्रभावशीलता में सुधार होता है। इसका मुख्य लक्ष्य पारदर्शिता बढ़ाना है।

चिंता: 30 साल में खत्म हो सकते हैं हिमखंड, स्विट्जरलैंड अमेरिका और कनाडा में तेजी से खत्म हो रहे हैं ग्लेशियर

शिव शुक्ला

पश्चिमी कनाडा, अमेरिका और स्विट्जरलैंड के ग्लेशियर बेहद तेज़ी से पिघल रहे हैं। 2021 से 2024 के बीच इन तीन देशों में कुल ग्लेशियर बर्फ का 12 फीसदी हिस्सा खत्म हो चुका है। शोधकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि यदि यही रफ्तार रही, तो जिन ग्लेशियरों के बारे में हम सोचते हैं कि वे 50 वर्षों तक रहेंगे, वे महज 30 वर्षों में ही इतिहास बन सकते हैं। नेचर में प्रकाशित ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय के नेतृत्व में हुए एक नए अंतरराष्ट्रीय अध्ययन ने इस चौंकाने वाली सच्चाई से पर्दा उठाया है। इस अध्ययन से पता चला है कि 21वीं सदी के पहले दशक की तुलना में 2010 से 2019 के बीच ग्लेशियरों का पिघलना दोगुना हो गया। शोध दिखाता है कि उसके बाद के वर्षों में, ग्लेशियरों का पिघलना खतरनाक रफ्तार से जारी रहा। ग्लेशियरों के इस बड़े नुकसान के पीछे प्रमुख कारण गर्म और शुष्क मौसम को बताया गया है।

प्रदूषण भी जिम्मेदार : सिर्फ मौसम ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय प्रदूषण भी इस त्रासदी का कारक बन रहा है। स्विट्जरलैंड में सहारा रेगिस्तान से आई धूल और अमेरिका-कनाडा में जंगल की आग से फैली राख ने ग्लेशियरों को काला कर दिया। यह काला रंग सूर्य की गर्मी को अधिक सोखता है और पिघलने की प्रक्रिया को तीव्र बना देता है।

संयुक्त राष्ट्र ने किया 2025 को विश्व ग्लेशियर संरक्षण वर्ष घोषित : ग्लेशियरों के बड़े पैमाने पर नुकसान को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र ने 2025 को अंतरराष्ट्रीय ग्लेशियर संरक्षण वर्ष घोषित किया है। यह पहल यूनेस्को, डब्ल्यूएमओ और 35 देशों के 200 से अधिक संगठनों से समर्थित है। इस वर्ष का सर्वश्रेष्ठ ग्लेशियर पुरस्कार शुरू किया है। इसके पहला विजेता अमेरिका के वॉशिंगटन में स्थित दक्षिण कैस्केड ग्लेशियर बना है।

मध्य यूरोप के लगभग 40% ग्लेशियर गुम : महासागरों के गर्म होने के बाद ग्लेशियर पिघलना समुद्र के वैश्विक बढ़ते स्तर की दूसरी सबसे बड़ी वजह है। 2000 से 2023 के बीच ग्लेशियरों ने अपनी बची हुई बर्फ का पांच फीसदी खो दिया है और मध्य यूरोप के लगभग 40 फीसदी ग्लेशियर गायब हो चुके हैं।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक व संपादक **सरोज चौधरी** द्वारा ई-37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित तथा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस लालगुटवा रांची से मुद्रित, **संस्थापक संपादक : स्व. राधाकृष्ण चौधरी, प्रबंध संपादक अरूण कुमार चौधरी * फोन :** 9471170557/08084674042, **ई-मेल :** aadivashiexpress@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

स्टेडियम रोड डैम के पास दो दोस्त में मारपीट हो गई जिसमें एक दोस्त घायल हो गया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। जिरवाबाडी थाना क्षेत्र अंतर्गत स्टेडियम रोड डैम के पास दो दोस्त में मारपीट हो गई जिसमें एक दोस्त घायल हो गया घायल दोस्त को इलाज के लिए रविवार के बीते रात सदर अस्पताल लाया अस्पताल में चिकित्सक मुकेश कुमार के द्वारा इलाज किया गया बताया जा रहा है कि नगर थाना क्षेत्र के घाट लाइन निवासी दविंदर कुमार रजक के 20 वर्षीय पुत्र गौरव कुमार रविवार को अपने दोस्त के साथ स्टेडियम रोड डैम के पास किसी काम को लेकर गया था. उसी दौरान पुरानी साहिबगंज के एक युवक दोस्त के साथ किसी बात को लेकर नोक झोक हो गई बात इतनी बढ़ गई की पुरानी साहिबगंज निवासी युवक गौरव कुमार रजक के ऊपर मुक्का चला दिया जिसमें उसके कड़े से लगने से गौरव कुमार रजक सिर के पास फटकार खून निकलने लगा और गौरव कुमार रजक घायल हो गया बरहाल घायल युवक का इलाज रविवार की पीते रात सदर अस्पताल में किया गया।

छत से गिरने से ढाई साल की बच्ची हुई बेहोश हो गई

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत महादेव गंज गांव में छत से गिरने से ढाई साल की बच्ची बेहोश हो गई परिजनों ने आनन - फानन में बच्ची को गोद में लेकर बाइक में सवार होकर परिजन लाया अस्पताल बताया जा रहा है कि महादेवगंज गांव निवासी सोनू कुमार की ढाई साल की पुत्री अंजनी कुमारी छत पर चली गई थी अचानक छत से नीचे गिर गई जिसमें बच्चे बेहोश हो गई बच्ची के पिता ने तुरंत ही उसे सदर अस्पताल लाया अस्पताल में चिकित्सक मुकेश कुमार के द्वारा इलाज प्रारंभ किया गया बरहाल बच्ची का इलाज सदर अस्पताल में रविवार की रात इलाज किया गया।

मोटरसाइकिल के आमने सामने की जोरदार टक्कर में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। मिर्जाचौकी थाना क्षेत्र अंतर्गत मोटरसाइकिल के आमने सामने की जोरदार टक्कर में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार असनबेना मंडरो निवासी ताला बाबू मुर्मू का 18 वर्षीय पुत्र नीतेश मुर्मू व निर्मल हेंब्रम का 18 वर्षीय पुत्र जेम्स हेंब्रम दोनों मोटरसाइकिल में सवार होकर वीर शहीद सिदो कान्हु स्थल घूमने के लिए जा रहा था, वही रास्ते में मोटरसाइकिल के आमने-सामने की टक्कर में उक्त दोनों युवक बुरी तरह घायल हो गया। जहां परिजनों और राहगीरों की मदद से दोनों को इलाज के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज लाया गया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों के द्वारा इलाज किया गया। घटना की सूचना संबंधित थाना पुलिस को दे दी गई थी।

खेलने के दौरान जनरेटर मशीन के मिक्सर गिरने से दो साल की बच्ची का हाथ जख्मी हो गया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत लाल बथानी गांव में बच्चे बच्चे में खेलने के दौरान एक बच्ची के ऊपर जनरेटर मशीन के मिक्सर गिरने से दो साल की बच्ची का हाथ जख्मी हो गया, बच्ची को इलाज के लिए रविवार की रात सदर अस्पताल लाया अस्पताल में चिकित्सक मुकेश कुमार के द्वारा इलाज प्रारंभ किया गया बताया जा रहा है कि लाल बथानी गांव निवासी टुनटुन महतो के दो साल की पुत्री पूसा कुमारी खेल रही थी. इस दौरान जनरेटर मशीन का मिक्सर पुषा कुमारी के दाहिने हाथ के बाजू पर गिर गया जिसमें बच्ची घायल हो गई बरहाल घायल बच्ची का इलाज डॉक्टर मुकेश कुमार के देखरेख में सदर अस्पताल में किया गया।

रामदास सोरेन ने हूल दिवस के अवसर पर अमर वीर शहीद सिद्धो-कान्हू की पवित्र भूमि भोगनाडीह में आयोजित समारोह में हुए शामिल, वीर शहीदों को किया नमन, दी श्रद्धांजलि

● मंत्री ने कहा - अपने वीर शहीदों के इतिहास, संघर्ष और बलिदान से प्रेरणा लेकर समाज और राज्य को मजबूत बनाने का लें संकल्प ● माननीय मंत्री ने कहा- राज्य सरकार की योजनाएं घर-घर तक पहुंच रही है ● माननीय मंत्री एवं अन्य अतिथियों ने सिद्धो कान्हू के वंशजों को मुख्य मंच पर उपहार देकर सम्मानित किया

अजय कुमार कुशवाहा
आदिवासी एक्सप्रेस जिला ब्यूरो

माननीय मंत्री श्री रामदास सोरेन ने आज हूल दिवस समारोह के मुख्य कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा कि 1855 में आज के ही दिन भोगनाडीह से अमर वीर शहीद सिद्धो कान्हू के नेतृत्व में आदिवासियों ने अन्याय, शोषण और ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ बिगुल फूंका था। आज पूरा देश अपने इन महानायकों को नमन कर रहा है। यह प्रेरणा दिवस है। हम सभी अपने अमर शहीद सिद्धो कान्हू, चांद-भैरव और फूलो -झानो के इतिहास, संघर्ष और बलिदान से प्रेरणा लेकर अपने समाज और राज्य को मजबूत बनाने का संकल्प लें। उनके आदर्शों के अनुरूप झारखंड को संवारना ही उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

माननीय मंत्री ने कहा कि झारखंड वीरों और शहीदों की धरती है। इस प्रदेश के कोने-कोने से अनेकों महानायक निकले हैं, जिन्होंने अन्याय -शोषण तथा गुलामी को स्वीकार नहीं किया। उन्होंने अपनी भाषा, संस्कृति, परंपरा, सभ्यता और जल, जंगल, जमीन बचाए रखने के लिए लम्बा संघर्ष किया। ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ उलगुलान कर अंग्रेजों की जड़े हिला दी। अपने संकल्प पर अडिग रहते हुए शहीद हो गए। इन पूर्वजों के बलिदान का परिणाम है कि आज हम सुरक्षित हैं। माननीय मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार की नीतियों, कार्यक्रमों और योजनाओं से राज्य विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। हमारी योजनाएं घर-घर तक पहुंच रही हैं।

हमारी सरकार आदिवासियों मूलवासियों, गरीबों, मजदूरों, दलितों, पिछड़ो और अल्पसंख्यकों को सशक्त बना रहें हैं। अपनी इन व्यवस्थाओं को मजबूत कर ही हम राज्य को नई दिशा और दशा दे सकते हैं।

माननीय मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार की अनेकों योजनाएं हैं जिसका लाभ यहां के लोगों को मिल रहा है । चाहे शिक्षा का क्षेत्र हो या स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि, सिंचाई, पशुपालन, उद्योग,खेल या और कोई सेक्टर हर किसी के लिए योजनाएं हैं आप इन योजनाओं से जुड़े और अपने को सशक्त बनाने के साथ राज्य के विकास में भागीदार बनें।

इस अवसर पर मंत्री एवं अन्य अतिथियों द्वारा मुख्य मंच पर सिद्धो कान्हू के वंशजों श्री बड़ा मंडल मुर्मू, श्री भादो मुर्मू, श्री छोटू मुर्मू ,श्रीमती ऐन्जेला किस्कू, सोनामुनी सोरेन, श्री भागवत मुर्मू,प्रधान मुर्मू एवं अन्य को उपहार देकर सम्मानित किया। इसके पूर्व माननीय मंत्री, माननीय सांसद, माननीय विधायक ने पंचकठिया स्थित शहीद स्थल एवं भोगनाडीह पार्क में सिद्धो कान्हू को श्रद्धा सुमन श्रद्धांजलि अर्पित किया।

इस अवसर पर सांसद, राजमहल विजय कुमार हांसदा, विधायक बोरियो धनंजय सोरेन, विधायक राजमहल मोहम्मद ताजुद्दीन, जिला परिषद अध्यक्ष मोनिका किस्कू, उपायुक्त हेमंत सती, पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह समेत कई पदाधिकारी मौजूद थे।

हूल क्रांति दिवस पर एबीवीपी ने किया वीर सिदो-कान्हू को नमन, युवाओं ने लिया समाज व राष्ट्र के प्रति समर्पण का संकल्प

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। 1855 की ऐतिहासिक हूल क्रांति की याद में, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, साहिबगंज नगर इकाई द्वारा सिदो-कान्हू स्टेडियम में एक गरिमामय माल्यार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वीर आदिवासी क्रांतिकारियों सिदो मुर्मू एवं कान्हू मुर्मू के बलिदान को स्मरण कर युवाओं को उनके विचारों से प्रेरित करना था। इस विशेष अवसर पर परिषद के कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय युवाओं ने एकत्र होकर क्रांति के इन महानायकों की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तथा श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर मंत्री अविनाश साह द्वारा की गई, जबकि प्रदेश सह मंत्री सुश्री सुनिधि इस अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। नगर मंत्री अविनाश साह ने हूल क्रांति केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि जनजागरण और स्वाभिमान का प्रतीक है। जब देश में 1857 की क्रांति नहीं हुई थी, उससे दो वर्ष पूर्व ही साहिबगंज की धरती पर सिदो-कान्हू ने अंग्रेजों के शोषण और अत्याचार के विरुद्ध बिगुल फूंक दिया था। यह इस बात का प्रमाण है कि भारत की स्वतंत्रता की नींव ग्रामीण और आदिवासी समाज के संघर्ष से ही रखी गई थी। आज हम सबका कर्तव्य है कि उन वीर योद्धाओं के जीवन मूल्यों को आत्मसात करें और राष्ट्र निर्माण की दिशा में विद्यार्थी परिषद के माध्यम से कार्य करें। युवा यदि संगठित होकर राष्ट्र सेवा को जीवन का ध्येय बना लें, तो समाज से भ्रष्टाचार, अन्याय और अराजकता को समाप्त किया जा सकता है। इस कार्यक्रम में अन्य प्रमुख कार्यकर्ता भी मौजूद रहे, जिनमें प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक इंद्रजीत साह, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य चंदन गुप्ता, नगर सह मंत्री निखिल कुमार, जिला कार्यालय मंत्री अंकुश कुमार, जिला एसएफएस संयोजक ज्योति कुमारी, बमभोला उपाध्याय, अनंत, सूरज, रोहित, गौरव शामिल थे। सभी ने सामूहिक रूप से सिदो-कान्हू के त्याग और बलिदान को आत्मसात कर, राष्ट्रहित में निस्वार्थ कार्य करने का संकल्प लिया।

आजसू पार्टी ने वीर शहीद सिदो कान्हु प्रतिमा पर पुष्प माल्यार्पण कर हुल दिवस मनाया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। आज दिनांक 30 जून 2025 को जिला अध्यक्ष चतुरानंद पांडे के नेतृत्व में स्थानीय स्टेडियम स्थित महान स्वतंत्रता सेनानी हुल क्रांति के महानायक सिदो कान्हु की प्रतिमा पर आजसू पार्टी द्वारा माल्यार्पण कर हुल दिवस की महानायक को श्रद्धांजलि दी गई। आज के दिन 30 जून को हर वर्ष हुल दिवस मनाया जाता है यह दिवस समर्पित है उन वीर संथाल आदिवासियों को जिन्होंने अपनी जल, जंगल, जमीन की रक्षा के लिए अंग्रेजों के खिलाफ सशस्त्र आंदोलन किया, संथाल हुल की दो वीरांगना फूलों जानू की भी अहम भूमिका इस क्रांति में रही है। भारत मां के इन दोनों लालो ने आजादी की पहली लड़ाई अंग्रेजों के खिलाफ लड़ी थी, आज की युवाओं को शहीदों के द्वारा किए गए अपने समाज पिछ्ला अन्याय के विरुद्ध लड़ी गई लड़ाई याद रखना चाहिए और अपने समाज देश के लिए फिर से एक बार सामाजिक समरसता को बनाए रखने के लिए अपनी संस्कृति धरोहर को रक्षा करने के लिए हुल क्रांति की आवश्यकता है। आज के कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला संगठन सचिव विभाश शाह, पंकज हांसदा, राजेश राय, शशिकांत दुबे, नगर अध्यक्ष गोविंद पासवान, दिनेश यादव, विश्वनाथ महाल्दार, मो करीम खान, सोनू मिश्रा, वकील मंगल, संतोष पासवान, नारायण सिंह, जयप्रकाश यादव, शामिल थे।

वीर शहीद सिदो-कान्हु मुर्मू के जन्मस्थली भोगनाडीह में संथाल ग्रामीण और पुलिस के बीच हिंसक झड़प हो गई

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। जिले के बरहेट प्रखंड में स्थित वीर शहीद सिदो-कान्हु मुर्मू के जन्मस्थली भोगनाडीह में संथाल ग्रामीण और पुलिस के बीच हिंसक झड़प हो गई। खबर है कि संथालों के तीर से दो से तीन जवान जख्मी हुए हैं, वही पुलिस ने भी आंसू गैस के गोले छोड़े हैं। भोगनाडीह में स्थिति काफी तनावपूर्ण है। हताहत की वास्तविक सूचना नहीं मिल पायी है। वही हिंसक झड़प में पुलिस के दो से तीन जवान तीर से जख्मी हुए हैं, सूत्रों से पुलिस बल पर संथाल ग्रामीणों के द्वारा कुल्हाड़ी से भी जख्मी हुआ है,वही पुलिस ने बल का प्रयोग करते हुए आंसू गैस का प्रयोग किया है। गोली चलने की अपुष्टि खबर आ रही है।

सिदो-कान्हु पार्क का ताला टूटने से भड़के आदिवासी समुदाय

मिली जानकारी के अनुसार भोगनाडीह स्थित सिदो-कान्हु पार्क का ताला टूटने से सोमवार को आदिवासी समुदाय के लोग भड़क गए। उन्होंने पुलिस जवानों पर तीर-धनुष, पत्थर से हमला कर दिया। इसमें तीन पुलिस जवान घायल हो गए। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा।

घायल जवान अस्पताल में इलाजरत

घायल पुलिस जवानों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेट भेजा गया है। घटना के बाद भोगनाडीह में भारी संख्या में पुलिस तैनात कर दी गई है। मौके पर साहिबगंज डीसी हेमंत सती व एसपी अमित कुमार सिंह समेत अन्य अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए। हालांकि स्थिति को बहुत मस्कत के बाद पुलिस प्रशासन और जवानों के द्वारा सामान्य किया गया। उसके बाद सिदो-कान्हु पार्क का ताला खुलने के उपरांत लोग पार्क पहुंचे और सिदो-कान्हु, चांद भैरव व फूलो-झानो की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

कार्यक्रम के आयोजन को लेकर शुरू हुआ विवाद

विगत कुछ दिनों से प्रशासन और ग्रामीण के बीच हूल दिवस के कार्यक्रम के आयोजन को लेकर खिंचतान चल रही थी। वीर शहीद सिदो-कान्हु मुर्मू के वंशज मंडल मुर्मू स्थानीय स्टेडियम में 30 जून को हूल दिवस के मौके पर कार्यक्रम करना चाहते थे। उन्होंने इसकी लिखित सूचना प्रशासन को दी, लेकिन प्रशासन ने कार्यक्रम करने की इजाजत नहीं दी। इसके बाद वहां के ग्रामीण नाराज हो गये और प्रशासन के खिलाफ इन्होंने मोर्चा खोल दिया। ग्रामीणों के आक्रोश को देखते हुए प्रशासन ने मौखिक रूप से कार्यक्रम करने की इजाजत दी, लेकिन प्रशासन के द्वारा देर रात इनके मंच को नुकसान पहुंचा गया। मंडल मुर्मू का कहना है कि उन्होंने प्रशासन से लिखित परमिशन देने का आग्रह किया, उसके बावजूद उनके कार्यक्रम में बाधा डाला जा रहा था। गांव के मांझी और समस्त ग्रामीण उनके साथ हैं। इसी रस्साकशी के बाद जुटे ग्रामीणों ने प्रशासन द्वारा बनाये गये मंच को नुकसान पहुंचाया।

मुहर्रम त्योहार को लेकर सन्हौला थाने में शांति समिति की बैठक संपन्न

● बैठक में दर्जनों खलीफा को थाना अध्यक्ष, अंचलाधिकारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी ने दिए दिशा निर्देश

● मोहर्रम को लेकर पहलाम के दिन सन्हौला मार्केट में सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे रहेगी नो एंट्री

आदिवासी एक्सप्रेस/रूपेश कुमार राज/भागलपुर

भागलपुर जिले के सन्हौला थाना परिषद में थाना अध्यक्ष चंदन कुमार की अध्यक्षता में मुहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक संपन्न हुई। जिसमें मुख्य रूप से सन्हौला अंचलाधिकारी रजनीश चन्द्र राय एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी शेखर सुमन मौजूद रहे । बैठक थाना क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों एवं दोनों समुदाय के नागरिकों के उपस्थिति में की आयोजित की गई। जिसमें शांतिपूर्ण ढंग से उक्त पर्व मनाए जाने हेतु विचार विमर्श किया गया साथ ही प्रशासनिक अधिकारी के द्वारा दिशा निर्देश दिया गया। बैठक में स्थानीय जनप्रतिनिधि, बुद्धिजीवी के अलावा दोनों समुदाय के लोग शामिल हुए। थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि डीजे व हथियार के प्रदर्शन पर रोक रहेगी। अश्लील गाना नहीं बजाया जाएगा। साथ ही उन्होंने बताया कि संवेदनशील जगहों पर दंडाधिकारी के साथ पुलिस बल की तैनाती होगी। पर्व-त्योहार के दौरान किसी भी प्रकार के अफवाह फैलाने व हुड़दंग मचाने वाले के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई होगी। जिसको लेकर सावधानी रखनी है । किसी भी तरह का कोई नाकारात्मक बातें नहीं होनी चाहिए दोनों समुदाय को मिलकर सहयोग करने तथा शांति पूर्वक ढंग से उक्त पर्व मनाने का निर्देश दिए। अलग अलग गांव से दर्जनों खलीफा बैठक में भाग लिया, खलीफा के द्वारा बताया गया कि 1 जुलाई के रात में केलाकट्टी और 6 जुलाई को पहलाम की जाएगी। उपस्थित गणमान्य व्यक्ति द्वारा सहमति व्यक्त की गई ताकि उक्त पर्व शांतिपूर्वक ढंग से मनाया जा सके इसमें मुख्य रूप से पूर्व मुखिया नरेश यादव, विनय सिंह , पूर्व मुखिया राजकुमार मंडल, कमालपुर से मु. मुस्तफा, गोपाल मंडल,मो सिद्दीक, जिप प्रतिनिधि हारून रशीद, मुखिया सौकत अंसारी , मुखिया प्रतिनिधि मो मुस्ताक,मु. मुन्ना, गुलाम रब्बानी, मो. बदरूद्दीन, उमर कलाम, मो अमजद, सहित दोनों समुदाय के दर्जनों जन व जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

सिदो कान्हु स्टेडियम साहिबगंज में मनाया गया हूल दिवस

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। झामुमो के नगर अध्यक्ष आदित्य यादव के नेतृत्व में सिदो कान्हु स्टेडियम में सिदो कान्हु के प्रतिमा में माल्यार्पण करके हूल दिवस मनाया गया। सभी कार्यकर्ताओं ने एक जुट होकर सिदो कान्हु को नमन किया। जिसमें जिला प्रखंड , नगर एवं महिला मोर्चा के सदस्य उपस्थित रहे। मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष मोजम्मिल हक, सुरेंद्र यादव, जिला कोषाध्यक्ष सुरेश शाह, अमरनाथ यादव, नगर सचिव नुमान अंसारी, पूर्व जिला अध्यक्ष शाहजहां अंसारी, आकाश चौधरी, कपिल दास, मो सिद्दीक, तारीख अनवर, आलोक ओझा, वारिश अनवर, गोपाल मंडल, विनीत कुमार, अजय पासवान, धरम तांती, अभिषेक कुमार, मो जमालुद्दीन, सरिता देवी, अंजू देवी और अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

सोमवार की सुबह चार बजे एक प्रसूता की मौत पर परिजनों ने जमकर हंगामा किया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। जिले के बड़े सदर अस्पताल में सोमवार की सुबह चार बजे एक प्रसूता की मौत पर परिजनों ने जमकर हंगामा किया है। प्रसूता उधवा के बाबू टोला के रहने वाला एसके सोहराब की पत्नी मुमताज खातून (28) वर्षीया थी। प्रसूता मृतका के भाई मो. हारून रसीद का आरोप है कि रविवार की रात प्रसूता की तबियत बिगड़ने पर कोई महिला डॉक्टर नही थी। इसके चलते प्रसूता की मौत हो गई। आरोप है कि प्रसूता मुमताज खातून को रविवार को भर्ती कराया गया था, और प्रसूता का सीजर करने के पहले अस्पताल के नर्स के द्वारा प्रसूता का शारीरिक जांच किया गया, जांच करने के उपरांत बताया गया कि प्रसूता का मुंह नहीं खुला है सीजर करना होगा और शरीर में 11.6 खून है और अभी बीपी थोडा बढ़ा हुआ है, बीपी नार्मल होने पर सीजर होगा। वही नर्स ने बताया कि अस्पताल में महिला डॉक्टर नहीं है सीजर कौन करेगा, प्रसूता के परिजनों को डॉक्टर का मैनेज करने को कहा गया, उसके बाद सीजर किया जाएगा। मरीज के परिजनों ने सिविल सर्जन संथालिया को कॉल करके मामला को बताया, सिविल सर्जन ने संज्ञान लेते हुए उनके प्रयास से प्रसूता का सीजर किया गया। जब बीपी नार्मल हुआ तब प्रसूता को सीजर करने के लिए ओटी में ले जाया गया, सीजर करने के उपरांत जब ओटी से बाहर निकाला गया तो प्रसूता का कुछ देर बाद तबीयत बिगड़ता चला गया। सदर अस्पताल में महिला डॉक्टर नहीं रहने पर सिविल सर्जन प्रवीण कुमार संथालिया को कई बार फोन किया गया पर नहीं उठाया। उसके बाद अस्पताल प्रबंधक जयराम यादव को कई बार फोन करने के बाद उठाने के उपरांत उसने कहा देखते हैं। इसपर प्रसूता की तबियत और बिगड़ने पर ऑक्सीजन चढ़ाया गया। देररात प्रसूता को चमकी उठा तो फिर नर्स को महिला डॉक्टर को बुलाने के लिए कहा गया। लेकिन कोई भी महिला डॉक्टर नही थी। इमरजेंसी में भी परिजन जाकर डॉक्टर को प्रसूता को देखने के लिए कहा गया लेकिन डॉक्टर ने बोला जाकर एएनएम को बोलो इसी तरह प्रसूता के परिजन अस्पताल में यहां से वहां अपने मरीज को देखने के लिए भटकता रहा, इसके चलते सुबह चार बजे प्रसूता की मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि अगर समय पर डॉक्टर आती तो शायद प्रसूता की जान बच जाती। वही हंगामा की सूचना मिलने पर जिरवाबाड़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंच मामले की जांच में जुटी है। प्रसूता की मौत पर परिजनों का रो-रो कर हाल बूरा था। इधर इमरजेंसी में मौजूद डॉक्टर डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि प्रसूता को चमकी उठा था। जांच के दौरान उसकी मौत हो गई थी। इधर हो-हंगामा होने पर अस्पताल के स्वास्थ कर्मी निकल कर चले गए। इसके चलते करीब दो घंटा तक मरीजों को परेशानी हुई है।

संक्षिप्त समाचार

अफीम तस्करी से तस्करों द्वारा अर्जित की गई संपति की जाएगी जप्त

- अवैध अफीम के धंधे में संलिप्त धंधेबाजों को चिन्हित कर उनके संपति के आकलन का चल रहा अभियान
- ब्राउन शुगर और अफीम माफियों का नेक्सेस को हर संभव तोड़ा जाएगा: एस पी

आदिवासी एक्सप्रेस / जिला ब्यूरो संतोष कुमार दास

चतरा। चतरा पुलिस कप्तान सुमीत कुमार अग्रवाल ने बताया कि पुलिसिया अभियान के दौरान गिरोह का मास्टरमाइंड काफी शातिर निकला। फरार तस्करों की पहचान कर ली गई है। उसकी गिरफ्तारी को लेकर संभावित सभी ठिकानों पर टीम लगातार दबीस दे रही है। एसपी ने आगे बताया कि अफीम तस्करी सिंडिकेटों से जुड़े माफियाओं की शिनाख्त कर ली गई है। इस ग्रुप में शामिल बड़े माफिया दूसरे शहरों से अफीम और ब्राउन शुगर लाकर चतरा में तस्करों के बीच सप्लाई करते हैं। ऐसे माफियाओं को चिन्हित करते हुए उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की तैयारी है। इस धंधे में शामिल पांच माफियाओं की शिनाख्त पूरी तरह कर ली गई है। शेष अन्य माफियाओं के तस्करी से अर्जित संपत्ति को जप्त करने का पुलिस की तैयारी चल रहा है। छोटे बड़े शहरों में जो भी घर, जमीन, महंगी गाड़ीयां, अकूत संपति बना कर रखे हैं उन सबों का ब्यौरा जुटा कर आकलन करने का भी कार्य चल रहा है। जल्द बचे हुए माफियाओं को कानून के शिकंजे में कसने की कार्रवाई की जायेगी और उनकी संपति जप्त की जायेगी।

एक किशोरी टीन पर गिर कर बुरी तरह घायल हो गई

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत एक किशोरी गिर कर बुरी तरह घायल हो गई। मिली जानकारी के अनुसार लाल बथानी निवासी जुबेर आलम का 13 वर्षीया पुत्री तंजीला खातून पानी भरने के लिए चापानल पर गई थी, वहीं पानी भरने के दौरान पैर स्लिप कर चापानल के बगल में ही टीन से बना बाथरूम के टीन पर गिर कर उक्त किशोरी का सीना के नीचे पंजराठी बुरी तरह टीन से कट कर घायल हो गई। जहां परिजनों के द्वारा आनन-फानन में इलाज के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज लाया गया। वहीं ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों के द्वारा उक्त किशोरी का इलाज किया जा रहा है।

प्रभारी प्राचार्य, शिक्षक छात्राएं ने सिदो कान्हू क़ी प्रतिमा पर मल्यार्पण कर उन्हें नमन किया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। हूल दिवस के अवसर पर महिला महाविद्यालय मे प्रभारी प्राचार्य डॉ ध्रुव ज्योति कुमार सिंह के नेतृत्व मे हूल दिवस मनाया.जहाँ प्रभारी प्राचार्य, शिक्षक छात्राएं ने सिदो कान्हू क़ी प्रतिमा पर मल्यार्पण कर उन्हें नमन किया. प्रभारी प्राचार्य ने कहा क़ी 30 जून 1855 ई को आदिवासियों के नायक सिदो कान्हू के नेतृत्व मे साहिबगंज जिले के भोगनाडीह गांव से विद्रोह शुरू हुआ ओर उस दिन आजादी की पहली लड़ाई लड़ी गई थी.उस लड़ाई का नेतृत्व सिदो कान्हू ने किया ओर उस विद्रोह मे हजारों लोग एकत्रित हुए थे और उसमे कई लोगो ने अपनी कुर्बानी दी थी.मौक़े पर प्रोफेसर डॉक्टर पूर्णिमा लकड़ा,प्रीति प्रिया मरांडी, संध्या शशि खाखा,प्रिया हांसदा,डॉ सबिता शिक्षकेत्तर सहित छात्राएं मौजूद थे.

जपला आरपीएफ ने सैदाबाद में चलाया जन जागरूकता अभियान

- यात्रा के दौरान किसी प्रकार की समस्या होने पर 139 पर संपर्क करने की अपील

आदिवासी एक्सप्रेस/लालू कुमार यादव

हुसैनाबाद, पलामू। हुसैनाबाद शहर के वार्ड-2 स्थित सैदाबाद गांव में आरपीएफ निरीक्षक प्रभारी जपला के निर्देश पर आरपीएफ पुलिस द्वारा जागरूकता अभियान चलाया।इस दौरान रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट जपला के अधिकारी एवं स्टाफ द्वारा ग्रामीणों व बच्चों के बीच जन जागरूकता अभियान चलाया गया। जन जागरूकता अभियान के माध्यम से ग्रामीणों को रेल यात्रा के दौरान ट्रेन प्लेटफार्म पर रुकने पर ही प्लेटफार्म साइड में उतरने एवं चढ़ने की नसीहत दी गयी।महिला,विकलांग एवं आरक्षित कोच में अनाधिकृत रूप से यात्रा ना करने,किसी भी प्रकार का ज्वलनशील पदार्थ लेकर ट्रेन मे यात्रा ना करने ,बिना किसी उचित कारण के एसीपी ना करने,यात्रा के दौरान ट्रेन के छत,पायदान एवं दरवाजे पर खड़े होकर यात्रा ना करने ,यात्रियों को यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या होने पर रेलवे हेल्पलाइन नंबर-139 पर संपर्क करने की बात कही।

साथ ही जहरखुरानी के सम्बन्ध में यात्रा के दौरान किसी भी अजनबी से मेल जोल ना बढ़ाने और न ही अनजान व्यक्ति से न खाने और न पीने का सामान लेने,चलती ट्रेन पर पत्थरबाजी ना करने एवं ट्रैक पर खडे होकर सेल्फी ना लेने ,रेल परिक्षेत्र मे गंदगी ना फैलाने, ट्रेन मे चढ़ते एवं उतरते समय , अपने पर्स, मोबाइल एवं अन्य कीमती सामानो को सुरक्षित रखते हुए अपने सामान की सुरक्षा आदि के बाबत अवगत कराते हुए जागरूक किया गया।मौके पर आरपीएफ के उप निरीक्षक जयप्रकाश प्रसाद,कार्तिक बिंझा समेत आरपीएफ के कई जवान मौजूद थे।

पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मंत्री सुदिव्य कुमार और मुख्य सचिव अलका तिवारी ने उसरी वाटर फॉल और खंडोली डैम पर्यटन स्थल का निरीक्षण किया

- पर्यटन विकास से स्थानीय स्तर पर होगा रोजगार का सृजन: मंत्री सुदिव्य कुमार
- मुख्य सचिव ने कहा कि गिरिडीह जिले में पर्यटन के कई संभावनाएं, उसरी वाटर फॉल को इको टूरिज्म के रूप विकसित करने का किया जा रहा है प्रयास
- खंडोली डैम को राष्ट्रीय स्तर के पर्यटकों के लिए एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जायेगा: उपायुक्त रामनिवास यादव

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, नगर विकास एवं आवास, पर्यटन, कला एवं संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग मंत्री सुदिव्य कुमार, मुख्य सचिव झारखंड अलका तिवारी, पूर्व मुख्य सचिव, झारखंड ने उसरी वाटर फॉल और खंडोली डैम पर्यटन स्थल का निरीक्षण किया। मौके पर जिला उपायुक्त रामनिवास यादव, पुलिस अधीक्षक डॉ बिमल कुमार, पूर्वी वन प्रमंडल पदाधिकारी, मनीष तिवारी, उप विकास आयुक्त, स्मृता कुमारी, अपर समाहर्ता, विजय सिंह बीरूआ, अनुमंडल पदाधिकारी गिरिडीह, श्रीकांत या विस्पुते, भूमि सुधार उप समाहर्ता, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला खेल पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विभाग/ पथ प्रमंडल/ एन.आर.ई.पी समेत

अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।निरीक्षण के क्रम में उसरी वाटर फॉल और खंडोली डैम को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने को लेकर चर्चा हुई। मौके पर मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि जिले के दो प्रमुख स्थलों को पर्यटन स्थल के रूप में और बेहतर और विकसित करने को लेकर राज्य सरकार और जिला प्रशासन के द्वारा सभी तैयारियां सुनिश्चित कराई जा रही हैं। साथ ही सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने का भी प्रयास किया जा रहा है। जिससे कि यहां के स्थानीय को भी रोजगार के अवसर प्राप्त हो और पर्यटन को बढ़ावा मिलें। उन्होंने कहा कि खंडोली डैम के विकास और सौंदर्याकरण की संभावनाओं पर चर्चा की गई। साथ ही इको-टूरिज्म को विकसित करने पर भी विचार किया गया। डैम के आसपास के क्षेत्र को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए सौंदर्याकरण पर जोर दिया गया। खंडोली डैम में आने वाली विदेशी पक्षियों के लिए रहने की व्यवस्था भी सुनिश्चित कराई जाएगी। साथ ही साथ वन विभाग के द्वारा खंडोली डैम के उत्तर किनारे पौधारोपण का कार्य किया जाएगा। मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि उसरी वाटर फॉल और खंडोली डैम पर्यटन स्थलों को विकसित कर पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु सभी संबंधित विभाग/ अधिकारी/ कार्यकारी एजेंसी आपसी समन्वय स्थापित कर विकास कार्यों में तेजी लाएं, जिससे कि यहां स्थानीय ग्रामीणों को इसका लाभ मिलें।निरीक्षण के दौरान मुख्य सचिव झारखंड अलका तिवारी ने कहा कि गिरिडीह जिले में पर्यटन के बहुत संभावनाएं है। जिसे राज्य सरकार द्वारा विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। यहां का प्राकृतिक सुंदरता देखने लायक है। उन्होंने उसरी वाटर फॉल में इको-टूरिज्म को विकसित करने पर जोर दिया। कहा कि माननीय मंत्री महोदय के सहयोग से पर्यटन के क्षेत्र में काफी बेहतरी करने का प्रयास किया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा भी वाटर फॉल और खंडोली डैम के सौंदर्यीकरण के लिए सारी व्यवस्थाएं सुदृढ़ की जा रही है। मौके पर जिला उपायुक्त रामनिवास यादव ने कहा कि राज्य सरकार पर्यटन स्थलों को विकसित करने के दिशा में प्रयासरत है। जिले के पर्यटन स्थलों के विकास से यहां पर पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी होगी और स्थानीय लोगों को लाभ मिलेगा। उपायुक्त ने खंडोली डैम को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए सारी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। खंडोली डैम के चारों तरफ कनेक्टिविटी पर काम किया जायेगा। डैम के चारों तरफ पर्यटक घुमकर प्राकृतिक घटा का आंनद उठा सके इसके लिए पहुंच पथ का निर्माण कराया जायेगा। डैम के नीचे नदी पर पुल का निर्माण कराया जाएगा ताकि पर्यटकों को आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। साथ ही पर्यटक नदी के इस पार से उस पर का आनंद उठा सके। इसके अलावे मधवाडीह से खंडोली मोड़ को जोडने वाली बाईपास पथ का भी निर्माण कराया जायेगा तथा बरियारपुर तक कॉरिडोर बनाया जाएगा। साथ ही पर्यटकों के लिए इसे और भी आकर्षक बनाने के लिए सभी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ किया जाएगा। इससे न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा बल्कि यहां के स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर भी प्राप्त होंगे।

छतरपुर को जिला बनाने को लेकर ज़िला बनाओ संघर्ष मोर्चा के द्वारा एहम बैठक का आयोजन

- हूल दिवस के मौके पर हूल दिवस के नायक सिदो-कान्हू, बिरसा मुंडा को दी गयी भावभीनी श्रधांजलि

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- मनोहर यादव

छतरपुर, पलामू। छतरपुर को जिला बनाने को लेकर आवाज़ उठनी शुरू हो गयी है। लोगों का मानना है कि छतरपुर ज़िला बनने की सारी अहर्ताएं पूरी करता है। छतरपुर अनुमंडल को ज़िला बनाने को लेकर मंत्रियों को ज्ञापन देने और बैठकों का दौर भी शुरू हो गया है। इसी कड़ी में जपला रोड स्थित परी मैरेज हॉल में ज़िला बनाओ संघर्ष मोर्चा का गठन किया गया, आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से छतरपुर जिला बनाओ संघर्ष मोर्चा के नाम पर लोगों ने अपनी सहमति दी। बैठक में हूल दिवस के मौके पर शहीदों को नमन कर, पुष्पांजलि अर्पित करते हुए बैठक की शुरुआत की गई। बैठक की अध्यक्षता ज़िला परिषद समाजसेवी सुदामा पासवान ने किया और संचालन सामाजिक

कार्यकर्ता अरविंद गुप्ता चुनमून ने किया। सर्वसम्मति से बैठक में 21 सदस्ययी संयोजक मंडल का गठन किया गया, जो ज़िला बनाने की रणनीति और उसके क्रियान्वयन के लिए कार्य करेगा। बैठक में फंटूस जायसवाल को संयोजक मंडली का मुख्य संयोजक बनाया गया है। बैठक में जिन लोगों को संयोजक की जिमेवारी सौंपी गई है, उनमें दिलीप कुमार चौधरी, कविलास मंडल, प्रसिद्ध कुमार, दीपू कुमार गुप्ता, सुदामा पासवान, धनन्जय प्रसाद, सत्येंद्र चौरसिया,विभु सुमन ब्रह्मचारी, अजय राम, अरविंद चुनमून, मित्तल सिंह, रामजन्म राम, फंटूस जायसवाल, अजय यादव, यमुना यादव, शिवकुमार, विनोद ठाकुर, पंचम कुमार, रवि कुमार, अरुण ठाकुर, चन्दन कुमार के नाम शामिल है। बैठक में बड़ी संख्या में युवाओं और अभिभावकों ने शिरकत किया। बैठक में वक्ताओं ने छतरपुर को जिला बनाने की जरूरतों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि छतरपुर ज़िला बनने की सारी अहर्ताएं पूरी करता है, छतरपुर को जिला बनने से इलाके की विकास व्यवस्थाओं में तेज़ी आएगी, रोजगार के साधन बढेंगे। वक्ताओं ने बैठक के लिए निशुल्क बैंक्वेट हॉल उपलब्ध कराने के लिए पिन्टू चंद्रवंशी का आभार व्यक्त किया।बैठक में मुख्य रूप से जितेंद्र कुमार, मनोहर यादव,आकाश कुमार सिंह, वीरेंद्र चंद्रवंशी, श्री राम कुमार, राजा गुप्ता, आनंद कुमार यादव, ओमदीप चौधरी, मुकेश कुमार, चंदन कुमार, धर्मेंद्र पासवान, सूरज प्रकाश बादल, दीपक कुमार यादव, विश्वनाथ सिंह, राज ठाकुर, मनोज राम, महेंद्र राम, सुरेश ओरांव, राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, सत्येंद्र चौरसिया, राणा रंजीत पहाड़ी, उमेश कुमार, कंचन उरांव, बीरेंद्र विश्वकर्मा, विशाल कुमार, बीरेंद्र प्रसाद गुप्ता, मंदीप यादव सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

आज दिनांक 30 जून 2025 को पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक की अध्यक्षता में हुल दिवस के अवसर पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। कांग्रेस जनों ने अमर शहीदों के चित्र पर फूल माला चढ़ाकर श्रद्धा सुमन अर्पित की सेमिनार में सर्वप्रथम जिला अध्यक्ष बिट्टू पाठक ने कहा कि30 जून 1855 को अंग्रेजी हुकूमत के बढ़ते शोषण और उत्पीड़न के विरुद्ध सिद्धू कान्हू चंद भैरव फूलों झानो के नेतृत्व में तत्कालीन दामिनी ए कोह वर्तमान संथाल परगना के भोगनाडी गांव से एक संगठित विद्रोह का शंखनाद हुआ था संथाल विद्रोह में एकजुटता के साथ अंग्रेजी शासन के दमनकारी नीतियों के खिलाफ किए गए विद्रोह तथा इस महान संग्राम के तपीस और आक्रोश को हुल कहा गया। सिद्धू कान्हू श्याम भैरव फूलों झानो और इस विद्रोह के शहीद हुए साहसिक बलिदानियों को झारखंड वासियों द्वारा स्मरण करते हुए हर वर्ष 30 जून को हूल दिवस मनाया जाता है इस ऐतिहासिक विद्रोह में आदिवासियों और मूल वासियों ने ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध जंगल और जमीन पर अपने अधिकार स्थापित करने के लिए जिस प्रकार सर्वस्व में सर्वस्व निछावर किया था कालांतर में अंग्रेजी पराधीनता के खिलाफ और अवसरवादी आंदोलन के विरोध लिए भी संथाल हुल समाज में शोषण उत्पीड़न तथा पलायन के विरुद्ध संगठित होकर एवं चरण वध ढंग से आंदोलन के लिए हमें प्रेरणा दी है। सेमिनार में जिला 20सूत्री उपाध्यक्ष विमला कुमारी शमीम अहमद राईन शैलेश चंद्रवंशी मिट्ठू खान जितेंद्र कमलापुरी सतेंद्र सिंह नाफिज खान रिज़वान खान गोपाल सिंह अशोक पासवान विश्राम दुबे अनिल सिंह अजय साहू हैदर खान छोटू चंद्रवंशी मोहम्मद बदल मोहम्मद शाहनवाज आसिफ इराकी पिंटू इत्यादि लोगों उपस्थित है ।

राजपुर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक संपन्न

- अगामी मुहर्रम पर्व पर शराबियों और असामाजिक तत्वों पर रहेगी विशेष नजर- सीओ मनोज गोप

विकाश कुमार कान्हाचट्टी

अगामी मुहर्रम पर्व को लेकर सोमवार को राजपुर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक हुई। बैठक में कई बिंदुओं पर चर्चा की गई। जिसमें शराब पर पूर्ण प्रतिबंध लगाए जाने पर विशेष जोर दिया गया। मौके पर उपस्थित राजपुर थाना प्रभारी ने कहा कि कोई भी त्योहार हर्षोल्लास के साथ मानना चाहिए। आगामी मुहर्रम त्यौहार को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने के लिए प्रशासन अपनी ओर से हर तरीके से प्रयास कर रही है। वही इस बार बरसात के मौसम को देखते हुए जुलूस

में लाइट का प्रयाप्त व्यवस्था रखने को कहा। तथा इस बार शराबियों और असामाजिक तत्वों पर प्रशासन की पैनी नजर रहेगी। वही आम आवाम से अपील करते हुए कहा कि थाना क्षेत्र में कही भी माहौल बिगड़ने की संभावना नजर आती है तो सबसे पहले थाना को सूचित करे ताकि समय रहते उस पर काबू पाया जा सके। वही बैठक में उपस्थित अंचल अधिकारी मनोज गोप ने कहा कि मुहर्रम त्यौहार दोनों समुदाय के लोग मनाते है। इसलिए सभी लोगों का दायित्व है कि यदि कही भी कुछ हुड़दंगियों तथा असामाजिक तत्वों द्वारा इसमें व्यवधान या खलल डालने की कोशिश की जाती है तो इसका सूचना थाना को करे। वही बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी सुनील प्रकाश, प्रखंड प्रमुख इंदु कुमारी, राजपुर मुखिया विकाश कुमार सिंह, जमरी बाकसपुरा मुखिया आफताब हुसैन, चीरीदिरी मुखिया घनश्याम पाशी, तुलबुल पंचायत सचिव राजेंद्र यादव, समाज सेवी सोनू खाना, समाज सेवी राजेश दास, समेत दोनों समुदाय के सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित हुए।

इटखोरी के द विजन पब्लिक स्कूल में प्रतिभा मूल्यांकन परीक्षा का हुआ आयोजन

- विद्यालय के बच्चों ने दिखाया ज्ञान और कौशल का उज्ज्वल स्वरूप

आदिवासी एक्सप्रेस /जिला ब्यूरो संतोष कुमार दास

इटखोरी (चतरा)। प्रखंड के पिपराही अवस्थित विख्यात शिक्षण संस्थान द विजन पब्लिक स्कूल में सोमवार को प्रतिभा मूल्यांकन परीक्षा का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा 6 से 10 तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस परीक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक, बौद्धिक और रचनात्मक क्षमताओं का मूल्यांकन कर उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना था। परीक्षा में विभिन्न विषयों जैसे गणित, विज्ञान, सामान्य ज्ञान, भाषा दक्षता आदि के प्रश्न शामिल थे। जिनके माध्यम से छात्र-छात्राओं की तार्किक सोच, विश्लेषण क्षमता और अभिव्यक्ति कौशल का आकलन किया गया। विद्यालय के प्रबंधक नीरज सिन्हा ने इस अवसर पर छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा प्रयास है कि हम विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं, बल्कि उनके अंदर छिपी हुई प्रतिभाओं को पहचानने का अवसर भी प्रदान करें। इस अवसर पर अपने विचार रखते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य सुमन कुमार ने कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से हम उन्हें आत्मविश्वास,प्रतिस्पर्धा की भावना और एक बेहतर भविष्य की दिशा देने का कार्य कर रहे हैं।

गिरिडीह परिसदन भवन में हूल दिवस' के अवसर पर संथाल विद्रोह के महान सेनानियों सिद्धो-कान्हू को मंत्री सुदीव्य कुमार, मुख्य सचिव झारखंड, उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक समेत वरीय अधिकारियों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किया

- इस दौरान संथाल विद्रोह के महान सेनानियों सिद्धो-कान्हू के बलिदान, त्याग और अदम्य साहस को याद किया गया

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह परिसदन भवन में हूल दिवस' के अवसर पर संथाल विद्रोह के महान सेनानियों सिद्धो-कान्हू को मंत्री सुदीव्य कुमार, मुख्य सचिव झारखंड अलका तिवारी, गिरिडीह उपायुक्त रामनिवास यादव, पुलिस अधीक्षक डॉ बिमल कुमार, पूर्वी वन प्रमंडल पदाधिकारी, उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, गिरिडीह, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी समेत अन्य वरीय पदाधिकारियों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस दौरान संथाल विद्रोह के महान सेनानियों सिद्धो-कान्हू के बलिदान, त्याग और अदम्य साहस को याद किया गया। सिद्धो-कान्हू का संघर्ष, देशवासियों के लिए प्रेरणा का एक महान स्रोत है।

भारथी बी.एड. कॉलेज का रुतबा बढ़ा, नैक से मिला बी प्लस ग्रेड

संवाददाता-अंगद कुमार सिंह

मांडर। मांडर प्रखंड के कंदरी स्थित भारथी कॉलेज ऑफ एजुकेशन (बी.एड. कॉलेज) को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायेन परिषद (नैक) द्वारा बी प्लस प्लस ग्रेड प्रदान किया गया। इस उपलब्धि के साथ-साथ एक और उपलब्धि जुड़ी हुई है कि महाविद्यालय को नैक द्वारा 2.96 स्कोर दिया गया जो सभी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में झारखंड और बिहार में सर्वोच्च स्कोर है। इससे कॉलेज प्रबंधन के साथ-साथ शिक्षकगण, कर्मचारीगण एवं विद्यार्थियों के हर्ष का महौल कायम हो गया है। इसी माह 19 एवं 20 जून को दो दिवसीय मूल्यांकन एवं

प्रत्यापन का कार्य नैक पीयर टीम द्वारा किया गया, जिसके अंतर्गत भौतिक व मानवीय संसाधनों का वर्च्यूअल मोड मे अवलोकन गहनतापूर्वक किया गया। नैक द्वारा विगत पाँच वर्षो का गुणवतापूर्ण स्तर, राज्य व राष्ट्रीय स्तर की गतिविधियों का मूल्यांकन किया गया। नैक द्वारा सात मापदंडों का विधिवत व महत्वपूर्ण जाँच करने में प्राचार्य डॉ. दिपाली पराशर, कॉलेज के आईक्यूएसी को-ऑर्डिनेटर मनोज कुमार गुप्ता व सभी शिक्षक तथा शिक्षकेत्तर कर्मचारी ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। महाविद्यालय के सचिव नितिन पराशर ने कहा कि शिक्षक प्रशिक्षण में गुणवतापूर्ण सुधार लाने के लिए नैक विजिट का बड़ा योगदान है, इससे शिक्षण संस्थान को आत्ममूल्यांकन करने तथा बेहतर बनाने का अवसर भी प्राप्त होता है। इस ग्रामीण परिवेश में अवस्थित कॉलेज व इसके छात्रों के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कॉलेज की प्राचार्या, आइक्यूएसी को-ऑर्डिनेटर, सभी प्राध्यापक के साथ-साथ कर्मचारी से अनुरोध किया कि हम सभी ने सफलता के शिखर की ओर जाने की पहली सीढ़ी प्राप्त किया है, हमे अंतिम क्षण तक प्रयास करना है, और इससे अच्छा ग्रेड प्राप्त करने की ओर बढ़ना है।

कॉलेज की प्राचार्या डॉ. दिपाली पराशर ने प्रबंधन समिति व आइक्यूएसी को-ऑर्डिनेटर सहित अन्य संबंधित समिति के को-आऑर्डिनेटर आदि के प्रति हर्ष व्यक्त किया और कहा कि आप सभी के सामूहिक प्रयास, लगन एवं मेहनत से कॉलेज को नैक से ग्रेडिगं संभव हो पाया है। साथ ही यह भी कहा कि ये सफलता महाविद्यालय की गुणवता, कार्यसंस्कृति और शिक्षण पद्वति को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता दिलाने वाली है। महाविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को प्राथमिकता दे रहा है और विद्यार्थियों के वैल्यू एडेड स्किल एनहांसमेट कोर्सेस भी चला रहा है, जिससे विद्यार्थियों को काफी लाभ मिलेगा आईक्यूएसी को-ऑर्डिनेटर मनोज कुमार गुप्ता ने कहा कि महाविद्यालय में कोर्स के अलावा वैल्यू एडेड कोर्स, सेल्फ, स्टडी कोर्स, स्किल डेवलपमेंट कोर्स साथ-साथ चलते है ताकि विद्यार्थी बहुस्पर्धी माहौल में भी अपने आप को खड़ा कर सके। साथ ही महाविद्यालय में मनोविज्ञान प्रयोगशाला, आई.सी.टी. प्रयोगशाला, विज्ञान प्रयोगशाला सभी सुचारू रूप से संचालित हो रहे है। यही कारण है कि नैक के मूल्यांकन में महाविद्यालय नें शैक्षणिक उत्कृष्टता अर्जित की है। साथ ही महाविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों की ओर अग्रसर होते हुए राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में भी अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराई है।

संक्षिप्त समाचार

निर्माण हो रहे रोड गुणवत्तापूर्ण नही बनने पर ग्रामीणों ने जताया आक्रोश

बांका कटोरिया से संवाददाता श्रीकान्त यादव

बांका कटोरिया क्षेत्र के जयपुर थानान्तर्गत कोल्हासार पंचायत के पलनियॉ गाँव में निर्माण हो रहे ग्रामीण रोड गुणवत्तापूर्ण नही बनने से किचड़ में तब्दील हो गया है। ग्रामीणों ने बताया निर्माण हो रोड में अधिक मिट्टी का मिलावट कर मेटल कम दिया जा रहा है। जिनसे रोड में किचड़ भर जाने पर ग्रामीणों का चलना मुश्किल हो गया है। बताते चलें कि आरपत्थर जयपुर मुख्य रोड से पलनियॉ गाँव के करूवा बांध तक रोड निर्माण किया जा रहा है। जिनकी लम्बाई आठ सौ मिटर है। ग्रामीण राजेश यादव,रूदो यादव, रोहित यादव, हारो यादव, श्यामलाल यादव, सिकेन्दर यादव बताते हें कि निर्माण हो रहे रोड में सर्वप्रथम कीचड़ को हटाकर मेटल,डस्ट,मोरंग मिलाकर डालना चाहिए लेकिन मिट्टी के साथ कम मात्रा में मेटल मिलाकर डाल दिया जा रहा है। जिनसे ग्रामीणों नें आक्रोश जताते हुए कड़ा विरोध कर नियमानुसार अच्छे रूप से रोड बनाने की गुहार लगाई है।

इस मामले को लेकर कनिय अभीयंता अरूण कुमार ने बताया कि सहायक अभियंता द्वारा जानकारी मिल गई है। संवेदक को फटकार लगाते हुए गुणवत्तापूर्ण कार्य करने का दिशा-निर्देश दिये है।

समाज सेवी मानशंकर यादव का किया भीम सेना पदाधिकारीयो ने सम्मान

फूल शंकर डामोर उदयपुर

भीम सेना प्रदेश पदाधिकारीयो ने आज डूंगरपुर पहुंच कर समाज सेवी मानशंकर यादव का प्रदेश उपाध्यक्ष भीम सेना एड दिनेश एनीमिया पाड़ला उदयपुर संभाग अध्यक्ष देवी लाल मालवीया उदयपुर जिला अध्यक्ष उदयपुर गणेश लाल मीणा ने भीम राव अंबेडकर की प्रतिमा देकर सम्मान किया।इस मौके पर तीर्थ नगरी ऋषभ देव पहुंचने पर प्रदेश उपाध्यक्ष भीम सेना एड दिनेश एनीमिया पाड़ला सहित सभी पदाधिकारीयो का ब्लॉक अध्यक्ष भीम सेना खेरवाड़ा ब्लॉक अध्यक्ष भीम आर्मी ब्लॉक अध्यक्ष रिषभ देव कोषाध्यक्ष ब्लॉक मीडिया प्रभारी अशोक मेघवाल जिला प्रभारी कृष्णा मेघवाल ने सम्मान किया।

पांच वर्ष में हर गांव में सहकारी संस्था होगी , सरकार राष्ट्रीय सहकारी नीति भी लायेगी: शाह

नई दिल्ली। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि मोदी सरकार ने अगले पांच वर्षों में हर गांव में सहकारी संस्था के गठन का लक्ष्य रखा है और जल्द ही राष्ट्रीय सहकारी नीति की भी घोषणा की जायेगी। श्री शाह ने सोमवार को यहां अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष - 2025 के उपलक्ष्य में सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के सहकारिता मंत्रियों के साथ 'मंथन बैठक' की अध्यक्षता में यह बात कही। सहकारिता मंत्रालय द्वारा आयोजित बैठक में देशभर के सहकारिता मंत्रियों, अतिरिक्त मुख्य सचिवों, प्रधान सचिवों और सहकारिता विभागों के सचिवों ने भाग लिया। मंथन बैठक का उद्देश्य भारत में सहकारिता आंदोलन को मजबूत करने के लिए योजनाओं की समीक्षा, उपलब्धियों का आंकलन और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक मंच प्रदान करना है। श्री शाह ने कहा कि भारत में लगभग 60 से 70 करोड़ लोग ऐसे थे जिनके पास कई पीढ़ियों तक जीवन जीने की मूलभूत सुविधाएं भी नहीं थीं। उन्होंने कहा कि 2014 से 2024 तक के दस वर्ष के कालखंड में ही मोदी सरकार ने इन करोड़ों लोगों का जीवनस्वप्न पूरा कर इन्हें घर, शौचालय, पीने का पानी, अनाज, स्वास्थ्य, गैस सिलिंडर आदि सुविधाएं मुहैया करायी हैं।

उन्होंने कहा कि ये करोड़ों लोग अपने जीवन को और बेहतर बनाने के लिए उद्यम करना चाहते हैं लेकिन इनके पास पूंजी नहीं है और इनकी छोटी-छोटी पूंजी से बड़ा काम करने का एकमात्र रास्ता सहकारिता है। उन्होंने कहा कि देश के हर व्यक्ति के लिए काम के सृजन के लिए सहकारिता के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है और इसीलिए चार वर्ष पहले बहुत दूरदर्शिता के साथ सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की गई। श्री शाह ने कहा कि हमें संवेदनशीलता के साथ देश के करोड़ों छोटे किसानों और ग्रामीणों के कल्याण के लिए सहकारिता को पुनर्जीवित करना ही होगा क्योंकि इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।

श्री शाह ने कहा कि इस चिंतन और मंथन से तभी भला हो सकता है जब देश के 140 करोड़ लोग रोज़गार प्राप्त कर परिश्रम के साथ अपना जीवन व्यतीत करें और इसे सफल बनाने के लिए सरकार ने 60 पहल की हैं। उन्होंने कहा कि इनमें से एक महत्वपूर्ण पहल है राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस का निर्माण जिसकी मदद से हम कमियां ढूंढ सकते हैं। उन्होंने कहा कि ये राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस इसीलिए बनाया गया है कि राष्ट्रीय, राज्य, ज़िला और तहसील स्तर की सहकारी संस्थाएं मिलकर ये देख सकें कि किस राज्य के किस गांव में एक भी सहकारी संस्था नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि अगले 5 वर्ष में देश में एक भी गांव ऐसा न रहे जहां एक भी सहकारी संस्था न हो और इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सहकारी डेटाबेस का उपयोग करना चाहिए। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि भारत में सहकारिता आंदोलन के छिन्न-भिन्न होने के पीछे तीन मुख्य कारण हैं। उन्होंने कहा कि हमने समय के साथ कानून नहीं बदले, जो अब मोदी सरकार ने बदल दिए हैं। हमने सहकारिता की गतिविधियों को जोड़ा या समय के साथ बदला नहीं था। उन्होंने कहा कि पहले सहकारिता में सारी भर्तियां भाई-भतीजावाद से होती थीं और इसीलिए त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी का विचार किया गया।

अखिल भारतीय कानू महासंघ द्वारा लावण्या मैरेज हॉल में शिक्षा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया

- कार्यक्रम में मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया
- शिक्षा सफलता के सभी द्वार खोल देती है: अनिल कुमार गुप्ता

मेदिनीनगर पलामू। अखिल भारतीय कानू महासंघ के द्वारा रजवाडीह स्थित लावण्या मैरेज हॉल में शिक्षा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर कानू समाज के मैट्रिक, इंटर , स्नातक, बी टेक डिप्लोमा, नीट, जेइइ एवं 2025 की परीक्षाओं में सफल अभयर्थी व नौकरी प्राप्त करनेवाले युवाओं को शिल्ड, मेडल, प्रशस्ति पत्र एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। मौके पर उपाध्यक्ष संतोष कुमार, परमेश्वर साव, वशिष्ठ प्रसाद, राजेश कुमार, महेंद्र प्रसाद, विजय साव, रामप्रदीप साव, चंद्रशेखर प्रसाद, संतोष कुमार, हरिहर साव, बिपिन बिहारी प्रसाद, मुरारी प्रसाद, बिरेंद्र गुप्ता, प्रमोद साव, रामबहादुर साव समेत काफी संख्या में कानू समाज के लोग शामिल थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आरजे इंटरप्राइजेज के प्रोपराइटर अनिल कुमार गुप्ता ने कहा कि कानू समाज द्वारा आयोजित किया गया कार्यक्रम सिर्फ समारोह के लिए नहीं बल्कि छात्र-छात्राओं के हौसला बुलंद करने के लिए बल प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा वह कुंजी है जो सफलता के सभी द्वार खोल देती है। इस प्रकार के कार्यक्रम समाज द्वारा समय समय पर कराया जायेगा। ताकि समाज के बच्चे शिक्षा के क्षेत्र में परिश्रम कर आगे बढ़ते रहें। श्री गुप्ता ने कहा कि हमारा समाज आज भी शिक्षा के अलावे कई क्षेत्रों में काफी पिछे है। समाज के सामर्थ्यवान व्यक्ति को समाज के उत्थान के लिए आगे आने की जरूरत है ताकि पुरानी परंपराओं से उपर उठकर नयी पीढ़ी के साथ अपने आपको सामंजस्य स्थापित कर आगे बढ़ सकें। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश गुप्ता ने कहा कि शिक्षा एक ऐसी व्यवस्था है जिसमें जो व्यक्ति जितना गोता लगायेगा उतना ही अधिक फल प्राप्त करेगा। किसी भी क्षेत्र में परिश्रम का होना आवश्यक है। उन्होने छात्र छात्राओं को आह्वान करते हुए कहा कि मन व मेहनत कर शिक्षा ग्रहण करें, आपकी आर्थिक बाधा परेशानी नहीं बनेगी। ना ही समाज के लोग इसे बाधा बनने देंगे। उन्होंने कहा कि समाज के कई ऐसे मेधावी छात्र छात्राएं हैं जो गरीबी व आर्थिक परेशानी के कारण बीच में ही पढ़ाई छोड़ देते हैं। वैसे लोगों से आग्रह है कि आप पढ़ाई ना छोड़ें। आपकी परेशानी को दूर किया जायेगा। इस मैके पर जिला सचिव ज़भोलानाथ साहु ने कहा कि समाज में फैले कुरीतियों को दूर करने के लिए शिक्षा का होना आवश्यक है। जब हम शिक्षित होंगे तभी हम अच्छाई व बुराई का पता लगा पाते हैं।

अनुमंडल स्तर पर युवा वीर अहीर सेना की बैठक हुई सम्पन, लिए गए कई निर्णय

- एकता, संगठन के मजबूती और कई सामाजिक मुद्दों पर हुई चर्चा
- मैट्रिक एवं इंटर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को किया जायेगा सम्मानित- मनोहर यादव
- इटावा जिला में ब्राह्मणों के द्वारा यादव कथावाचकों पर किए गए अभद्र व्यवहार को- युवा वीर अहीर सेना ने की कड़ी निंदा

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

छतरपुर, (पलामू)- छतरपुर के अन्नपूर्ण रेसीडेंसी होटल मे छतरपुर अनुमंड स्तर पर युवा वीर अहीर सेना की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई,कार्यक्रम की शुभारंभ शिक्षक हरि यादव हरिहरगंज के अमित यादव, ललन यादव, वार्ड पार्षद सुनील यादव पारा शिक्षक सुनिल यादव, युवा वीर अहीर सेना की कोर कमिटी के अध्यक्ष पप्पू यादव, अनुमंडल अध्यक्ष मनोहर यादव, संयोजक अजय यादव, प्रवक्ता यमुना कुमार यादव समेत कई वरिष्ठ यादव समाज के लोग एवं युवा वीर अहीर सेना के पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर की। इसके उपरांत सभी उपस्थित पदाधिकारीओ को परिचय पात्र के बाद अंग वस्त्र के साथ माला पहनाकर स्वागत किया गया। जहां युवा के उत्थान, शिक्षा, नशाखोरी से मुक्ति समेत कई मुद्दों पर चर्चा की गई। और संगठन को विस्तार रुप देने के लिए नियमित बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया। सभी मुख्य अतिथियों एवं युवा वीर अहीर सेना के पदाधिकारियों ने अपने समाज के प्रति लोगों ने अपने समाज में असहाय एवं कुरीतियों के विरुद्ध कदम उठाने का संकल्प लिया. जिसमें छतरपुर, हरिहरगंज, नौडीहा बाजार और पिपरा के सैकड़ों युवा यादव समाज के लोगों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता मंटु कुमार यादव ने की। और मंच संचालन डॉ बीके यादव ने किया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य अपने समाजों के बीच के एकता को बढ़ावा देना और समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करना था। मौके पर युवा वीर अहीर सेना के पदाधिकारी अमित यादव, डॉ अभय यादव, डॉ बच्चन यादव, डॉ अशोक यादव, अवधेश यादव, मदन यादव, दीपक यादव, श्रीकांत यादव, राहुल यादव, सुरेंद्र यादव, रामविजय यादव, विपिन यादव, कपिल यादव, लालू यादव, बिरेंद्र यादव, उदय यादव, मनोज यादव, सुनील यादव, मुन्ना यादव, भूषण यादव, अरविंद यादव, मंदीप यादव, अभय कुमार, रमेश कुमार, शशि कुमार, नागेंद्र यादव, सत्येंद्र यादव, पवन कुमार, अविनास यादव सहित सैकड़ो युवा वीर अहीर सेना के सदस्य मौजूद थे।

एक विवाहिता महिला समेत दो नाबालिग को बहला फुसलाकर ले जाने के मामले में रविवार देर शाम ग्रामीणों ने आरोपी को पकड़कर पुलिस को सुपुर्द कर दिया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। थाना क्षेत्र के राधानगर गांव से बीते दिनों हुए एक विवाहिता महिला समेत दो नाबालिग को बहला फुसलाकर ले जाने के मामले में रविवार देर शाम ग्रामीणों ने आरोपी को पकड़कर पुलिस को सुपुर्द कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के महेशबथान निवासी नेपाल मंडल ने पत्नी नमिता देवी व दो नाबालिग पुत्र को बहला फुसलाकर हैदराबाद ले जाने की शिकायत कर राधानगर थाना पुलिस से बरामद कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग किया था।पुलिस को दिए आवेदन में उन्होंने बताया है कि करीब दो महीने पहले नमिता देवी का जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के चमार टोली निवासी टिंकू मंडल (बंगाली), से फेसबुक के माध्यम से परिचय हुआ था।बताया जाता है कि लगभग 15 दिन पहले टिंकू मंडल महेश बथान में मकान बनाने के सिलसिले में आया था।इसके बाद 11 जून बुधवार को अचानक नमिता देवी दो बच्चो के साथ कहीं लापता हो गए।परिजनों ने रिश्तेदारों और आसपास के क्षेत्रों में काफी खोजबीन की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिल सका। घटना के एक या दो दिन बाद पता चला है कि उनकी पत्नी व दो नाबालिग पुत्र को जिरवाबाड़ी थाना निवासी टिंकू मंडल ने हैदराबाद ले कर चला गया है।वहीं रविवार को देर शाम आरोपी टिंकू मंडल ने अपहृत विवाहिता नमिता देवी व दो नाबालिग बच्चों के साथ बेगमगंज स्थित गोबरगाड़ी गांव आया हुआ था।इसकी जानकारी विवाहिता के परिजनों व ग्रामीणों को हुई।इसके बाद ग्रामीणों ने आरोपी को धुनाई कर दी और राधानगर थाना पुलिस को सूचित किया।पुलिस ने सूचना पाकर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को अपने साथ थाना ले गए। उधर विवाहिता को उसके पति नेपाल मंडल को सौंप दिया। हालांकि इस पूरे घटना के बारे में पुलिस कुछ भी बताने से परहेज़ कर रही हैं। बतातें चलें कि ग्रामीणों व परिजनों ने आरोपी को सुपुर्द करने के समय पुलिस को लिखित शिकायत भी दर्ज कराई है।इस संबंध में पूछे जाने पर राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने बताया कि इस संबंध शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

यजीद क्या चाहता था इमाम हुसैन से, कर्बला का वाकिया बयां करता-निसार अहमद अहक़रुल क़ादरी

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- अबुल कलाम

टंडवा- (चतरा) पार्ट (1) यजीद को हजरत इमाम हुसैन ने अलैहिस्सलाम से क्या झगड़ा था। इलमी झगड़ा था? मसलकी झगड़ा था? अक़ीदे का झगड़ा था? फेक़ह का झगड़ा था? कुरआन की तफ्सीर पर एख्तेलाफ था? क्या यजीद इमाम हुसैन को नवासा ए रसूल नहीं मानता था? क्या वह जिगर गोश ए फातिमतूज़्ज़हरा नहीं जानता था? इमाम हुसैन को वली और ईमाम नहीं मानता था? अहलेबैत का शहंशाह नहीं मानता था? जब यज़ीद यह सब कुछ जानता था तो एख्तेलाफ क्या था? एख्तेलाफ फक्त एक ही था, यजीद का नुकत ए नजर यह था कि हुसैन तो इतना मुत्तक़ी, इतना परहेजगार, इतना तकवा व तहारत, इतना बड़ा आलिम, इतना बड़ा आबिद, इतना बड़ा जाहिद, इतना बड़ा आरिफ, अहले बैत का इमाम, औलिया का इमाम, मुस्तफा का नवासा, इतनी ऊंची हस्ती, आप का काम हुकूमत और सल्तनत के साथ क्या है? आप खाली मस्जिद में वअज़ किया करें, लोगों को दर्स दिया करें, कुरआन की तबलीग किया करें, आप वअज़ किया करें, और मैं राज किया करूं।

असम के कामरूप जिले के जून माह की जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

पंकज नाथ, असम
आदिवासी एक्सप्रेस

असम में कामरूप जिले के जून माह की जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आज कामरूप के जिला आयुक्त देव कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में अमिनगांव स्थित एकीकृत जिला कार्यालय में आयोजित हुई। आज की बैठक में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के तत्वावधान में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-मद्रास के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर रोड सेफ्टी द्वारा चलाए जा रहे 'डाटा ड्रिवन हाइपर लोकल इंटरवेंशन' कार्यक्रम के तहत संस्थान की ओर से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कामरूप जिले के लिए एक विशेष ओरिएंटेशन कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। गौरतलब है कि इस कार्यक्रम के जरिए प्रशासनिक और अभियंत्रण के स्तर पर स्थानीय स्तर पर आवश्यक कदम उठाकर, वैज्ञानिक तरीके और व्यवहार परिवर्तन के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं की संख्या कैसे कम की जा सकती है, इस पर विस्तार से जानकारी दी गई। बैठक में कामरूप के जिला आयुक्त देव कुमार मिश्रा ने बताया कि पिछले महीनों की तुलना में इस माह कामरूप जिले में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में काफी कमी आई है। उन्होंने कहा कि जिले के बार-बार दुर्घटना होने वाले स्थानों पर नियमित रूप से जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठकें आयोजित कर, दुर्घटना कम करने के लिए स्थानीय स्तर पर सभी संबंधित संस्थाओं के साथ चर्चा कर सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। इसी तरह उन्होंने पूरे जिले में, विशेषकर शैक्षणिक संस्थानों में, व्यापक सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं, यह भी बैठक में उल्लेख किया। आज की बैठक में कामरूप के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सोमालिन शुभदर्शिनी, अतिरिक्त जिला आयुक्त गर्ग मोहन दास, परिवहन, सड़क निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारी आदि उपस्थित थे।

कमजोर समुदाय के बच्चों के शिक्षा अधिकार को छीन रहा है भाजपा का विकास मॉडल: राहुल

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार को दलित, आदिवासी और पिछड़ा विरोधी करार देते हुए कहा है कि उसका विकास मॉडल इन वर्गो के बच्चों के शिक्षा के अधिकारों को छीनने वाला है इसीलिए भाजपा सरकार के आने के बाद 84 हजार से अधिक सरकारी स्कूल बंद किये गये हैं। श्री गांधी ने कहा, भाजपा का विकास मॉडल ग़रीबों से, खासकर दलितों, आदिवासियों और ओबीसी बच्चों से, शिक्षा का अधिकार छीनने वाला मॉडल है। उत्तर प्रदेश में 5,000 से अधिक सरकारी स्कूल बंद किए जा रहे हैं। साल 2014 से अब तक देशभर में 84,441 सरकारी स्कूल बंद किए गए हैं जिनमें से अधिकांश तीन भाजपा शासित राज्यों, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और असम में बंद हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ स्कूल बंद करना नहीं है, बल्कि संविधान में दिए गए शिक्षा के अधिकार और संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के उस ऐतिहासिक कानून पर सीधा हमला है, जिसने हर गांव के बच्चे को स्कूल तक पहुंचाया और नामांकन में ऐतिहासिक बढ़ोतरी की थी। बाबासाहेब अंबेडकर ने कहा था कि शिक्षा शेरनी का दूध है, जो पिएगा वह दहाड़ेगा, लेकिन आज शिक्षा ही छीनी जा रही है।

ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में काम करें युवा डॉक्टर: मुर्मु

गोरखपुर/नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने युवा डॉक्टरों से ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में समाज के उन वर्गों के लिए काम करने का आग्रह किया है जिन्हें चिकित्सा सेवाओं की सबसे ज्यादा जरूरत है। श्रीमती मुर्मु ने सोमवार को गोरखपुर में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के पहले दीक्षांत समारोह में कहा कि इस संस्थान और अन्य एम्स की स्थापना देश के हर कोने में उत्कृष्ट चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाने के उद्देश्य से की गई है। उन्होंने कहा कि समाज और देश के विकास में डॉक्टरों की अहम भूमिका होती है। डॉक्टर न सिर्फ बीमारियों का इलाज करते हैं, बल्कि स्वस्थ समाज की नींव भी रखते हैं। स्वस्थ नागरिक ही राष्ट्र की प्रगति में भागीदार बन सकते हैं।

उन्होंने युवा डॉक्टरों से समाज के उन वर्गों के लिए काम करने का आग्रह किया जिन्हें चिकित्सा सेवाओं की सबसे ज्यादा जरूरत है। उन्होंने कहा कि कई ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में अभी भी वंचित समुदायों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव है। उन्होंने विश्वास जताया कि युवा डॉक्टर इस बारे में सोचेंगे और ऐसे इलाकों और लोगों को अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में काम करेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि डॉक्टरों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है लेकिन सहानुभूति के महत्व को समझना जरूरी है। उन्होंने चिकित्सा शिक्षा से जुड़े सभी हितधारकों से आग्रह किया कि वे भावी डॉक्टरों को शुरू से ही ऐसा माहौल उपलब्ध कराएं जिसमें वे डॉक्टर-रोगी संवाद, उपचार में सहानुभूति की भूमिका और विश्वास निर्माण जैसे विषयों के साथ-साथ अपने कौशल के बारे में भी जानें तथा उन्हें अपनी कार्यशैली में अपनाएं।

गुरुद्वारा साहिब बना जीवन रक्षक केंद्र: CPR प्रशिक्षण से 40+ परिवार हुए सशक्त

नई दिल्ली, (आरएनएस)। समुदायिक भावना और जीवन रक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करते हुए, गुरु नानक सत्संग दरबार ट्रस्ट ने सबका डॉक्टर फाउंडेशन के सहयोग से लाजपत नगर स्थित गुरुद्वारा सत्संग गुरु नानक दरबार साहिब परिसर में सुबह 9:30 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक कार्डियो-पल्मोनरी रिससिटेशन (CPR) पर एक जागरूकता और व्यावहारिक कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में क्षेत्र के 40 से अधिक परिवारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिनमें पुरुष, महिलाएं और युवा शामिल थे। सभी प्रतिभागियों ने हृदयाघात की स्थिति में जीवन बचाने वाली CPR तकनीकों को सीखने का अवसर प्राप्त किया। यह प्रशिक्षण सबका डॉक्टर फाउंडेशन और AHA प्रमाणित प्रशिक्षकों की टीम द्वारा आयोजित किया गया, जिन्होंने CPR की व्यावहारिक विधियों का प्रदर्शन किया और वास्तविक आपात स्थितियों पर आधारित सिमुलेशन के माध्यम से प्रतिभागियों को सक्रिय रूप से प्रशिक्षण दिया। सबका डॉक्टर फाउंडेशन के वरिष्ठ सदस्य डॉ. हरमीत सिंह ने बताया, हृदयाघात के दौरान पहले 4 से 7 मिनट सबसे अहम होते हैं। समय पर CPR देने से रोगी के जीवित बचने की संभावना तीन गुना तक बढ़ जाती है, जब हम आम नागरिकों को यह जीवन रक्षक कौशल सिखाते हैं, तो हम मूक दर्शकों को संभावित जीवनरक्षकों में बदल रहे हैं। डॉ. राजू गुप्ता, बाल रोग विशेषज्ञ और सबका डॉक्टर फाउंडेशन के सलाहकार, ने कहा, गुरुद्वारे के परिसर में CPR जागरूकता शिविर आयोजित करना केवल एक चिकित्सीय पहल नहीं, बल्कि सेवा (सेल्फलेस सर्विस) का कार्य है। यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम संगत को जागरूक करें और उन्हें आपात स्थिति में सही ढंग से कार्य करने के लिए प्रशिक्षित करें। सत्संग गुरु नानक दरबार ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री चरणजीत सिंह ने कहा, गुरुद्वारा केवल पूजा का स्थान नहीं है, बल्कि यह सीखने, उपचार और सामुदायिक सेवा का केंद्र भी है। हम ऐसे और भी सामाजिक रूप से उत्तरदायी कार्यक्रमों के आयोजन के लिए प्रतिबद्ध हैं, क्योंकि किसी का जीवन बचाना मानवता की सबसे बड़ी सेवा है, और इसके लिए हम सदैव तत्पर हैं। लाजपत नगर-III निवासी कल्याण संघ (RWA) के अध्यक्ष और ट्रस्ट के न्यासी श्री एस.बी. सिंह ने ट्रस्ट और सबका डॉक्टर फाउंडेशन को इस महत्वपूर्ण कार्यशाला के आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा, हमारे जैसे क्षेत्रों में, यदि एक भी व्यक्ति प्रशिक्षित हो, तो वह आपात स्थिति में जीवन बचाने वाला साबित हो सकता है। मैं सभी निवासियों से आग्रह करता हूं कि वे ऐसे जीवन रक्षक अभियानों में भाग लें। मेरा मानना है कि प्रत्येक परिवार से कम से कम एक सदस्य को CPR का प्रशिक्षण अवश्य लेना चाहिए। प्रशिक्षण से प्रतिभागी गहराई से प्रभावित हुए। प्रतिभागी गुरमोहित सिंह ने कहा, यह सत्र अत्यंत रोचक, ज्ञानवर्धक और आंखें खोल देने वाला रहा। हम अक्सर सोचते हैं कि चिकित्सकीय आपात स्थितियां किसी और की जिम्मेदारी होती हैं, लेकिन आज मैंने महसूस किया कि एक आम नागरिक भी इन शुरुआती 'गोल्डन मिनट्स' में बड़ा अंतर ला सकता है। मैं सभी युवाओं से अपील करता हूं कि वे आगे आएं, CPR सीखें और पहले उत्तरदाता बनें। आप एक पूरे परिवार को शोक से बचा सकते हैं। यह प्रशिक्षण संगत को व्यावहारिक ज्ञान से सशक्त बनाने के एक सतत मिशन का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य व्यापक रूप से मानवता की सेवा करना है।

3 बार डूबा... वीडियो बनाने के चक्कर में टीम इंडिया के क्रिकेटर ने खतरा लिया मोल, इंग्लैंड से पिछला मैच खेला

नई दिल्ली। वीडियो बनाने का भी गजब का चस्का है. ऐसा करते हुए कभी-कभार सावधानी हटने पर दुर्घटना भी हो जाती है. वैसे गनीमत रही कि टीम इंडिया का एक क्रिकेटर ऐसा करते हुए बाल-बाल बच गया. इस बार में उसने खुद ही जानकारी भी शेयर की है. उसने बताया कि वो एक-दो नहीं वीडियो को लेने के चक्कर में 3 बार डूबा है. अब डूबने की बात से ये चीज साफ हो जाती है कि हो ना हो वीडियो किसी गहरे पानी या स्वीमिंग पूल में बनाया जा रहा होगा. और है भी ऐसा ही. भारतीय क्रिकेटर के साथ घटी घटना स्वीमिंग पूल की है.

2022 में डेब्यू, खेले 43 मैच

अब आप सोच रहे होंगे कि टीम इंडिया का वो क्रिकेटर आखिर है कौन? तो हम बात कर रहे हैं रवि बिश्नोई की, जिन्होंने अपना पिछला इंटरनेशनल मैच इंग्लैंड के खिलाफ 2 फरवरी 2025 को वानखेड़े मैदान पर T20 के तौर पर खेला था. साल 2022 में डेब्यू करने वाले 24 साल

के स्पिनर रवि बिश्नोई ने भारत के लिए अब तक 42 T20 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 61 विकेट अपने नाम किए हैं. इसके अलावा रवि बिश्नोई ने भारत के लिए एक वनडे भी खेला है, जिसमें उन्होंने 1 विकेट लिया है.

3 बार डूबा हूं... रवि बिश्नोई ने बताया

रवि बिश्नोई का परफॉर्मेन्स जानने के बाद आइए अब देखते हैं उनका वो वीडियो, जो उन्होंने स्वीमिंग पूल में बनाया है और जिसे बनाते हुए उनका खुद का मानना है कि वो 3 बार डूबे हैं. रवि बिश्नोई ने वीडियो को इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए लिखा कि ये वीडियो लेने के लिए 3 बार डूबा हूंज तारीफ तो बनती है.

हालांकि, इस वीडियो में जिस तरह से रवि बिश्नोई तैरते दिख रहे हैं, और जिस तरह से पानी में उनके हाथ- पैर चल रहे हैं, उसे देखकर लगता नहीं कि वो 3 बार डूबे होंगे. बहरहाल, वीडियो पोस्ट करते हुए उन्होंने बात तो अपने डूबने की ही की है.

IPL में **LSG** का हिस्सा हैं बिश्नोई

व्हाइट बॉल क्रिकेट में टीम इंडिया के अहम सदस्य रवि बिश्नोई IPL भी खेलते हैं. वो फिलहाल लखनऊ सुपर जायंट्स का हिस्सा हैं, जिसने उन्हें 11 करोड़ में IPL 2025 के दौरान खुद से जोड़ा है. रवि बिश्नोई के नाम IPL के 77 मैचों में 72 विकेट हैं, इसमें से 9 विकेट उन्होंने IPL 2025 में खेले 11 मैचों में लिए हैं.

फिलहाल, रवि बिश्नोई फुर्सत के पल बिता रहे हैं. क्रिकेट के मैदान पर तो उन्हें टीम को हार के खतरे से उबारते कई बार देखा है. उन्होंने जो वीडियो शेयर किया, उसमें वो खुद पर आए खतरों से पार जाकर सफलता हासिल करते दिखे हैं.

US Open 2025: आयुष शेट्टी ने जीता पहला BWF वर्ल्ड टूर खिताब, 16 साल की तन्वी शर्मा ने भी रचा इतिहास

नई दिल्ली। भारत के उभरते हुए बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने यूएस ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट में पुरुष सिंगल्स का फाइनल जीतकर इतिहास रच दिया. खिताबी जंग में कनाडा के ब्रायन यांग को हराकर अपना पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीता. इस जीत ने भारत का इस सीजन में खिताबी सूखा खत्म कर दिया. दूसरी ओर, 16 साल की तन्वी शर्मा ने महिला सिंगल्स फाइनल में उपविजेता रहकर इतिहास रच दिया.

आयुष शेट्टी की शानदार जीत

20 साल के आयुष शेट्टी, जो वर्ल्ड रैंकिंग में 34वें स्थान पर हैं, उन्होंने फाइनल में तीसरी वरीयता के ब्रायन यांग को 47 मिनट तक चले मुकाबले में 21-18, 21-13 से हराया. ये जीत आयुष की तीसरी जीत थी, क्योंकि उन्होंने इस साल पहले मलेशिया और ताइपे ओपन में भी यांग को हराया था. आयुष ने सेमीफाइनल में विश्व नंबर 6 और टॉप सीडेड चाउ तिएन चेन को 21-23, 21-15, 21-14 से हराकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया था. आयुष ने अपनी जीत पर खुशी जताते हुए कहा, 'ये मेरा पहला सीनियर सर्किट खिताब है, इसलिए मैं बहुत खुश हूं. इस टूर्नामेंट में मैंने शानदार बैडमिंटन खेला और अगले टूर्नामेंट के लिए उत्साहित हूं.' आयुष की इस जीत ने भारतीय बैडमिंटन के लिए एक नई उम्मीद जगाई है.

तन्वी शर्मा का ऐतिहासिक प्रदर्शन

महिला सिंगल्स में 16 साल की तन्वी शर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई और बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय खिलाड़ी बन गई.

वैभव सूर्यवंशी ने की जिसकी धुनाई, वो बना अब टीम इंडिया के लिए खतरा, एजबेस्टन में हालत गंभीर

देखा जाए तो 14 साल के वैभव सूर्यवंशी भी उनकी गेंदों की पिटाई कर चुके हैं. **IPL** के दौरान उन्होंने उनकी गेंदों को खूब ठिकाने लगाए हैं. मगर एजबेस्टन टेस्ट में वो टीम इंडिया के सामने हाथों में लाल गेंद लेकर एक बड़े खतरे की तरह सामने होंगे. ऐसा क्यों, आइए जानते हैं.

एजेंसी

नई दिल्ली। टीम इंडिया का कारवां एजबेस्टन पहुंच चुका है, जहां इंग्लैंड के खिलाफ अब उसे दूसरा टेस्ट खेलना है. एजबेस्टन, इंग्लैंड के उन मैदानों में है, जहां टीम इंडिया ने आज तक एक भी टेस्ट मैच नहीं जीता है. लेकिन, क्या शुभमन गिल और उनकी टीम की समस्या बस यही है. जी नहीं. प्रॉब्लम अब डबल हो गई है, क्योंकि इंग्लैंड की टीम में उस खिलाड़ी की एंट्री हुई है, जिसका भारतीय टीम के टॉप ऑर्डर और खास करके टेस्ट में भारतीय कप्तान शुभमन गिल के खिलाफ रिकॉर्ड अच्छा है. हालांकि, जो शुभमन गिल की टीम इंडिया के लिए खतरा बना है, उसकी 14 साल के वैभव सूर्यवंशी खूब धुनाई कर रखी है.

टीम इंडिया के खतरे का नाम- जोफ्रा आर्चर

अब आप सोच रहे होंगे कि टीम इंडिया के लिए ये खतरा होगा कौन? तो उनका नाम है जोफ्रा आर्चर. इंग्लैंड ने इस तेज गेंदबाज को दूसरे टेस्ट के लिए

टीम में जगह दी है. और, इस बात के पूरे आसार हैं कि उन्हें अगर टीम से जोड़ा गया है तो वो इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन का हिस्सा भी होंगे. अब अगर आर्चर एजबेस्टन में होने वाले दूसरे टेस्ट में खेलेंगे तो टीम इंडिया के लिए खतरे की घंटी भी बजाएंगे? टीम इंडिया के लिए आर्चर कितना बड़ा खतरा बनेंगे, उस पर हम आएंगे लेकिन उससे पहले ये जान लीजिए कि जब भारत के 14 साल के सिक्स हिटिंग मशीन यानी वैभव सूर्यवंशी से उनका सामना हुआ था तो क्या हुआ था?

वैभव सूर्यवंशी ने जब खूब की थी धुनाई

वैभव और आर्चर की टक्कर किसी मैच में नहीं बल्कि ढ्ढक्क 2025 के नेट्स पर हुई थी. ये दोनों ही ढ्ढक्क 2025 में राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा थे. ऐसे में प्रैक्टिस के दौरान जब एक बार भिड़ंत हुई तो वैभव ने आर्चर पर अपने दबदबे की कहानी खूब लिखी. वैभव सूर्यवंशी ने जोफ्रा आर्चर की 8 गेंदों का सामना नेट्स पर किया, जिसमें से सिर्फ 2 बार ही ऐसा हुआ कि वैभव बीट हुए. बाकी की 6 गेंदों की उन्होंने ऐसी धुनाई कि आर्चर का मानों फ्यूज ही उड़ा दिया. वैभव सूर्यवंशी ने खुद आर्चर की धुनाई करते अपना वो वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया था.

जोफ्रा आर्चर टीम इंडिया के लिए क्यों हैं खतरनाक?

अब सवाल ये है कि क्या वैभव सूर्यवंशी की तरह शुभमन गिल की टीम इंडिया जोफ्रा आर्चर को काबू में करने में कामयाब हो सकेगी? या फिर उनके आने से एजबेस्टन में टीम इंडिया का एक और हार इंतजार कर रही है? एजबेस्टन में टीम इंडिया के लिए जोफ्रा आर्चर खतरा बन सकते हैं क्योंकि उनके पास गेंद को दोनों ओर स्विंग कराने की काबिलियत है. उन्हें गेंद को एक्स्ट्रा बाउंस कराने की महारत हासिल है. वो एक ही जगह पर लगातार गेंदबाजी करा सकते हैं. और, सबसे बढ़कर ये कि वो जायसवाल, राहुल, पंत और गिल की कमजोरियों से भली-भांति अवगत हैं.

भारत के टॉप ऑर्डर के खिलाफ जोफ्रा आर्चर

जायसवाल, राहुल, पंत और गिल . यही एजबेस्टन टेस्ट में टीम इंडिया का टॉप ऑर्डर होगा. ऐसे में इनके खिलाफ इंटरनेशनल क्रिकेट में जोफ्रा आर्चर का रिकॉर्ड कैसा है? आइए वो भी जान लेते हैं.

जोफ्रा आर्चर ने केएल राहुल को इंटरनेशनल क्रिकेट की 3 पारियों में 6 की औसत से 6 रन बनाने दिए हैं और उन्हें 1 बार आउट किया है.

22 छक्के... 18 साल बाद भी उम्मीदों पर खरा उतर रहा ये बल्लेबाज, 200 की स्ट्राइक रेट से जमाया धमाकेदार शतक

एजेंसी

नई दिल्ली। 40 साल की उम्र कम नहीं होती. और, अगर इस उम्र में कोई बल्लेबाज ञ्20 क्रिकेट में छक्कों की बारिश करते हुए शतक लगाता दिखे, तो उसके उस कमाल को बेमिसाल ही कहेंगे. हम बात कर रहे हैं फाफ डु प्लेसी की, जो पिछले 18 साल से क्रिकेट फैंस की उम्मीदों पर खरे उतरते दिख रहे हैं. और, अब उन्होंने स्रुष्ट 2025 में मुंबई इंडियंस न्यूयॉर्क के खिलाफ 200 की स्ट्राइक रेट से शतक पूरा किया है. ये मेजर लीग क्रिकेट के मौजूदा सीजन में फाफ डु प्लेसी का दूसरा शतक है. इससे पहले उन्होंने 20 जून को सेन फैंसिस्को यूनिकॉर्न के खिलाफ इस सीजन में अपना पहला शतक लगाया था.

8 में से 3 शतक स्रुष्ट में मारे

10 दिन के अंतराल पर स्रुष्ट 2025 में जमाए 2 शतकों की बदौलत ञ्20 क्रिकेट में फाफ डु प्लेसी के कुल शतकों की संख्या अब 8 हो गई है, जिसमें से 3 शतक उन्होंने मेजर लीग क्रिकेट में लगाए हैं. फाफ डु प्लेसी ने मुंबई इंडियंस न्यूयॉर्क के खिलाफ अपना शतक टेक्सस सुपर किंग्स की ओर से खेलते हुए बनाया. डुप्लेसी इस टीम के कप्तान भी हैं. उनके बल्ले से निकले धुआंधार शतक का ही नतीजा

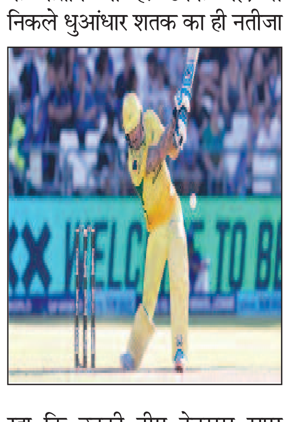

रहा कि उनकी टीम टेक्सस सुपर किंग्स 20 ओवर में 4 विकेट पर 223 रन बनाने में कामयाब रही.

22 छक्के... 200 की स्ट्राइक रेट से जमाया शतक

40 साल के फाफ डु प्लेसी ने स्रुष्ट 2025 में अपने दूसरे शतक की स्क्रिप्ट 200 की स्ट्राइक रेट से लिखी. स्द्ध न्यूयॉर्क के खिलाफ 98 रन पर खेल रहे डु प्लेसी ने चौका मारकर अपना शतक पूरा किया. इस तरह उनके 51 गेंदों पर 102 रन हो गए, जिसमें 9 छक्के और 5 चौके शामिल रहे. डु प्लेसी ने अपनी कुल इनिंग में 53 गेंदों पर नाबाद 103 रन बनाए. इस दमदार पारी के साथ ही वो स्रुष्ट 2025 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन गए. फाफ डु प्लेसी के स्रुष्ट 2025 में अब 7 मैच की 7 पारियों में 317 रन हो गए हैं. इस दौरान उन्होंने 22 छक्के और 25 चौके जड़े हैं.

18 साल से उम्मीदों पर खरे

फाफ डु प्लेसी ने अपने ञ्20 करियर की शुरुआत साल 2007 में की थी. तब से अब तक उन्हें इस फ़ॉर्मेट में 18 साल हो गए. और, इन 18 सालों में वो लगातार जिस किसी टीम से भी खेलते दिखे, वो उसके फैंस का भरोसा बने रहे. उनकी उम्मीदों का भार उठाए रहे. फिलहाल, वो टेक्सस सुपर किंग्स के फैंस की उम्मीदों पर खरे उतरते दिख रहे हैं.

रोहित-विराट टीम से बाहर, बुमराह, पंड्या, सूर्यकुमार यादव समेत इन खिलाड़ियों को मिली जगह

रोहित-विराट T20 और टेस्ट से संन्यास ले चुके हैं. लेकिन, वनडे में अभी वो खेलेंगे. इस बीच एक टीम चुनी गई जिसमें जसप्रीत बुमराह, हार्दिक पंड्या, सूर्यकुमार यादव को जगह मिली. मगर रोहित-विराट को उससे बाहर रखा गया.

एजेंसी

नई दिल्ली। रोहित शर्मा और विराट कोहली ने पिछले साल ञ्20 वर्ल्ड कप जीतते ही क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट से संन्यास ले लिया था. भारत के इंग्लैंड दौरे से पहले उन्होंने टेस्ट क्रिकेट को भी अलविदा कह दिया. दो फॉर्मेट से संन्यास के बाद रोहित-विराट इंटरनेशनल क्रिकेट में अब बस वनडे फॉर्मेट में सक्रिय हैं. मगर इस फॉर्मेट में भी आगे वो कब तक खेल पाएंगे उसे लेकर सवाल है. इस बीच वरुण चक्रवर्ती ने अपनी ड्रीम टीम का ऐलान किया है, जिससे उन्होंने इन दोनों ही क्रिकेटरों को बाहर रखा है.

रोहित-विराट टीम से क्यों बाहर?

वरुण चक्रवर्ती ने ञ्20 की अपनी ड्रीम टीम बनाई है, जिसमें उन्होंने 11 खिलाड़ियों को जगह तो दी है. मगर उनकी बनाई टीम की सबसे बड़ी खबर ये है कि उसमें रोहित-विराट का नाम नहीं है. वरुण चक्रवर्ती ने उन दोनों को अपनी ड्रीम ञ्20 टीम से बाहर रखा है. वरुण चक्रवर्ती ने ये टीम उन खिलाड़ियों को लेकर बनाई है, जिनके साथ वो खेले हैं. अब खेले तो वरुण रोहित-विराट के साथ भी खूब हैं, मगर फिर भी उन्होंने उन दोनों को टीम में जगह नहीं दी.

11 में से 3 खिलाड़ी भारतीय

वरुण चक्रवर्ती ने जो ड्रीम टीम चुनी है, वो सिर्फ भारतीय खिलाड़ियों को मिलाकर नहीं बनाई है, बल्कि उसमें वो विदेशी खिलाड़ी भी है, जिनके साथ या खिलाफ वो खेले हैं. वरुण चक्रवर्ती की ड्रीम टीम के 11 खिलाड़ियों में 3 भारत से शामिल किए हैं. उन तीनों में एक ना सूर्यकुमार यादव का है. दूसरे हार्दिक पंड्या हैं. जबकि तीसरे भारतीय खिलाड़ी जसप्रीत बुमराह हैं

6 अलग-अलग देशों के बाकी 8 खिलाड़ी

वरुण चक्रवर्ती की टीम में बाकी के 8 खिलाड़ी 6 अलग-अलग देशों से हैं, जिनमें जॉस बटलर, ट्रेविस हेड, राशिद खान, मथीषा पथिराना, निकोलस पूरन, आंद्रे रसेल, सुनील नरेन और हेनरिक क्लासन हैं.

वरुण चक्रवर्ती ने अपनी ड्रीम ञ्20 टीम में ओपनिंग की कमान जॉस बटलर और ट्रेविस हेड को सौंपी हैं.

MLC 2025: डु प्लेसी के शतक से टीम को प्लेऑफ का टिकट, पोलार्ड ने छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ा पर कुछ नहीं बदला

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका में चल रही मेजर लीग क्रिकेट में टेक्सस सुपर किंग्स ने मौजूदा सीजन के प्लेऑफ का टिकट कटा लिया है. उसने ये कामयाबी मुंबई इंडियंस न्यूयॉर्क को हराते हुए हासिल की है. ये लगातार तीसरी बार है जब टेक्सस सुपर किंग्स स्रुष्ट के प्लेऑफ में पहुंची है. अब सवाल है कि टेक्सस सुपर किंग्स ने ये कामयाबी हासिल की कैसे? तो इसका जवाब है उनके कप्तान फाफ डु प्लेसी का शतक. डुप्लेसी ने अपनी टीम के लिए बड़े मौके पर बड़ी पारी खेली. उनके शतक का असर इतना तगड़ा रहा कि पोलार्ड ने अपनी टीम के लिए छक्कों का जो रिकॉर्ड तोड़ा, उससे भी कुछ नहीं हुआ.

टेक्सस सुपर किंग्स ने बनाए 223 रन, डुप्लेसी का शतक

मुंबई इंडियंस न्यूयॉर्क के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए टेक्सस सुपर किंग्स ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 223 रन बनाए. इसमें से नाबाद 103 रन अकेले फाफ डु प्लेसी के रहे, जो उन्होंने 53 गेंदों का सामना करते 9 छक्के और 5 चौके की मदद से बनाए. ये स्रुष्ट 2025 में फाफ डु प्लेसी के बल्ले से निकला दूसरा शतक रहा. स्द्ध के खिलाफ खेली इस शतकीय पारी के दौरान डुप्लेसी ने दूसरे विकेट के लिए मुक्कामल्ला के साथ 80 रन की पार्टनरशिप की. तीसरे विकेट के लिए स्टोइनिस के साथ 57 रन जोड़े जबकि चौथे विकेट के लिए ड्वेन फरेरा के साथ मिलकर उन्होंने सिर्फ 29 गेंदों में ही 81 रन की साझेदारी की.

पोलार्ड ने छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ा फिर भी टीम हारी

अब मुंबई इंडियंस न्यूयॉर्क के सामने 224 रन का लक्ष्य था, जिसका पीछा करने उतरी वो टीम 200 रन की दहलीज भी नहीं लांघ सकी. स्द्ध न्यूयॉर्क ने 20 ओवर खेलने के बाद 9 विकेट पर बस 184 रन बनाए. इस तरह उन्होंने 39 रन से मैच गंवा दिया, जो कि स्रुष्ट 2025 में उनकी 7 मैचों में छठी हार रही.

टीम इंडिया ने इंग्लैंड में मनाया जश्न, काटा केक, रिटायर होने वाले खिलाड़ी को किया विश

एजेंसी

नई दिल्ली। टीम इंडिया ने इंग्लैंड में अपनी ञ्20 वर्ल्ड कप 2024 की कामयाबी का जश्न मनाया. 29 जून को भारत को ञ्20 वर्ल्ड कप जीते एक साल पूरे हुए, जिस खुशी में बर्मिंघम में केक काटा गया. इसी दौरान भारतीय टीम से रिटायर होने वाले खिलाड़ी को विश भी किया गया. इंग्लैंड के दौरे पर गई टीम इंडिया फिलहाल बर्मिंघम में ही है, जहां उसे 2 जुलाई से दूसरा टेस्ट मैच खेलना है. भारतीय टीम उस टेस्ट मैच की तैयारियों में तो जुटी है. लेकिन, इस बीच वो अपनी ञ्20 वर्ल्ड कप 2024 की कामयाबी की पहली सालगिरह मनाना भी नहीं भूली.

T20 वर्ल्ड कप जीत के एक साल पूरे, कटा केक

T20 चैंपियन बनने के एक साल पूरे होने की खुशी में टीम इंडिया ने जो जश्न मनाया है, BCCI ने उसका वीडियो शेयर किया है. 110 मिनट के उस वीडियो में आपको एक नहीं बल्कि दो केक दिखेंगे. एक टीम इंडिया के नाम और दूसरी ञ्20 वर्ल्ड कप 2024 में उनकी कामयाबी के नाम. इस मौके पर भारतीय टीम के हरेक खिलाड़ी के चेहरे पर खुशी साफ-साफ दिखी.

केक काटने को लेकर दिखा कन्फ्यूजन!

टीम इंडिया ने खुशी के मौके पर केक तो काटा, मगर उस केक को काटने से पहले भारी कन्फ्यूजन भी दिखा. कन्फ्यूजन इस बात का कि केक काटेगा कौन? दरअसल, टीम इंडिया ने ञ्20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब रोहित शर्मा की कप्तानी में जीता था. मगर वो बर्मिंघम में थे नहीं.

एक या दो नहीं, कई लड़कियों से संबंध...

भारतीय खिलाड़ी पर शारीरिक शोषण के गंभीर आरोप, अब हुआ बड़ा खुलासा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के तेज गेंदबाज यश दयाल पर एक महिला ने गंभीर आरोप लगाए हैं. गाजियाबाद की रहने वाली इस महिला ने दावा किया है कि यश दयाल ने शादी का वादा करके उनका मानसिक और शारीरिक शोषण किया. यह मामला अब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंच गया है, जहां महिला ने अपनी शिकायत दर्ज की है. महिला ने अपनी शिकायत में कहा है कि वह पिछले पांच साल से यश दयाल के साथ रिश्ते में थी. अब इस पीड़िता न कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं.

भारतीय क्रिकेटर और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के तेज गेंदबाज यश दयाल की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं. यश दयाल पर एक महिला ने शारीरिक शोषण के गंभीर आरोप लगाए हैं. अब इस महिला ने कई चौंकाने वाले खुलासे भी किए हैं.

यश दयाल पर पीड़िता के गंभीर आरोप

यश दयाल हाल ही में आईपीएल 2025 में आरसीबी की ऐतिहासिक जीत का हिस्सा रहे थे, जहां उन्होंने 15 मैचों में 13 विकेट लिए. उत्तर प्रदेश के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने वाले इस खिलाड़ी को अभी तक भारतीय नेशनल टीम में डेब्यू करने का मौका नहीं मिला है. लेकिन शारीरिक शोषण के आरोप के बाद वह सुर्खियों में आ गए हैं. दैनिक भास्कर की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पीड़िता ने आरोप लगाया है कि यश अपने रिश्ते के दौरान कई महिलाओं के साथ संबंध में थे.

पीड़िता ने दावा किया है कि वह यश को साल 2020 से जानती है. यश ने उन्हें अपने परिवार से कई बार मिलवाया है और वह उनके घर में भी रहीं है. लेकिन यश दयाल ने पिछले ढाई साल में कई लड़कियों के साथ संबंध बनाए हैं. पीड़िता ने ये भी दावा किया है कि तीन लड़कियां उनके टच में हैं, जिनके साथ यश के संबंध थे. रिपोर्ट के मुताबिक,

यश दयाल ने इन लड़कियों को भी धोखा दिया है. हालांकि, यश दयाल और उनके परिवार की ओर से इन दावों पर अभी तक कुछ नहीं कहा गया है. यह मामला अब खेल जगत में हलचल मचा रहा है और फैंस के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है.

अब सबकी नजर इस बात पर है कि पुलिस की जांच में क्या तथ्य सामने आते हैं और इस मामले का यश दयाल के करियर पर क्या असर पड़ता है.

IPL 2022 में साथ आई थीं नजर

यश दयाल और इस पीड़िता का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है. ये फोटो आईपीएल 2022 के दौरान का है. 2022 में जब यश दयाल गुजरात टाइटंस का हिस्सा थे और टीम चैंपियन बनी थी, तो उस फाइनल के बाद भी दयाल के साथ इस पीड़ित महिला ने अपनी फोटो इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं.

इसके अलावा इस पीड़िता ने दावा किया है कि ये दोनों फरवरी 2025 में आरसीबी के एक खिलाड़ी की शादी में शामिल हुए थे, जहां उन्होंने सगाई के बारे में चर्चा की थी.

पैट कमिंस के साथ भी घट गई डेविड वॉर्नर वाली घटना, वेस्टइंडीज में सबसे बेशकीमती चीज को लेकर बवाल

पैट कमिंस की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला टेस्ट जीत लिया है. अब दोनों टीमों के बीच दूसरा टेस्ट 3 जुलाई से है. हालांकि इसी बीच पैट कमिंस की बेशकीमती चीज वेस्टइंडीज में खो गई है.

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की टीम इस वक्त वेस्टइंडीज के दौरे पर है, जहां वो टेस्ट सीरीज खेल रही है. पैट कमिंस की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज से पहला टेस्ट जीतकर सीरीज में 1-0 की बढ़त भी ले ली है. दोनों टीमों के बीच दूसरा टेस्ट अब 3 जुलाई से खेला जाना है.

लेकिन, उससे पहले पैट कमिंस के साथ भी डेविड वॉर्नर वाली घटना घट गई है. दरअसल, ऐसी खबर है कि ऑस्ट्रेलियाई कप्तान की सबसे बेशकीमती चीज वेस्टइंडीज में खो गई है. कमिंस की वो बेशकीमती चीज उनकी नई बैगी ग्रीन कैप है. हर ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी के लिए उसकी बैगी ग्रीन कैप अनमोल होती है.

पैट कमिंस की नई बैगी ग्रीन कैप खोई

ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान पैट कमिंस ने अपनी नई बैगी ग्रीन कैप ब्रिजटाउन में खेले पहले टेस्ट मैच के दौरान गुम की. रिपोर्ट के मुताबिक कमिंस को अपनी नई बैगी ग्रीन कैप बारबाडोस टेस्ट के पहले दिन से ही नहीं मिल रही. फॉक्स स्पोर्ट्स के मुताबिक बारबाडोस में पहले टेस्ट के शुरू होने से एक दिन पहले जब वेस्टइंडीज के कप्तान रोस्टन चेज के साथ उनका फोटो शूट था, तब उन्होंने वो कैप पहन रखी थी. लेकिन, मैच वाले दिन टॉस से ठीक 10 मिनट पहले उन्हें वो कैप नहीं मिल रही थी.

कमिंस से पहले वॉर्नर के साथ हो चुकी है ऐसी घटना

पैट कमिंस की नई बैगी ग्रीन कैप कहां है? उस बारे में अभी तक पता नहीं चला है. कमिंस के साथ वेस्टइंडीज में घटी ये घटना बिल्कुल वैसी ही है, जैसी 2024 के शुरुआत में डेविड वॉर्नर के साथ उनके फेयरवेल मैच से ठीक पहले घटी थी. डेविड वार्नर की बैगी ग्रीन कैप भी उनके आखिरी टेस्ट खेलने से ठीक पहले गायब हो गई थी, जिसके बाद वार्नर ने सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों से अपील की थी. वॉर्नर की बैगी ग्रीन कैप कुछ दिन बाद ही उन्हें मिल गई थी.

तेलंगाना में किस कंपनी के प्लांट में लगी आग, जिसके शेयर हो गए धड़ाम

एजेंसी

नई दिल्ली। तेलंगाना के पशमीलाराम औद्योगिक क्षेत्र में स्थित सिगाची इंडस्ट्रीज के फार्मास्यूटिकल मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में एक बड़ा विस्फोट और आग लगने के बाद सोमवार को कंपनी के शेयरों में भारी गिरावट आई और यह बीएसई पर 47 रुपये के इंट्राडे निचले स्तर पर पहुंच गया. कारोबारी सत्र के दौरान कंपनी के शेयरों में करीब 15 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है. इस घटना में कई लोगों की मौत हो गई है, जिसकी वजह से ऑपरेशनल व्यवधान और संभावित रेगुलेटरी नतीजों को लेकर निवेशकों की चिंता बढ़ गई है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर शेयर बाजार में कंपनी आंकड़े किस तरह की कहानी बयां कर रहे हैं.

कुछ ऐसी है तेलंगाना की घटना

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, विस्फोट तब हुआ जब ऑपरेशनल के दौरान एक केमिकल रिएक्टर में विस्फोट हो गया, जिसके परिणामस्वरूप एक भयावह आग लग गई जिसने प्लांट को अपनी चपेट में ले लिया. विस्फोट के फोर्स के कारण एक

इमारत कथित तौर पर पूरी तरह से ढह गई. शुरुआती अपडेट के अनुसार, कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और 20 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. जानकारी के अनुसार सांगारेड्डी जिले के पशमीलाराम में सिगाची केमिकल इंडस्ट्री में हुए भीषण विस्फोट में कई लोगों की मौत हो गई और कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए.

विस्फोट के कारण कर्मचारी 100 मीटर दूर जा गिरे, जिससे कई लोग पास के टेंट में फंस गए और आग भड़कती रही. दमकलकर्मी मौके पर आग बुझाने और बचाव अभियान चला रहे हैं. घटनास्थल से प्राप्त दृश्यों में प्लांट से धुएं का गुबार उठता हुआ दिखाई दे रहा है, स्थानीय अधिकारी और आपातकालीन सेवाएं घायलों को निकालने और उन्हें पास के अस्पतालों में पहुंचाने में लगी हुई हैं. हालांकि कंपनी ने अभी तक नुकसान की सीमा या इसके ऑपरेशनल प्रभाव के बारे में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, लेकिन दुर्घटना की गंभीरता ने बाजार की धारणा पर भारी असर डाला है.

सिगाची इंडस्ट्रीज शेयरों में बड़ी गिरावट

दोपहर 2 बजकर 45 मिनट पर कंपनी के शेयर 11.29 फीसदी की गिरावट के साथ 48.95 रुपए पर कारोबार कर रहे थे. जबकि कारोबारी सत्र के दौरान कंपनी के शेयरों में करीब 15 फीसदी की गिरावट देखने को मिली. जिसकी बाद कंपनी के शेयर 47 रुपए पर पहुंच गए थे. पिछले एक साल में, सिगाची इंडस्ट्रीज के शेयरों में 20.92 फीसदी की गिरावट आई है, जबकि मौजूदा साल में कंपनी का शेयर 5.30 फीसदी टूटा है.पिछले छह महीनों में, शेयर में 3.97 फीसदी की गिरावट आई है. हालांकि, पिछले तीन महीनों में, इसमें 36.24 फीसदी की ग्रोथ देखने को मिली है. एक महीने में कंपनी का शेयर 9 फीसदी से ज्यादा टूट चुका है. अगर आज की गिरावट को देखें तो कंपनी के मार्केट कैप में 312.44 करोड़ रुपए की गिरावट देखने को मिल चुकी है और कंपनी का कुल मार्केट कैप 1,795.22 करोड़ रुपए पर आ गया.

GST कलेक्शन से सरकार ने तोड़ा 5 साल पुराना रिकॉर्ड, एक साल में खजाने में आए इतने लाख करोड़

एजेंसी

नई दिल्ली। जब से जीएसटी लागू किया गया है. उसके बाद से सरकार के खजाने में लगातार इजाफा देखने को मिल रहा है. अब जीएसटी कलेक्शन से सरकार ने रिकॉर्ड तक बना डाला है. वास्तव में बीते वित्त वर्ष 2025 में सरकार ने रिकॉर्ड ?जीएसटी कलेक्शन किया है. खास बात तो ये है कि सरकार का ये कलेक्शन बीते 5 बरस में दोगुना हो गया है. जानकारों की मानें तो जीएसटी कलेक्शन में आने वाले सालों में और इजाफा देखने को मिल सकता है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर सरकार की ओर से किस तरह के आंकड़े जारी किए गए हैं.

जीएसटी कलेक्शन का रिकॉर्ड

ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन पांच साल में दोगुना होकर वित्त वर्ष 2024-25 में 22.08 लाख करोड़ रुपए के लाइफ टाइम हाई पर पहुंच गया, जो वित्त वर्ष 2020-21 में 11.37 लाख करोड़ रुपए था. ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन वित्त वर्ष 2024-25 में 22.08 लाख करोड़ रुपए के अपने पीक को छू गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 9.4 फीसदी अधिक है. खास बात तो ये है कि पांच साल में सालाना आधार पर ये कलेक्शन करीब दोगुना हो चुका है. वित्त वर्ष 2024-25 में औसत मासिक कलेक्शन 1.84 लाख करोड़ रुपए रहा, जो 2023-24 में 1.68 लाख करोड़ रुपए और 2021-22 में 1.51 लाख करोड़ रुपए था. जानकारों की मानें तो आने वाले सालों में ये मासिक औसत कलेक्शन 2 लाख करोड़ रुपए के करीब पहुंच सकता है.

दोगुनी से ज्यादा हुई टैक्सपेयर्स की संख्या

जीएसटी के तहत रजिस्टर्ड करदाताओं की संख्या 2017 के 65 लाख से बढ़कर आठ साल में 1.51 करोड़ रुपए से अधिक हो गई है. जीएसटी के आठ वर्षों पर एक सरकारी बयान में कहा गया कि इसके लागू होने के बाद से, जीएसटी ने रेवेन्यू कलेक्शन और टैक्स बेस बढ़ाने में मजबूत वृद्धि दिखाई है. इसने भारत की राजकोषीय स्थिति को लगातार मजबूत किया है और अप्रत्यक्ष कराधान को अधिक कुशल और पारदर्शी बनाया है. जीएसटी ने 2024-25 में 22.08 लाख करोड़ रुपए का अपना अबतक का सबसे अधिक सकल संग्रह दर्ज किया, जो सालाना आधार पर 9.4 प्रतिशत की वृद्धि है.

ईरान-इजराइल के बीच फिर शुरू होगा युद्ध 'काला सोना' हो रहा है महंगा

एजेंसी

नई दिल्ली। ईरान और इजराइल के बीच सीजफायर हो गया है. 12 दिनों तक चली जंग अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता के बाद रुक गई. हालांकि, इसको लेकर ईरान को अभी भरोसा नहीं है. उसे फिर से जंग होने का खतरा है. ईरान ने कहा है कि उसे संदेह है कि इजरायल के साथ युद्ध विराम कायम रहेगा. वहीं, दूसरी ओर से किसी भी नए आक्रमण का जवाब देने के लिए तैयार है. मिडिल ईस्ट के देशों के बीच फिर से युद्ध शुरू होने की सुगबुगाहट का असर क्रूड ऑयल यानी काला सोने पर देखने को मिल रहा है. क्रूड ऑयल के दामों में फिर से तेजी

देखने को मिल रही है. तेल के दाम करीब 0.36 फीसदी के साथ कारोबार कर रहे हैं.ईरान की सेमी-गवर्नमेंट न्यूज एजेंसी फार्स ने सशस्त्र बलों के चीफ अब्दुल रहीम मौसवी के हवाले से कहा कि हमें दुश्मन के युद्ध विराम और अपने वादों पर टिके रहने की नीयत पर बड़ा शक है. मौसवी ने कहा कि अगर फिर से हमला हुआ तो हम मजबूती से जवाब देने को तैयार हैं.ब्लूमबर्ग के मुताबिक, मौसवी ने सऊदी के रक्षा मंत्री खालिद बिन सलमान से रविवार को फोन पर बात की, जिसमें मंगलवार को शुरू हुए युद्ध विराम की बात हुई. ईरान और इज़राइल ने 24 जून को युद्ध विराम की पुष्टि की थी, जिसने करीब दो हफ्ते से चल रही सैन्य कार्रवाइयों को खत्म किया. ये ऐलान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ट्रुथ सोशल पर युद्ध विराम की घोषणा के कुछ घंटों बाद हुआ. ईरान-इज़राइल तनाव 13 जून को इजराइली हमले से शुरू हुआ, जिसमें कई बड़े ईरानी सैन्य अधिकारी और वैज्ञानिक मारे गए. मौसवी के पहले चीफ मोहम्मद बाघेरी भी इजराइली हमलों में मारे गए थे.

तेल के दाम बढ़ेंगे?

अगर ईरान और इजराइल के बीच जंग तेज होती है और ईरान होर्मुज को बंद करने का फैसला करता है, तो इसका असर पूरी दुनिया के तेल के दामों पर देखने को मिलता है.

वोडाफोन आइडिया के शेयरों में ज़बरदस्त उछाल, क्या बन सकता है अगला मल्टीबैगर

एजेंसी

नई दिल्ली। टेलीकॉम सेक्टर की कंपनी वोडाफोन आइडिया के शेयरों में इन दिनों जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है. भले ही शेयर मार्केट में उतार-चढ़ाव का माहौल हो और कंपनी के सब्सक्राइबर्स की संख्या में कमी आ रही हो लेकिन इसके बावजूद वोडाफोन आइडिया के शेयर प्राइस लगातार चढ़ रहे हैं. निवेशकों में इस स्टॉक को लेकर गजब का उत्साह है और कई लोग इसे मल्टीबैगर बनने की उम्मीद के साथ देख रहे हैं.

शेयरों में 14ज्ञ की उछाल, मार्केट कैप 80 हजार करोड़ के पार

पिछले कुछ दिनों से वोडाफोन आइडिया के शेयरों में गजब की तेजी देखने को मिल रही है. सोमवार को यह स्टॉक 1ज्ञ की बढ़त के साथ 7.51 रुपये के स्तर पर ट्रेड कर रहा था. पिछले एक हफ्ते में इस शेयर ने 14ज्ञ तक की छलांग लगाई है. इतना ही नहीं, पिछले 5 ट्रेडिंग सेशन में भी यह स्टॉक 10ज्ञ तक उछला है. इस तेजी की वजह से कंपनी का मार्केट कैप 80.39 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया है.

लेकिन सवाल यह है कि आखिर इस तेजी की वजह क्या है? खास बात यह है कि इस दौरान टेलीकॉम सेक्टर में मार्केट सेंटीमेंट्स कुछ खास नहीं रहे. इसके बावजूद वोडाफोन आइडिया के शेयरों ने निवेशकों का ध्यान खींचा है. रिटेल निवेशक इस स्टॉक में खासा दिलचस्पी दिखा रहे हैं. शेयर होल्डिंग पैटर्न के मुताबिक, इस कंपनी में रिटेल निवेशकों की हिस्सेदारी 15.4ज्ञ है.

सब्सक्राइबर्स घटे, फिर भी शेयर प्राइस में तेजी

वोडाफोन आइडिया के लिए यह समय चुनौतियों भरा रहा है. कंपनी के एक्टिव सब्सक्राइबर्स की संख्या में कमी देखी गई है. मई 2025 की एक रिपोर्ट के मुताबिक, वोडाफोन आइडिया के एक्टिव सब्सक्राइबर्स 1.3 मिलियन घटकर 173 मिलियन रह गए. दूसरी ओर, इसके प्रतिद्वंद्वी रिलायंस जियो और भारती एयरटेल के सब्सक्राइबर्स की संख्या में इजाफा हुआ. जहां जियो के एक्टिव सब्सक्राइबर्स 7.4 मिलियन बढ़े, वहीं वोडाफोन आइडिया को इस मोर्चे पर नुकसान उठाना पड़ा.कंपनी की एक्टिव सब्सक्राइबर मार्केट हिस्सेदारी भी 23 आधार अंकों की गिरावट के साथ 16ज्ञ पर आ गई. अगर तुलना करें तो रिलायंस जियो की मार्केट हिस्सेदारी 42.8ज्ञ और भारती एयरटेल की 35.8ज्ञ रही. इतना ही नहीं, वोडाफोन आइडिया के नेट सब्सक्राइबर्स भी 0.3 मिलियन कम हुए.

मोबाइल ब्रॉडबैंड में भी पिछड़ी कंपनी

मोबाइल ब्रॉडबैंड (MBB) सेगमेंट में भी वोडाफोन आइडिया को झटका लगा है. मई 2025 में कंपनी की मार्केट हिस्सेदारी 20 आधार अंकों की गिरावट के साथ 13.9ज्ञ पर आ गई.

महारत्न कंपनी को अडानी पावर से मिला 6500 करोड़ रुपये का ऑर्डर, 270 रुपये के पार पहुंचे शेयर

एजेंसी

नयी दिल्ली। महारत्न कंपनी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) के शेयर सोमवार को क्ष्य में 270 रुपये के पार पहुंच गए हैं। भेल के शेयर सोमवार को 3 पर्सेंट के उछाल के साथ 272 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयर करीब 6 महीने के उच्चतम स्तर पर जा पहुंचे हैं। भेल के शेयरों में यह तेज उछाल अडानी पावर की तरफ से एक बड़ा ऑर्डर मिलने के बाद आया है। कंपनी को अडानी पावर से मिले ऑर्डर की वैल्यू 6500 करोड़ रुपये है। भेल के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 335.40 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 176 रुपये है।

अडानी पावर से मिले ऑर्डर के डीटेल

महारत्न कंपनी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) ने शुक्रवार को शेयर बाजार बंद होने के बाद अनाउंस किया कि उसे अडानी पावर से 800 मेगावॉट की 6 थर्मल यूनिट्स के लिए एक लेटर ऑफ अवॉर्ड (स्ह्र) मिला है। इस कॉन्ट्रैक्ट के तहत महारत्न कंपनी भेल, अडानी पावर को ऑग्जिल्यरीज एंड सुपरवाइज इरेक्शन और कमीशनिंग के साथ स्टीम टर्बाइन जेनरेटर की सप्लाई करेगी।

5 साल में 590ज्ञ से अधिक चढ़ गए हैं कंपनी के शेयर

महारत्न कंपनी भेल (BHEL) के शेयर पिछले पांच साल में 590 पर्सेंट से ज्यादा उछल गए हैं। भेल के शेयर 3 जुलाई 2020 को 38.65 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 30 जून 2025 को 272 रुपये पर जा पहुंचे हैं। पिछले चार साल में भेल के शेयरों में 305 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। पिछले तीन साल में भेल के शेयर 485 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। पिछले दो साल में कंपनी के शेयरों में 205 पर्सेंट की तेजी आई है।

मुकेश अंबानी की इस कंपनी में जारी है ताबड़तोड़ तेजी, क्या अब भी बचा है कमाई का मौका

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार 4 दिनों की तेजी के बाद आज मार्केट में गिरावट देखने को मिल रहा है. बाजार का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स करीब 250 अंकों की गिरावट के साथ 83,786.49 पर कारोबार कर रहा है. दलाल स्ट्रीट में जारी बिकवाली के बीच भी मुकेश अंबानी की कंपनी जियो फाइनेंशियल के शेयरों में तेजी देखने को मिल रही है. कंपनी के शेयर आज लगातार 5 वें दिन हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं. आइए एक्सपर्ट के जरिए समझते हैं कि इस शेयर में अभी और कमाई का मौका बचा है?सोमवार, 30 जून को जियो फाइनेंशियल के शेयर की कीमत में अच्छा खासा उछाल देखने को मिला, और ये लगातार पांचवें दिन चढ़ता रहा. इस दौरान मुकेश अंबानी की कंपनी के शेयर ने 13ज्ञ की बढ़त हासिल की. ये उछाल तब आया जब जियो फाइनेंशियल को

अपने अलग-अलग बिजनेस के लिए एक के बाद एक मंजूरी मिली, जिससे ये एक कंप्लीट इनवेस्टमेंट सॉल्यूशन प्लेटफॉर्म बन गया. पिछले शुक्रवार को जियो ब्लैकरॉक ब्रोकिंग को सेबी से ब्रोकरेज फर्म शुरू करने की मंजूरी मिली. ये ब्रोकिंग यूनिट जियो फाइनेंशियल सर्विसेज और अमेरिका की ब्लैकरॉक इंक के बीच 50-50 का जॉइंट वेंचर है.हाल ही में जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट और जियो ब्लैकरॉक इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स को भी ऑपरेशन शुरू करने की मंजूरी मिली, जिससे इनवेस्टर्स का भरोसा और बढ़ा. जियो फाइनेंशियल ने अपनी पेमेंट्स बैंक सब्सिडियरी में 190 करोड़ रुपये का निवेश किया है. साथ ही, इसने जियो पेमेंट्स बैंक में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की पूरी 17.8ज्ञ हिस्सेदारी 104.54 करोड़ रुपये में खरीद ली.

शेयर का प्राइस ट्रेंड

जियो फाइनेंशियल का शेयर आज एनएसई पर 326.90 पर खुला , जो पिछले बंद भाव 323.45 प्रति शेयर से अधिक है. एनबीएफसी का शेयर जल्द ही दिन के उच्चतम स्तर 331.90 प्रति शेयर पर पहुंच गया, जो कि एक दिन में करीब 2.6 प्रतिशत बढ़ी. कंपनी के शेयरों में जून में 14ज्ञ की उछाल के साथ शानदार प्रदर्शन हुआ है. हाल ही में आई तेजी मई में 10ज्ञ अप्रैल में 14.5ज्ञ और मार्च में 9.5ज्ञ की बढ़त के बाद आई है. जियो फाइनेंशियल के शेयर में ईयर-ऑन-ईयर के हिसाब से भी 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है.

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

मिंट की एक रिपोर्ट में एक्सपर्ट अंशुल जैन के मुताबिक, जियो फाइनेंस ने 310 के अपने बीकली स्विंग हाई को पार कर लिया है और अब 347 पर अगले प्रमुख स्विंग हाई की ओर बढ़ रहा है. जैन ने सलाह दी कि स्टॉक की कीमत की गति और वॉल्यूम एक्शन से पता चलता है .

सरकार जल्द ही इस बैंक की बेचेगी हिस्सेदारी, इस खबर के बाद शेयरों को लगे पंख

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार जल्द ही आईडीबीआई बैंक की हिस्सेदारी बेचने के लिए पैसों वाली बोलियां (Financial Bids) मंगवाने वाली है। इस खबर के बाद आज आईडीबीआई बैंक के शेयर 4ज्ञ चढ़कर ?105 प्रति शेयर पर पहुंच गए। खबरें आई हैं कि यह कदम बैंक के निजीकरण की लंबे समय से अटकी प्रक्रिया में तेजी का संकेत है।

क्या है पूरा मामला?

CNBC-TV18 की रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार खरीददारों के साथ शेयर खरीद समझौता अंतिम रूप देने के करीब है। मंत्रियों की एक समिति से जल्द ही इस सौदे की मंजूरी मांगी जाएगी। पिछले 3 साल से लटके इस सौदे को सरकार की Disinvestment रणनीति का अहम हिस्सा माना जाता है। इस साल अब तक बैंक के शेयरों में 35ज्ञ की जबरदस्त बढ़त हुई है, जबकि निफ्टी 50 सिर्फ 7ज्ञ ऊपर है।

सरकार और स्ढ्ढष्ट कितना हिस्सा रखते हैं?

फिलहाल, केंद्र सरकार और भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) मिलकर आईडीबीआई बैंक के 95ज्ञ मालिक हैं। इसमें से 60ज्ञ से ज्यादा हिस्सा (60.72ज्ञ) बेचा जाना है। यानी खरीददार को बैंक में मैनेजमेंट कंट्रोल मिल जाएगा।

1 जुलाई से बढ़ जाएगा रेल टिकट का किराया, बदल जाएंगे रेलवे से जुड़े ये नियम

एजेंसी

नई दिल्ली।भारतीय रेलवे अपने यात्रियों के लिए ट्रेन यात्रा को और बेहतर बनाने की तैयारी में है. 1 जुलाई 2025 से रेलवे में कई बड़े बदलाव होने जा रहे हैं, जो टिकट बुकिंग से लेकर किराए और रिजर्वेशन सिस्टम तक को प्रभावित करेंगे. रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि इन बदलावों का मकसद एक ऐसा सिस्टम तैयार करना है जो ्रस्मार्ट, साफ, यूजर-फ्रेंडली और प्रोडक्टिव ्र हो.

1 जुलाई से रेल सफर होगा महंगा

1 जुलाई से ट्रेन के किराए में थोड़ी बढ़ोतरी होने वाली है. आप अगर मेल या एक्सप्रेस ट्रेन से सफर करते हैं तो नॉन-एसी क्लास में प्रति किलोमीटर 1 पैसे और एसी क्लास में 2 पैसे की बढ़ोतरी होगी. अच्छी खबर ये है कि 500 किलोमीटर तक की यात्रा के लिए सेकेंड क्लास का किराया जस का तस रहेगा. लेकिन अगर आप 500 किलोमीटर से ज्यादा की यात्रा कर रहे हैं, तो किराए में प्रति किलोमीटर आधा पैसा अतिरिक्त देना पड़ सकता है.मान लीजिए, आप दिल्ली से लखनऊ जा रहे हैं, जो करीब 500 किलोमीटर है, तो आपका नॉन-एसी किराया नहीं बढ़ेगा. लेकिन अगर आप मुंबई से दिल्ली का लंबा सफर कर रहे हैं, तो जेब पर थोड़ा असर पड़ेगा. रेलवे का कहना है कि ये बढ़ोतरी मामूली है और यात्रियों की सुविधा के लिए बाकी बदलावों को लागू करने में मदद करेगी.

अब 8 घंटे पहले तैयार होगा रिजर्वेशन चार्ट

अभी तक रेलवे का रिजर्वेशन चार्ट ट्रेन के रवाना होने से सिर्फ 4 घंटे पहले तैयार होता था. इससे वेटलिस्ट में रहने वाले यात्रियों को काफी परेशानी होती थी. खासकर उन लोगों को, जो दूर-दराज या उपनगरीय इलाकों से सफर करते हैं. उनके पास दूसरी व्यवस्था करने का वक्त ही नहीं बचता था.

अब रेलवे ने इसे और बेहतर करने का फैसला किया है. 1 जुलाई से रिजर्वेशन चार्ट ट्रेन के रवाना होने से 8 घंटे पहले तैयार होगा. यानी अगर आपकी ट्रेन दोपहर 2 बजे से पहले रवाना हो रही है, तो उसका चार्ट पिछले दिन रात 9 बजे तक फाइनल हो जाएगा. इससे आपको अपनी टिकट की स्थिति पहले पता चल जाएगी और आप दूसरी व्यवस्था करने की प्लानिंग कर सकेंगे. खासकर ग्रामीण इलाकों के यात्रियों के लिए ये बड़ी राहत की खबर है.

तत्काल बुकिंग में अब आधार जरूरी

अगर आप तत्काल टिकट बुक करते हैं, तो 1 जुलाई 2025 से नियम बदलने वाले हैं. अब ढ्ढक्रष्टञ्जष्ट प्लेटफॉर्म पर तत्काल टिकट सिर्फ वेरिफाइड यूजर्स ही बुक कर पाएंगे. इसके लिए आपको अपनी पहचान आधार कार्ड या डिजिलॉकर में सेव किसी वैध सरकारी दस्तावेज से वेरिफाई करानी होगी.

जुलाई के आखिर तक रेलवे ह्रञ्जक्क आधारित वेरिफिकेशन भी शुरू करने जा रहा है. यानी टिकट बुक करते वक्त आपको एक ह्रञ्जक्क मिलेगा, जिसे डालकर अपनी बुकिंग कन्फर्म करनी होगी.

540 MW सोलर मॉड्यूल्स की सप्लाई का मिला ऑर्डर, 3100 रुपये के पार पहुंच गए सोलर कंपनी

एजेंसी

नई दिल्ली। सोलर कंपनी वारी एनर्जीज लिमिटेड के शेयरों में सोमवार को तूफानी तेजी आई है। वारी एनर्जीज के शेयर सोमवार को क्ष्य में इंट्राडे के दौरान 5 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 3113.50 रुपये पर ट्रेड कर रहे हैं। वारी एनर्जीज की सहायक इकाई को 500 मेगावॉट सोलर मॉड्यूल्स की सप्लाई के लिए ऑर्डर मिला है, इस ऑर्डर के बाद ही कंपनी के शेयरों में जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है। वारी एनर्जीज के शेयरों में लगातार तीसरे दिन उछाल है और कंपनी के शेयर पिछले साल दिसंबर के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर ट्रेड कर रहे हैं।वारी एनर्जीज की यूनिट को मिला है ऑर्डर

वारी एनर्जीज (Waaree Energies) की अमेरिकी सहायक इकाई वारी सोलर अमेरिका को एक इंटरनेशनल ऑर्डर मिला है। एक्सचेंज फाइलिंग के मुताबिक, यह ऑर्डर 540 मेगावॉट के सोलर मॉड्यूल्स की सप्लाई के लिए है। कंपनी ने बताया है कि यह ऑर्डर एक अमेरिका बेस्ड डिवेलपर और यूटिलिटी-स्केल सोलर एंड एनर्जी स्टोरेज प्रोजेक्ट्स के ओनर-ऑपरेटर से मिला है। इस ऑर्डर के तहत साल 2025 में 270 मेगावॉट के सोलर मॉड्यूल्स की सप्लाई की जानी है। वहीं, 2027-28 के दौरान बाकी 270 मेगावॉट के सोलर मॉड्यूल्स की सप्लाई की जाएगी। इस महीने की शुरुआत में वारी सोलर अमेरिका को 599 मेगावॉट सोलर मॉड्यूल्स की सप्लाई का ऑर्डर मिला था।चौथी तिमाही में कंपनी को 618.91 करोड़ रुपये का मुनाफावारी एनर्जीज को चौथी तिमाही में 618.91 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हुआ था। एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले कंपनी का मुनाफा 34 पर्सेंट बढ़ा है। एक साल पहले की समान अवधि में वारी एनर्जीज को 461.52 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था।

सरकार की इस स्कीम से बिना बैलेंस वाले बैंक अकाउंट में भी मिल रही हैं जबरदस्त सुविधाएं

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने देश के गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए एक ऐसी स्कीम चलाई है, जिसमें आपको बैंक अकाउंट में एक भी रुपया रखने की जरूरत नहीं है और फिर भी आप 2 लाख रुपये तक के इंश्योरेंस का फायदा उठा सकते हैं. इस योजना का नाम है प्रधानमंत्री जन धन योजना (Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana).

इस स्कीम की शुरुआत साल 2014 में की गई थी और इसका मकसद था देश के हर नागरिक को बैंकिंग सिस्टम से जोड़ना. खासतौर से गरीब तबके के लोग, जो बैंक की सुविधाओं से कोसों दूर थे, उन्हें इस योजना के तहत सीधे बैंकिंग सेवाओं का फायदा देने का प्रयास किया गया.

क्या है प्रधानमंत्री जन धन योजना?

प्रधानमंत्री जन धन योजना यानी PMJDY एक ऐसी योजना है जिसके तहत कोई भी नागरिक बिना किसी पैसे के अपना बैंक अकाउंट खुलवा सकता है. इस अकाउंट को जनधन अकाउंट कहा जाता है और इसकी सबसे खास बात यह है कि इसमें मिनिमम बैलेंस रखने की कोई जरूरत नहीं होती.

मतलब ये कि अगर आपके अकाउंट में एक भी रुपया नहीं है, तो भी आपका अकाउंट चालू रहेगा और बैंक आपसे कोई पेनाल्टी या चार्ज नहीं लेगा. यही वजह है कि ये स्कीम खासतौर पर गरीब और निम्न आय वर्ग के लिए वरदान साबित हो रही है.

जनधन अकाउंट के दमदार फायदे

अब बात करते हैं इस योजना से मिलने वाले कुछ बड़े और दमदार फायदों की, जो इसे और खास बनाते हैं.

1- जीरो बैलेंस अकाउंट: इस योजना के तहत जो अकाउंट खुलता है, उसमें आपको कोई न्यूनतम राशि रखने की जरूरत नहीं होती.

2- फ्री इंश्योरेंस कवर: इस अकाउंट के साथ मिलता है एक्सीडेंटल इंश्योरेंस का बेहतरीन कवर. अगर अकाउंट होल्डर की किसी दुर्घटना में मौत हो जाती है तो उसके परिवार को 2 लाख रुपये तक की सहायता राशि दी जाती है. वहीं अगर कोई व्यक्ति आंशिक रूप से विकलांग हो जाता है तो उसे 1 लाख रुपये तक का इंश्योरेंस कवर मिलता है.

3- जीवन बीमा: इसके अलावा जनधन अकाउंट होल्डर को 30,000 रुपये तक का लाइफ इंश्योरेंस कवर भी दिया जाता है, जो उनके भविष्य के लिए एक सुरक्षा कवच जैसा काम करता है.

ओवरड्राफ्ट की सुविधा भी है दमदार

इस योजना के तहत खाताधारकों को सिर्फ इंश्योरेंस का ही फायदा नहीं मिलता बल्कि उन्हें ओवरड्राफ्ट की सुविधा भी दी जाती है. यानी अगर आपके पास पैसे नहीं हैं, तब भी आप बैंक से 10,000 रुपये तक उधार ले सकते हैं. लेकिन ध्यान रहे, यह सुविधा तभी मिलती है जब आपका जनधन अकाउंट कम से कम 6 महीने पुराना हो और उसमें लेन-देन ठीक तरीके से हो रहा हो.

ब्याज का भी मिलता है फायदा

जनधन अकाउंट में जो भी पैसे जमा होते हैं, उन पर खाताधारकों को 4 प्रतिशत सालाना ब्याज भी दिया जाता है. यानी यह अकाउंट न सिर्फ आपके पैसों को सुरक्षित रखता है बल्कि उस पर ब्याज भी देता है.

कैसे खुलवाएं जनधन अकाउंट?

जनधन अकाउंट खोलना बेहद आसान है.

बिरसा टाइम्स देश का सर्वाधिक प्रसारित रविवारीय अखबार है। अपनी खोजपूर्ण तथा विश्लेषणात्मक खबरों के कारण बिरसा टाइम्स ने मीडिया– जगत में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई हैं। वर्ष 1980 से शुरू हुआ बिरसा टाइम्स का सफरनामा इसके पाठकों के निरंतर स्नेह और समर्थन के चलते आज भी उसी तेवर के साथ जारी हैं।

राँची और दिल्ली के साथ–साथ अब बिहार, छत्तीसगढ़ तथा उड़ीसा से प्रकाशित होने जा रहा है।

बिरसा टाइम्स

देश का सर्वाधिक प्रसारित नंबर–1 रविवारीय अखबार

जन सम्पर्क विभाग में विशाल भ्रष्टाचार का वट वृक्ष

" जब झारखंड और बिहार एक साथ था तब पांडे अपने पिता के साथ पटना में महावीर मंदिर में साफ–साफाई का काम करता था और पांडे जी के पिता मंदिर के सचिव आईपीएस स्वर्गीय आचार्य किशोर कुणाल जी के घर पर पूजा पाठ करते थे एवं महावीर मंदिर में भी काम करते थे और उसी समय अवधेश पांडे बिहार सरकार में दैनिक मजदूर में बहाली होकर धीरे–धीरे आई इ एस पदाधिकारी के घर पर कप–प्लेट साफ कर प्रभारी निदेशक तक पहुंच गए ! श्री पांडे को हिंदी और अंग्रेजी में एक लाइन भी लिखने नहीं आता था ! इनका सारा का सारा फाइल का काम के नीचे वाले अधिकारी लिखते थे और इस काम में उप निदेशक श्री शालिनी वर्मा और वर्तमान में बोकारो के उपायुक्त श्रीअजय नाथ झा सारा फाइल का काम करते थे ! दोनों के दोनों से पांडे के कार्यालय से लेकर आवास तक 11:00 बजे रात तक गुरु मंत्र लेते रहते थे और इसमें अपनी कुशलता से श्री झा ने उपायुक्त पद पर पहुंच गए ! ऐसे पांडे कभी भी अपनी पत्नी को अपने आवास में नहीं रखते थे और पांडे के समय में सिर्फ सिर्फ उसके पिता ही रहते थे और श्री पांडे के समय में जनसंपर्क विभाग में भ्रष्टाचार का पेड़–पौधा लगन ! शुरू हुआ और अब वर्तमान में जनसंपर्क विभाग में भ्रष्टाचार का बड़ा बरगद का पेड़ हो चुका है।

बिरसा टाइम्स देश का विश्वास पत्रकारिता के उन मूल्यों में हैं जो आम आदमी की चिंताओं और सरोकारों को आवाज देते हैं। इसीलिए बिरसा टाइम्स लोगो के बीच इस लम्बी यात्रा में भी अपनी विश्वसनीयता बरकरार रखने में कामयाब रहा है। अपने खास कंटेंट, गंभीर राजनैतिक विश्लेषण, अलग अंदाज और सुन्दर छपाई के चलते बिरसा टाइम्स को सम्मान–जनक स्थान मिला हैं। शायद इसीलिए बिरसा टाइम्स के पाठक वे युवा और संवेदनशील लोग हैं जो न केवल देश के बारे में सोचते हैं बल्कि देश के लिए कुछ करने का जज्बा भी रखते हैं।

सत्य और निष्पक्ष समाचारों के लिए पढ़ें !

सम्पर्क सूत्र :–

aadivasiexpress@gmail.com
birsatimes@gmail.com
8084674042
6202611859
8084674042